CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 20°C
न्यूनतम : 09°C

हल्द्वानी, बुधवार 24 दिसम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 119 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com पौष शुक्ल पक्ष 4 विक्रमी सम्वत् 2082 3 रजब 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र में विधानसभा में विपक्ष की एसआईआर पर चर्चा की मांग को सरकार ने किया खारिज पेज 2

दीप्ति शर्मा पहली बार आईसीसी महिला टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर खेल टाइम्स

आवाज की दुनिया के सरताज थे मोहम्मद रफी सम्पादकीय

ट्रम्प ने सालभर में 18 हजार करोड़ चंदा लिया पेज 12

बांग्लादेशी हिंदू युवक की हत्या का भारत में विरोध

नई दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) देशभर में प्रदर्शन कर रही है। मंगलवार सुबह विहिप के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर प्रदर्शन किया।

दिल्ली के अलावा विहिप ने मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, भोपाल और जम्मू में रैली निकालकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। बांग्लादेश में 18 दिसम्बर की रात हिंदू युवक दीपू चंद्र की हत्या कर दी गई थी। पहले यह दावा किया जा रहा था कि दीपू ने फेसबुक पर

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी की थी, लेकिन शुरुआती जांच में इसका कोई सबूत नहीं मिला। इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है। यह 10 दिन में दूसरी बार है, जब भारतीय उच्चायुक्त को बुलाया गया है। बांग्लादेशी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद भारत विरोधी प्रदर्शनों और फिर मैमन सिंह जिले में दीपू की मॉब लिंचिंग को लेकर दोनों देशों के रिश्ते काफी बिगड़ गए हैं। बांग्लादेश ने मंगलवार को भारत में अपने राजनयिक मिशनों पर हुए हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक इन घटनाओं के विरोध में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया गया। घटनाएं नई दिल्ली और सिलीगुड़ी में हुईं। बांग्लादेश ने कहा कि यह हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाएं अस्वीकार्य हैं।

- **विश्व हिंदू परिषद ने किया देश के छह शहरों में प्रदर्शन, ढाका में भारतीय उच्चायुक्त तलब**
- **मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, भोपाल और जम्मू में रैली निकालकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की**

यूपी टीईटी परीक्षा रद्द

- **पीजीटी- टीजीटी की नई तारीखें जल्द**

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से 28 और 29 जनवरी को प्रस्तावित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) निरस्त कर दी गई है। आयोग की ओर से टीईटी के साथ प्रवक्ता (पीजीटी) एवं प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती परीक्षाओं के कार्यक्रम जल्द जारी किए जाएंगे।

टीईटी मई के मध्य में कराने की बात भी कही जा रही है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की मंगलवार को हुई बैठक में परीक्षा नियंत्रक को इसके लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आयोग की भर्ती परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर भी तैयार किया जाए और उसी के अनुसार परीक्षाएं कराया जाना सुनिश्चित की जाए। भर्ती परीक्षाओं को लेकर आयोग में अब गतिरोध दूर होने की उम्मीद जगी है। नए अध्यक्ष प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई पहली बैठक में परीक्षाओं की तारीख, तो घोषित नहीं की गई, लेकिन इसका खाका जरूर तैयार किया गया। शीत अवकाश के बाद नए साल में आयोग खुलने पर परीक्षाओं की तारीख घोषित होने की भी उम्मीद है। आयोग की ओर से टीईटी के लिए विज्ञापन जारी कर आवेदन -शेष पृष्ठ दो पर

संक्षिप्त समाचार

यूएई से वांछित भगोड़े रितिक बजाज को भारत लाया गया

नई दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वांछित भगोड़े अपराधी रितिक बजाज को इंटरपोल की सहायता से वापस लेकर यहां पहुंची। सीबीआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा वांछित भगोड़े अपराधी रितिक बजाज को इंटरपोल सहयोग से यूएई से भारत वापस लाया गया है। सीबीआई के अनुसार रितिक बजाज दिल्ली पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी और आपूर्ति मामले में वांछित था। वह भारत से भाग गया था और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनबीसी) की मदद से यूएई में मिला। सीबीआई ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर भगोड़े को वापस लाने में मदद की। इससे पहले सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के कहने पर इंटरपोल के जरिये बजाज के खिलाफ रेड नोटिस हासिल किया था।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में आईएएस अधिकारी निरंजन दास गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में आईएएस अधिकारी निरंजन दास को गिरफ्तार कर लिया। दास को रायपुर स्थित धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशेष न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें ईडी की तीन दिन की हिरासत में भेज दिया गया। ईडी ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एसीबी/ईओडब्ल्यू द्वारा आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी।

नहीं रहे हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल

रायपुर। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित छत्तीसगढ़ के प्रख्यात हिंदी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का मंगलवार को रायपुर एम्स में निधन हो गया। 89 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। रायपुर एम्स में उनका इलाज चल रहा था। सांस लेने में दिक्कत के कारण उन्हें वेंटिलेटर में ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। प्रसिद्ध उपन्यासकार, लेखक और कवि विनोद कुमार शुक्ल ने उपन्यास एवं काव्य विधाओं में साहित्य का शानदार सृजन किया था।

SIR वोटर लिस्टः मप्र में 42.74 लाख नाम कटे

छत्तीसगढ़ में 27 लाख और केरल में 24 लाख लोगों के नाम काटे गए

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की एसआईआर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की, जिसमें से 42.74 लाख नाम हटाए गए हैं। इसमें 19.19 लाख पुरुष, 23.64 लाख महिलाएं हैं। लिस्ट में 8.46 लाख मृत, 8.42 लाख अनुपस्थित, 22.78 लाख शिफ्ट और 2.76 लाख डुप्लिकेट पाए गए। इसके अलावा केरल में 24.08 लाख और छत्तीसगढ़ में 27.34 लाख नाम लिस्ट में से हटाए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में 6.42 लाख मतदाताओं की मौत हो चुकी है। 19.13 लाख दूसरी जगह शिफ्ट हुए और 1.79 लाख डुप्लीकेट पाए

- **राजस्थान व बंगाल समेत 7 राज्यों से 2.70 करोड़ लोगों के हटे थे नाम**

गए। केरल विधानसभा की सभी 140 सीटों पर 2026 में चुनाव होना है। इससे पहले चुनाव आयोग 7 राज्यों पश्चिम बंगाल, राजस्थान, तमिलनाडु, गुजरात, गोवा, लक्षद्वीप और पुड्डुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर चुका है। इन राज्यों में अलग-अलग कारणों से कुल 2 करोड़ 70 लाख से ज्यादा नाम ड्राफ्ट रोल से हटाए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 97 लाख तमिलनाडु से फिर गुजरात से 73 लाख और बंगाल से 58 लाख नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में से बाहर किए गए हैं। 2025 की स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार वोटर लिस्ट के मुताबिक केरल में 2.86 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड वोटर हैं। एसआईआर के तहत मतदाता सूची का 99 फीसदी से अधिक डिजिटलीकरण पूरा हो गया है और लगभग 25 लाख नाम हटाए जा सकते हैं। केरल विधानसभा की सभी 140 सीटों पर 2026 में चुनाव होना है। ड्राफ्ट और फाइनल वोटर लिस्ट, दावा-आपत्ति की सूची वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। राजनीतिक दलों के साथ साझा होगी। ईआरओ के फैसले के खिलाफ जिला मजिस्ट्रेट और फिर सीईओ के पास अपील का प्रावधान भी रहेगा। अगर किसी मतदाता के दस्तावेज रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते, तो ईआरओ नोटिस जारी -शेष पृष्ठ दो पर

कार्ति चिदंबरम पर कसा कानूनी शिकंजा

नई दिल्ली। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम और उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्कररामन के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच किए जा रहे कथित चीनी वीज़ा रैकेट मामले में आरोप तय किए।

अदालत ने भास्कररामन पर मामले से संबंधित महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने का भी आरोप लगाया। दोनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया, जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई 16 जनवरी को तय की। सीबीआई ने विकास मखारिया को सरकारी गवाह का दर्जा दे दिया है, जिनसे अभियोजन पक्ष के मामले में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, पंजाब के मानसा स्थित एक निजी कंपनी (तलवंडी साबो पावर लिमिटेड) ने कथित तौर पर चीनी नागरिकों के लिए वीजा जारी करवाने में मदद के लिए

- **राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने चीनी वीजा घोटाले में कांग्रेस नेता के खिलाफ आरोप तय किए**

बिचौलियों के माध्यम से 50 लाख रुपये का भुगतान किया। यह कंपनी 1,980 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट स्थापित कर रही थी, जिसका निर्माण कार्य एक चीनी कंपनी को आउटसोर्स किया गया था। परियोजना में देरी होने के कारण, कंपनी ने कथित तौर पर गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा निर्धारित वीजा सीमा से अधिक चीनी पेशेवरों को लाने की कोशिश की। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि इन प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए कंपनी के प्रतिनिधियों ने अपने सहयोगियों के माध्यम से चेन्नई स्थित एक व्यक्ति से संपर्क किया। आरोप है कि चीनी अधिकारियों को पहले दिए गए 263 प्रोजेक्ट वीजा का पुनः उपयोग करने की योजना बनाई गई, जिससे गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित सीमा को प्रभावी ढंग से दरकिनार किया जा सके। इसके बाद, वीजा के पुनः उपयोग की मंजूरी के लिए गृह मंत्रालय को एक अनुरोध पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसे एक महीने के भीतर मंजूरी मिल गई। जांचकर्ताओं के अनुसार, चेन्नई स्थित व्यक्ति ने 50 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की, जिसे पंजाब स्थित फर्म ने अदा किया।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की न्यायालय की निगरानी में हो सीबीआई जांचः कांग्रेस

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/देहरादून। कांग्रेस ने उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले की व्यापक पड़ताल आवश्यक बताते हुए इस घटना की उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में केंद्रीय जांच ब्यूरो-सीबीआई से जांच कराने की मांग की है।

उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता

- **हत्याकांड में भाजपा का एक बड़ा नेता रहा शामिल : गोदियाल**

सम्मेलन में कहा कि तीन साल पुराने इस मामले में हाल में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें खुलासा हुआ है कि इस हत्याकांड में भाजपा का एक बड़ा नेता शामिल रहा है। यह खुलासा खुद को भाजपा कार्यकर्ता होने का दावा करने वाली एक महिला ने किया है। इस वीडियो से साफ है कि अपराधी सत्ताधारी दल का नेता है और यदि सीबीआई मामले की जांच करती है, तो वह निष्पक्ष नहीं होगी इसलिए इस पूरे प्रकरण की उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए। श्री गोदियाल ने कहा कि भाजपा के एक पूर्व विधायक की वार्ता का भी एक ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़ा खुलासा हुआ है।

सहारनपुर के पांच लोगों की हरियाणा में मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जिले में देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव शेखपुरा कदीम निवासी पांच लोगों की हरियाणा के कुरुक्षेत्र में दम घुटने से मौत हो गई है। मौत का कारण दम घुटना बताया गया है। यह सभी दो दिन पहले ही गांव से गए थे। इनमें दो सगे भाई, जीजा-साला और एक अन्य व्यक्ति शामिल है। पांच मौतों से गांव में मातम है।

शेखपुरा कदीम निवासी नूर (26) ठेकेदारी करता था। वह 21 दिसम्बर को गांव के रहने वाले

सोनू (30), मदनपाल (42), रोशनपाल (45) और रामकुमार (46) को कुरुक्षेत्र ले गया था। यह सभी पेंटर का काम करते थे। सोमवार रात खाना खाने के बाद पिपली रोड स्थित होटल स्टर्लिंग

- **कमरे में अंगीठी जलाकर सोए थे, पांचों का घुट गया दम, मृतकों में दो सगे भाई भी शामिल**

रिसोर्ट में रात के समय कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए थे, लेकिन वह मंगलवार सुबह नहीं उठे। सफाईकर्मी ने देखा कि कमरे से कोई बाहर नहीं निकला है, तो उसने कमरे का दरवाजा खटखटाया फिर खिड़की से देखा तो कोई हरकत नहीं हुई। पुलिस मौके पर -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा संविधान खत्म करने की साजिश रच रहीः राहुल

बर्लिन, वार्ता

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर भारतीय संविधान को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा संविधान की उस मूल भावना को खत्म करना चाहती है, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार देती है। राहुल गांधी 17 से 19 दिसम्बर तक जर्मनी दौरे पर पहुंचे थे।

इस दौरान 18 अक्टूबर को उन्होंने बर्लिन स्थित हर्टी स्कूल में छात्रों को संबोधित किया था। कांग्रेस ने सोमवार रात इस बातचीत का एक घंटे लंबा वीडियो जारी किया। वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा राज्यों की समानता, भाषाओं की

- **ईडी-सीबीआई का हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहा**
- **जर्मनी में बोले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष**

समानता और धर्मों की समानता के विचार को खत्म करने की बात कर रही है। भाजपा ने देश की संस्थाओं पर भी पूरा कब्जा कर लिया है। राहुल गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पा रही हैं। सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। एजेंसियां सिर्फ विपक्षी नेताओं पर केस दर्ज कर रही हैं, भाजपा नेताओं पर कोई दर्ज नहीं किया जाता। हम सिर्फ भाजपा से नहीं लड़ रहे, हम उनके भारतीय संस्थागत ढांचे और एजेंसियों पर कब्जे के खिलाफ भी लड़ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमने तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के चुनाव जीते हैं। हमने हरियाणा का चुनाव भी जीता, इसमें कोई शक नहीं है। मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाया कि एक ब्राजील की महिला हरियाणा की वोटर लिस्ट में थी। जब हमने यह प्रश्न चुनाव आयोग से पूछे तो उन्होंने जवाब नहीं दिया। हमें लगता है कि महाराष्ट्र के चुनाव भी निष्पक्ष नहीं थे। हम इस समय देश और दुनिया में बड़े बदलाव से गुजर रहे हैं। पहले भारत को अमेरिका के प्रभुत्व वाली दुनिया से फायदा हुआ, जहां अमेरिका दुनिया के नियम बनाता था, भले इसमें कुछ गलतियां थीं। अब अमेरिका की ताकत सेना, अर्थव्यवस्था और वित्त संबंधी मामलों में चुनौती का सामना कर रही है। साथ ही अमेरिका के अपने अंदर भी कई समस्याएं हैं। एक बड़ी चुनौती यह है कि उत्पादन का काम ज्यादातर चीन के हाथ में चला गया है।

अखलाक मॉब लिंचिंग में केस वापसी की याचिका निरस्त

ग्रेटर नोएडा। अखलाक मॉब लिंचिंग में केस वापस लेने के मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई।

मामले में फास्ट-ट्रैक अदालत (एफटीसी) ने अभियोजन पक्ष की ओर से केस वापसी की अर्जी को महत्वहीन और आधारहीन मानते हुए निरस्त कर दिया। मामले में अभियोजन की ओर से लगाई गई अर्जी के लिए मंगलवार की तारीख दी थी। अदालत ने दोनों पक्षों को सुना। साथ ही अदालत ने कहा कि मामले में अगली सुनवाई 6

- **केस वापसी की अर्जी को महत्वहीन और आधारहीन माना**

जनवरी को होगी। साथ ही मामले में अदालत ने प्रतिदिन सुनवाई की बात कही है। इस दौरान अभियोजन को आगे गवाहों के बयान दर्ज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पुलिस आयुक्त और डीसीपी ग्रेटर नोएडा को निर्देशित किया कि अगर गवाहों को सुरक्षा की आवश्यकता है, तो उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए।

सहकारिता आर्थिक मॉडल नहीं, सामाजिक परिवर्तन का माध्यम: सीएम

सहकारिता मेला 2025 का सीएम धामी ने किया उद्घाटन, किसानों, महिलाओं व युवाओं को मिल रहा लाभ

■ 670 सहकारी समितियां पूरी तरह डिजिटल, उत्तराखंड बना देश का मॉडल राज्य

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को रेंजर्स ग्राउंड, देहरादून में आयोजित सहकारिता मेला 2025 में प्रतिभाग किया। यह आयोजन 'अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025' व उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता मेला केवल उत्पादों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सहकारिता शक्ति, ग्रामीण आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सहकारिता भारतीय जीवन पद्धति का मूल संस्कार रही है, जहां व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के सामूहिक हित के लिए कार्य करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में सहका. रिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है, इसी को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने के लिए देश में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन एक ऐतिहासिक निर्णय है, जिसे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है।

उत्तराखंड आज सहकारिता सुधारों में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। पूरे देश में बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों के कंप्यूटरीकरण की शुरुआत उत्तराखंड से हुई और आज प्रदेश की सभी 670 सहकारी समितियां पूर्णत: डिजिटल हो चुकी हैं। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत, विधायक खजान दास, सविता कपूर आदि उपस्थित रही।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार: 6396 शिकायतों का हुआ त्वरित निस्तारण

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान ने न्याय पंचायत स्तर पर ग्रामीणों तक शासन-प्रशासन की सेवाओं को सीधे पहुँचाने में एक नई मिसाल कायम की है। एक सप्ताह के दौरान राज्य भर में 93 बहुद्देश्यीय शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल 6396 शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया और 28,959 ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सरकारी सेवाओं की पहुँच और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए इन शिविरों में ग्रामीणों को 9061 प्रमाणपत्र भी निर्गत किए गए।धामी इस महत्वपूर्ण पहल के माध्यम से न्याय पंचायत स्तर पर ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और पात्र लोगों को जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए गंभीर हैं। उन्होंने इस अभियान की नियमित समीक्षा की और स्वयं शिविरों में जाकर ग्रामीणों से संवाद किया। मंगलवार को मुख्यमंत्री श्री धामी ने अल्मोड़ा जिले के रानीखेत में ग्रामीणों से फीडबैक लिया और दिन में विकासखंड ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों पर चर्चा की और अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी समितियां अब केवल ऋण देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाइयां, कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में बीमा, पेंशन, बिजली बिल, आधार एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सहकारी समितियों का डेटा राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पर अपलोड किया गया है। दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और सहकारी संस्थाओं को ब्याजमुक्त ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। आज सहकारी बैंकों में हजारों करोड़ रुपये की जमा पूंजी जनता के बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सहकारिता समितियों और स्वयं सहायता समूहों को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

अमेरिकी दूतावास ने एसडीआरएफ उत्तराखण्ड को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस की राज्य आपदा प्रतिवादन बल ने अपनी पेशेवर दक्षता और अदम्य साहस के दम पर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फलक पर प्रदेश का मान बढ़ाया है। आपदा प्रबंधन और दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में जटिल रेस्क्यू ऑपरेशनों के लिए अमेरिकी दूतावास ने एसडीआरएफ उत्तराखंड को विशेष स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

साहसिक अभियानों की सराहना का यह सम्मान मुख्य रूप से उन ऑपरेशनों के लिए दिया गया है, जिनमें एसडीआरएफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर कठिन परिस्थितियों में फंसे अमेरिकी और अन्य विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित निकाला।

सेनानायक आईपीएस अर्पण यदुवंशी के कुशल नेतृत्व में बल ने हाल के दिनों में कई चुनौतीपूर्ण मिशनों को अंजाम दिया है। अमे. रिकी दूतावास से यह सम्मान अर्पण यदुवंशी ने स्वयं ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान एसडीआरएफ के प्रत्येक उस जवान के परिश्रम और अनुशासन का परिणाम है, जो ष्सेवा, सुरक्षा और समर्पणष्के ध्येय वाक्य के साथ 24 घंटे तत्पर रहते हैं।उन्होंने बताया कि माउंट चौखंबा (चमोली) ऊंचाई पर फंसी दो विद. शी महिला ट्रैकर्स का सफल रेस्क्यू,वसुधारा (बद्रीनाथ) विपरीत मौसम के बीच विदेशी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना,उच्च हिमालयी ट्रैक पर फंसे पर्यटकों के लिए चलाया गया जीवनरक्षक अभियान।प्रतिकूल मौसम और ग्लेशियरों के बीच जान बचाने की बल की इस क्षमता ने विदेशी पर्यटकों के बीच उत्तराखंड की सुरक्षा व्यवस्था के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया है।

जुगरान ने की लोक सेवा आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रवि दत्त गोदियाल से वार्ता

देहरादून(शाह टाइम्स संवाददाता)। इंटर कालेज प्रवक्ता भर्ती का विज्ञापन शीघ्र अतिशीघ्र निकालने के लिए मंगलवार को भाजपा नेता रवीन्द्र जुगरान ने राज्य लोक सेवा आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष डा रवि दत्त गोदियाल से वार्ता की। आयोग के अध्यक्ष ने जुगरान को आश्वस्त किया कि प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है और आयोग गहनता से परीक्षण कर रहा है कि कोई भी कानूनी कमी पेशी न रह जाए। जुगरान ने आयोग के अध्यक्ष को बताया कि वर्ष 2021 के बाद प्रवक्ता इंटर कालेज की भर्ती नही निकली है। पिछली भर्ती में स्क्रीनिंग परीक्षा सम्मिलित थी अब संशोधन बाद स्क्रीनिंग हटा दी गई है, विद्यार्थियो को उनके विषय में विषय विशेषज्ञ मिल सके और पठन-पाठन में विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से संबंधित विषय के विद्यार्थियों को लाभ हो।

खेत में पहुंचकर कृषि मंत्री ने किसानों के साथ किया संवाद

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी देहरादून स्थित रानी पोखरी भट्ट नगर गांव में किसानों के बीच पहुंचे और सीधे खेतों में जाकर खेती-किसानी की जमीनी हकीकत को जाना।

कृषि मंत्री जोशी ने किसानों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके बहुमूल्य सुझावों को गंभीरता से लिया।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने खेतों में फसलों का अवलोकन करते हुए किसानों से उत्पादन लागत, सिंचाई व्यवस्था, बीज, खाद, कीटनाशक और विपणन से जुड़ी चुनौतियों पर किसानों से चर्चा की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गीतांजलि, जैविक बोर्ड सदस्य निरंजन डोभाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण शर्मा, सतीश सेमवाल, संदीप भट्ट, इंद्र पाल सिंह, एके उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

समाज के निर्माण में साहित्यकारों की अहम भूमिका : जोशी

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को ऋषिकेश स्थित पीएमश्री आईडीपीएल इंटर कॉलेज में भारतीय साहित्य संगम की ओर से आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं साहित्यकार सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री जोशी ने विभिन्न प्रतिष्ठित साहित्यकारों की पुस्तकों का विमोचन किया तथा उत्कृष्ट योगदान देने वाले साहित्यकारों को सम्मानित भी किया।

भाजपा ने न वीडियो बनाया न दुष्प्रचार की मंशा: चौहान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने हरीश रावत द्वारा पुलिस में की गई शिकायत को लेकर स्पष्ट किया कि हरदा से संबंधित वीडियो न तो पार्टी के द्वारा बनाया गया और न ही पार्टी की मंशा किसी की छवि खराब करना है। कहा कि अगर पूर्व सीएम के द्वारा कोई मामला दर्ज कराया गया है तो उसका अध्ययन किया जायगा, पार्टी भी ऐसे वीडियो की जांच चाहती है और कानूनी प्रक्रिया का पालन करेगी। चौहान ने कहा कि पूर्व सीएम पर तुष्टिकरण के आरोप अक्सर लगते रहे हैं। कहा कि हरदा इससे पहले सभी तीर्थों का भ्रमण कर चुके हैं और शायद, कुछ गलतियों का प्रायश्चित करने कि कोशिश भर थी।

महिला कांग्रेस ने सरकार का पुतला दहन किया

■ अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी के नाम का खुलासा करने की मांग

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा विधायक सुरेश राठौर की पत्नी उर्मिला सनावर की और से हत्याकांड में शामिल वीआईपी का नाम उजागर किये जाने के बाद मंगलवार को प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिला कांग्रेस पदाधिकारियों ने भाजपा सरकार का पुतला दहन किया।

ज्योति रौतेला ने कहा कि भाजपा विधायक सुरेश राठौर की पत्नी उर्मिला सनावर ने हत्याकांड में शामिल वीआईपी का नाम एक बड़े नेता के रूप में उजागर किये जाने व भाजपा की पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड की और से हत्याकांड में प्रयोग किये गये वनन्तरा रिसार्ट पर स्थानीय विधायक रेणु बिष्ट के इशारे पर बुल्डोजर की कार्रवाई किये जाने के खुलासे ने साबित कर दिया है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा के राज्य नेतृत्व के साथ-साथ शीर्ष नेतृत्व भी शामिल है।

ज्योति रौतेला ने कहा कि विधायक की पत्नी की और से जिस प्रकार भाजपा के बड़े नेता जिसको उर्फ में गट्टू कहा जा रहा है, के नाम का ,खुलासा कर दिया है।

पुतला दहन करने वालों में प्रदेश महिला उपाध्यक्ष आशा मनोरमा शर्मा, महानगर अध्यक्ष उर्मिला ढौंडियाल थापा, महामंत्री पुष्पा पंवार, निधि नेगी, सुशीला शर्मा, देवेन्द्र कौर, दीपा चौहान, अनुराधा तिवाडी, भावना, नीरू सिंह, जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह, अनिता सकलानी, रूचि रौतेला, पिंकी गुसाईं, अनीता, जस्सी, संतोष आदि महिला कांग्रेस पदाधिकारी शामिल थे।

हत्या में शामिल होने का मुकदमा दर्ज हो: डॉ. प्रतिमा

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा के पूर्व विधायक की पत्नी की और से हत्याकांड में शामिल वीआईपी का नाम उजागर करने पर बयान जारी करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी को उक्त वीआईपी और विधायक रेणु बिष्ट पर तुरन्त कार्रवाई कर उनके खिलाफ हत्या में शामिल होने का मुकदमा दर्ज कराना चाहिए। अब भाजपा नेतृत्व को तय करना चाहिए कि वह न्याय के साथ खडी है या हत्यारों और बलात्कारियों के साथ। भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या मर्यादा पुरुषोत्तम रामचन्द्र जी ने अपने वंशजों को महिलाओं का अपमान एवं अमर्यादा की सीख दी थी? कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने आरोप लगाया कि देवभूमि में सबसे जघन्य हत्याकांड भाजपा सरकार और पुलिस के संरक्षण में भाजपा नेता के रिसोर्ट में हुआ और इस हत्याकांड में भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व, राज्य नेतृत्व एवं स्थानीय विधायक शामिल थे यह देवभूमि के लिए सबसे कलंकित करने वाली बात है।

एक नजर .....

फैशन टूर ने सांस्कृतिक संवाद को दी नई दिशा : देबम्री

देहरादून। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने इस साल के संस्करण का समापन एक ऐसी नई और क्रांतिकारी फैशन कहानी के साथ किया, जिसने पारंपरिक फैशन शिल्प की सीमाओं को तोड़ दिया। प्रतिष्ठित हावड़ा ब्रिज की भव्य पृष्ठभूमि में, और शहर की ऐतिहासिक हुगली नदी को एक शानदार रनवे में बदलते हुए, फिनाले एडिशन में डिजाइनर अनामिका खन्ना का प्रयोगधर्मी कलेक्शन प्रस्तुत किया गया। शोस्टॉपर के रूप में करिश्माई ईशान खट्टर की मौजूदगी ने इस प्रस्तुति को और खास बना दिया, जिसने परंपरा से आगे बढ़ते हुए फैशन को नए युग में प्रवेश कराया।

गुणवत्ता वाली म्यूचुअल फंड सलाह का विस्तार

देहरादून। म्यूचुअल फंड सलाह देने वाली वेल्थटेक प्लेटफॉर्म पावरअप मनी ने आज घोषणा की कि उसने सीरीज-ए फंडिंग राउंड में 12 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस राउंड का नेतृत्व पीक एक्सवी ने किया, जबकि मौजूदा निवेशकों एक्सेल, ब्लूम वेंचर्स और केएई कैपिटल ने अपने पहले के निवेश पर भरोसा जताते हुए दोबारा निवेश किया। पाव. रअप मनी के संस्थापक और सीईओ प्रतीक जिंदल ने कहा, "उच्च गुणवत्ता और निष्पक्ष म्यूचुअल फंड सलाह किसी खास वर्ग तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

सरकारी बैंकों और एनबीएफसी से 130 करोड़ रुपये की फंडिंग हासिल की

देहरादून। भारत के तेजी से बढ़ते माइक्रोफाइनंस संस्थानों में से एक और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और अग्रणी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से 130 करोड़ रुपये की फंडिंग हासिल की है। इस रणनीतिक फंडिंग से कंपनी की विस्तार योजनाओं में मदद मिलेगी और वह बैंकिंग सेवाओं से वंचित क्षेत्रों और उन समुदायों को किफायती ऋण उपलब्ध कराने की अपनी क्षमता बढ़ाएगी जिनके बीच बैंकिंग सेवाएं बहुत कम उपलब्ध हैं।

राठ जनविकास समिति मनाएगी स्थापना दिवस

देहरादून। राठ जनविकास समिति के अध्यक्ष मेहरबान सिंह गुसाईं ने आगामी 25 दिसम्बर को आयोजित रजत जयंती कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी साझा करते हुए कहा कि राठ जनविकास समिति अपना 25वाँ स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ रजत जयंती वर्षके रूप में मनाने जा रही है। इस अवसर पर समिति की लोकप्रिय पत्रिका राठ बयार स्मारिका का विमोचन किया जाएगा। साथ ही राठ क्षेत्र के 12 मेधावी छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राठ क्षेत्र के निर्धन परिवारों की 4 मेधावी छात्राओं को 5000/- (प्रत्येक) को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

युवा अपनी प्रतिभा से जिले, प्रदेश देश का नाम करें रोशन : डॉ. रावत

देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष व सांसद राज्यसभा के तत्वाधान में खेल,शिक्षा एवं युवा कल्याण विभाग की और से आयोजित ष्सांसद खेल महोत्सव जनपद/संसदीय क्षेत्र में विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन हॉकी ग्राउंड,पवेलियन ग्राउंड,देहरादून मे हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत , सांसद नरेश बंसल व विधायक खजानदास ने किया। वॉलीबॉल,हॉकी,फुटबॉल,खो-खो,कबड्डी, पिठू एथलेटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर,) आदी की जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं हुई।जिसमे विभिन्न ब्लाक स्तर की विजेता टीमो ने भाग लिया। कैबिनेट मंत्री डॉ रावत ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को नई उड़ान देने के उद्देश्य से देहरादून में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर परियोजना निदेशक विक्रम सिंह,युवा कल्याण अधिकारी प्रमोद पाण्डे,अपर परियोजना निदेशक सोनम गुप्ता,जिला क्रीड़ा अधिकारी रविन्द्र भण्डारी आदि अधिकारी,कोच व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

एमडीडीए ने शिमला बाईपास क्षेत्र में चलाया सीलिंग अभियान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। एमडीडीए की और से प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत अवैध निर्माणों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार को शिमला बाई क्षेत्र में नियमों के विरुद्ध किए जा रहे अवैध व्यवसायिक निर्माणों पर सीलिंग की प्रभावी कार्रवाई की गई। एमडीडीए का स्पष्ट कहना है कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृति किए जा रहे किसी भी प्रकार के निर्माण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्राधिकरण द्वारा की गई इस कार्रवाई के तहत मुकेश के शिमला बाई-पास रोड, एसआर पैट्रोल पम्प के निकट, नया गांव देहरादून में

किए गए अवैध व्यवसायिक निर्माण को सील किया गया।

जांच में पाया गया कि यह निर्माण बिना मानचित्र स्वीकृति और प्राधिकरण के नियमों का उल्लंघन करते हुए किया जा रहा था। इसके अलावा संग्राम सिंह द्वारा रतनपुर, शिमला बाई-पास रोड देहरादून में किए गए अवैध व्यवसायिक निर्माण पर भी सीलिंग की कार्रवाई की गई।

यह पूरी कार्रवाई संयुक्त सचिव एमडीडीए गौरव चटवाल के आद. शों के अनुपालन में की गई। अभियान सहायक अभियन्ता शशांक सक्सेना, अवर अभियन्ता ललित नेगी, सुपरवाइजर तथा पुलिस बल की उपस्थिति में शांतिपूर्ण एवं नियमानुसार संपन्न किया गया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा।

प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माणों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति : तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि एमडीडीए की टीम लगातार निगरानी कर रही है जहां भी नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, वहां सीलिंग और ध्वस्तीकरण जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बनिंया ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में सभी निर्माण कार्य स्वीकृत मानचित्र एवं नियमों के अनुरूप ही किए जाएं। अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी।

विंटेज कार रैली में दुर्लभ क्लासिक कारों की दिखी झलक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। डीएसओएम एंड आई (देहरादून) के तत्वावधान में देहरादून में एक विंटेज कार रैली का आयोजन किया गया, जिसमें अतीत की दुर्लभ और यादगार गाड़ियों ने ऑटोमोबाइल प्रेमियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

इस रैली में प्रसिद्ध सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक व्यक्तित्व डॉ. सैयद फारूक की व्यक्तिगत स्वामित्व वाली प्राचीन एवं क्लासिक कारों की विशेष भागीदारी रही। डॉ. सैयद फारूक ने कुल 9 वाहनों के साथ भाग लिया, जिसने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी।

रैली के दौरान विभिन्न युगों की विंटेज गाड़ियों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें एक पुरानी सैन्य जीप, क्लासिक सेडान कारें तथा अन्य ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण वाहन शामिल थे। अपनी मूल स्थिति और उत्कृष्ट रखरखाव के कारण ये सभी वाहन आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने रहे।

श्रीनगर-पौड़ी क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। श्रीनगर-पौड़ी क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। क्षेत्र के अनछुए एवं प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिये पर्यटन विभाग, संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग तथा गढ़वाल मंडल विकास निगम को ठोस और प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं।

इसके अलावा क्षेत्र में हेली सुविधाएं मुहैया कराने, कमलेश्वर-धारी देवी-देवलगढ़ख्र खिर्सू-कंडोलिया पर्यटन सर्किट एवं क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों के सौंदर्यीकरण के कार्यों में तेजी लाने को भी अधिकारियों को कहा।

सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को शासकीय आवास पर अपने विधानसभा क्षेत्र श्रीनगर व पौड़ी में पर्यटन की संभावनाओं एवं विकास को लेकर पर्यटन विभाग, संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग तथा गढ़वाल मंडल विकास निगम की संयुक्त बैठक ली। जिसमें उन्होंने क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने, प्रमुख पर्यटक एवं धार्मिक स्थलों के विकास तथा आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

डॉ. रावत ने कहा कि श्रीनगर-पौड़ी क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। इन संभावनाओं का समुचित उपयोग कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करने को अधिकारियों को कहा।

कैबिनेट मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन विकास के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति, धार्मिक आस्था एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से योजनाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिये। बैठक में अपर सचिव पर्यटन अभिषेक रोहिल्ला, महाप्रबंधक जीएमवीएन पीयूष सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे जबकि व अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

शीतलहर में कोई न सोए खुले में रैनबसेरों में पुख्ता हों इंतजाम: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राजधानी में बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिलाधिकारी सविन बंसल एक्शन मोड में हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी ने लालपुल स्थित नगर निगम के रैनबसेरे का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के किसी भी रैनबसेरे में सुविधाओं को लेकर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।डीएम ने रैनबसेरे में बिस्तर, पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था की बारीकी से जांच की।परिसर में नियमित सफाई रखने और निराश्रितों को स्वच्छ वातावरण देने के निर्देश दिए। शीतलहर के मद्देनजर शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त अलाव जलाने को कहा।

उन्होंने कहा कि निराश्रितों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है, इसके लिए नगर निगम और संबंधित विभाग आपसी तालमेल से काम करें।

निरीक्षण के दौरान बताया गया कि लालपुल रैनबसेरे में पिछले एक सप्ताह से रोजाना 15 से 19 लोग आश्रय ले रहे हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी बेसहारा व्यक्ति खुले में सोने को मजबूर न हो। इस दौरान मुख्य नगर आयुक्त नमामी बंसल और एसडीएम सदर हरिगिरि समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीएस ने लिया शीतलहर से बचाव की तैयारियों का जायजा

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने मंगलवार को प्रदेश में शीतलहर की तैयारियों के सम्बन्ध में सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली।

मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को विभिन्न विभागों द्वारा नोडल अधिकारी नामित किया जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारियों को कोल्ड वेब एक्शन प्लान भी तैयार करते हुए, उसके अनुसार कार्यवाही किए जाने के भी निर्देश दिए। सभी जनपदों में बर्फबारी एवं पाला ग्रस्त क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर लिया जाए। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शीत ऋतु में शीतलहर एवं बर्फबारी से सुरक्षा हेतु सभी जनपदों में अस्थाई रैन बसेरों की व्यवस्था एवं इसके लिए पृथक से नोडल अधिकारी नामित किया जाएं।

आवश्यकतानुसार कम्बलों के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जनपदों में चिकित्सा स्वास्थ्य हेतु आपातकालीन सेवाओं के लिये कार्यरत चिकित्सकों की सूची, मोबाईल नम्बर एवं आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त मात्रा में भण्डारण भी अनिवार्य रूप से कर लिया जाए।

मुख्य सचिव ने शीत ऋतु में शीतलहर एवं बर्फबारी से सुरक्षा हेतु सभी जनपदों में खाद्य आपूर्ति, पेयजल एवं ईंधन का मार्च माह के अन्त तक के लिये पर्याप्त मात्रा में भंडारण की व्यवस्था कर ली जाए।

इस मौके पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. एस.एन. पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन एवं अपर सचिव रंजना राजगुरू आदि वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महाराज ने नैनी-सैनी एयरपोर्ट के विस्तार कार्यों को परखा

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

पिथौरागढ़ । उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने पिथौरागढ़ में नैनी-सैनी एयरपोर्ट के विस्तार कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद विकास भवन में आयोजित जनसुनवाई में उन्होंने जनता की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान आए जनहित के मुद्दों पर मंत्री जी ने सभी फरियादियों को एक-एक करके सुनने के बाद मूलभूत समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया। साथ ही, जिलाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि पूर्ण पारदर्शिता के साथ सभी कार्यों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उन्होंने वरदानी पार्क में निर्मित स्टार गेजिंग सुविधा का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आशीष भटगाई, मुख्य विकास अधिकारी डॉ दीपक सैनी, उप जिलाधिकारी मनजीत सिंह, तहसीलदार विजय गोस्वामी आदि संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

फिर बोतल से बाहर आया वीआईपी 'गट्टू'

अंकिता भंडारी हत्याकांड: वायरल वीडियो ने दून से दिल्ली तक मचा हड़कंप

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की वादियों में ठंड बढ़ रही है, मगर सियासत का पारा अचानक उफान पर है। वजह है, अंकिता भंडारी हत्याकांड, जो एक बार फिर राज्य की राजनीति, सत्ता और न्याय व्यवस्था के सामने कठोर सवाल खड़े कर रहा है। इस बार वीआईपी के नाम का खुलासा खुद भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक सुरेश राठौर की कथित पत्नी उर्मिला ने किया है, जिसने फेसबुक लाइव आकर उस वीआईपी का नाम लिया, जिसका जिक्र इस हत्याकांड में शुरू से होता रहा, लेकिन जांच की फाइलों में कभी दर्ज नहीं हुआ।

महिला ने अपने वीडियो में कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में जिस वीआईपी के लिए उस पर दबाव बनाया जा रहा था, उसका नाम 'गट्टू' है और वह भाजपा का बड़ा नेता है। यह वही नाम है, जिसे लेकर लंबे समय से चर्चाएं थीं, मगर कभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं लाया गया। उर्मिला के वीडियो की गूंज दिल्ली तक सुनाई दी है।

फाइल फोटो

> सरकार की और से बनाई गई एसआईटी का काम अंकिता को न्याय दिलाना नहीं, बल्कि गवाहों को डराना और आरोपियों को बचाना बन गया। अब जब भाजपा से जुड़े लोगों के नाम खुद सामने आ रहे हैं, तो पूरी सरकार खामोश क्यों है?...**गणेश गोदियाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उत्तराखण्ड।**

> कांग्रेस शुरू से पूछती रही, वीआईपी कौन है? अब जब नाम सामने आ रहा है और भाजपा के लोग ही 'गट्टू' का जिक्र कर रहे हैं, तो सच्चाई से भागा क्यों जा रहा है? अंकिता पर वीआईपी को 'स्पेशल सर्विस' देने का दबाव बनाया जा रहा था और उसके इनकार की कीमत उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। यह सिर्फ हत्याकांड नहीं, बल्कि 'उत्तराखंड के स्वाभिमान की हत्या' थी, अब सच्चाई खुद भाजपा के भीतर से सामने आ रही है...**हरीश रावत, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड।**

समय पर सुबूत मांगने पर पीठ दिखा गई वीआईपी का राग अलापने वाली कांग्रेस: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि अंकिता हत्याकांड मे वीआईपी का राग अलापने वाली कांग्रेस समय पर सुबूत मांगने पर पीठ दिखा गयी।

उन्होंने कहा कि मामले में अगर, कांग्रेस गंभीर होती तो अदालत मे साक्ष्यों के साथ बयान दे सकती थी। उस समय डीजीपी ने सार्वजनिक अपील की थी कि यदि किसी को वीआईपी के बारे में जानकारी है तो आए और बतायें। तब किसी ने नहीं बताया और न आज बता रहे हैं।

वहीं अपुष्ट वायरल वीडियो को छेड़छाड़ वाला बताते हुए उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है, ऐसे में उसे राजनैतिक हथियार बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है। जबकि जिस महिला का ऑडियो वायरल किया है उसके पिछले कृत्य और राजनैतिक षडयंत्र किसी से छिपा नहीं है। भट्ट ने कहा कि जिस वायरल ऑडियो को राजनैतिक हथियार बनाने का अनैतिक कार्य कांग्रेस कर रही है, उसको लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। जिसमें ऑडियो बताए जा रहे एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उनकी आवाज के साथ एआई की मदद से छेड़छाड़ कर यह ऑडियो तैयारी की गई है।

पूर्व सीएम हरदा ने दर्ज कराई एफआईआर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भाजपा के विरुद्ध नेहरू कॉलोनी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

रावत का आरोप है कि भाजपा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल और वेबसाइट के माध्यम से एआई से निर्मित 'डीपफेक' वीडियो प्रसारित कर रही है, जिसका उद्देश्य उनकी राजनीतिक छवि को धूमिल करना और सांप्रदायिक तनाव पैदा करना है। थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रसारित किए जा रहे वीडियो में हिंदू-मुस्लिम समुदाय के बीच विद्वेष फैलाने वाले आपत्तिजनक शब्दों और चित्रों का उपयोग किया गया है। हरीश रावत ने दावा किया कि एआई तकनीक

भाजपा पर एआई के जरिए छवि खराब करने का आरोप

का इस्तेमाल कर उन्हें गलत तरीके से चित्रित किया गया है ताकि उन्हें 'राष्ट्रद्रोही' के रूप में पेश किया जा सके। बताया कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में 18 दिसंबर 2025 को आया, जिसके बाद उन्होंने 23 दिसंबर को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के साथ संबंधित वीडियो के लिंक, पेनड्राइव में वीडियो की कॉपी और सोशल मीडिया पोस्ट के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सौंपे गए हैं। प्रस्तुत दस्तावेजों में भाजपा उत्तराखंड के आधिकारिक पेज और 'क्या बल उत्तराखंड' जैसे अन्य हैंडल्स की पोस्ट का हवाला दिया गया है। इन पोस्ट में कांग्रेस पर 'वोटबैंक के लालच' में पहाड़ की 'डेमोग्राफी' बदलने और 'जिहाद' की पैरवी करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

जन जन की सरकार अभियान: भाजपा ने विधानसभा व मंडल तक सौंपी जिम्मेदारी

प्रदेश संयोजक के रूप में प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार को मिली जिम्मेदारी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने जन जन की सरकार जन जन के द्वार अभियान के सफल और प्रभावी क्रियान्वहन के लिए प्रदेश टोली का गठन किया है। प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र भट्ट के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार के नेतृत्व में विधानसभा और मंडल स्तर पर समन्वयक भी बनाए गए है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि जन जन को केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं के लाभ पहुंचाने और उनकी समस्याओं के निवारण के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश संयोजक के रूप में प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार को जिम्मेदारी दी गई है । सह संयोजक के रूप में राज. कुमार पुरोहित, सीताराम भट्ट, श्याम डोभाल, राजेंद्र रावत, भुवन जोशी को दायित्व सौंपा गया हैं। कार्यक्रमों को अधिक गति देने और प्रभावी बनाने के लिए 304 मंडल समन्वयक भी बनाए गए हैं।

सांसद, विधायक आदि अन्य सभी जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहेंगे।

विधानसभा स्तर पर इन्हें मिली जिम्मेदारी

विधानसभा स्तर पर पुरोला से प्रताप सिंह पवार, यमुनोत्री गीता राम गौड़, गंगोत्री राम सुंदर , बद्रीनाथ रामचंद्र , थराली हरक सिंह नेगी, कर्णप्रयाग ऋषि प्रसाद , केदारनाथ विजय कपरवान, रुद्रप्रयाग चंडी प्रसाद , घनसाली राजकुमार, देवप्रयाग जगत सिंह चौहान, नरेंद्र नगर सुभाष बड़थ्वाल, प्रताप नगर गीता रावत, टिहरी बलवीर घुनियाल, धनोल्टी गौरीश डोभाल, चकराता कुलदीप कुमार, विकास नगर श्याम अग्रवाल, सहसपुर विश्वास डाबर, मसूरी डॉ देवेंद्र भसीन, डोईवाला मधु भट्ट , ज्वालापुर विनय रोहेला, लक्सर शोभाराम प्रजापति, हरिद्वार ग्रामीण डॉ. जयपाल चौहान, भगवानपुर सुनील सैनी, झबरेड़ा ओम प्रकाश जमदग्नि, पिरान कलियर देशराज कंडवाल, खानपुर सुरेंद्र मोगा, मंगलौर श्यामवीर सैनी, पौड़ी रमेश गाड़िया, श्रीनगर हेमंत हेमंत द्विवेदी, चौबट्टाखाल ऋषि कंडवाल, यमकेश्वर भुवन विक्रम डबराल, लैंडडाउन वीरेंद्र दत्त सेमवाल, धारचूला गणेश भंडारी, डीडीहॉट श्री नारायण राम आर्य, पिथौरागढ़ श्री अशोक नबियाल, गंगोलीहाट हेमराज बिष्ट, कपकोट महेश्वर मेहरा, बागेश्वर गंगा बिष्ट, द्वाराहाट शिव सिंह बिष्ट, सल्ट कैलाश पंत, रानीखेत शिव सिंह बिष्ट, सोमेश्वर भूपेश उपाध्याय, अल्मोड़ा शंकर कोरंगा, जागेश्वर दिनेश आर्य, लोहाघाट श्याम नारायण पांडे, चंपावत मुकेश मेहराना, लालकुआं रेनू अधिकारी, भीमताल शांति मेहरा, नैनीताल नवीन वर्मा, कालाढूंगी पूरनचंद्र नैनवाल, रामनगर सरदार मंजीत सिंह, जयपुर अनिल कपूर काशीपुर-बाजपुर सुरेश भट्ट , गदरपुर दीपक मेहरा, किच्छा खतीब अहमद, सितारगंज-नानकमत्ता बलराज पासी, खटीमा उत्तम दत्ता प्रमुख रूप से शामिल हैं।

नैनीताल में है भारत का पहला मेथोडिस्ट गिरजाघर

160 वर्षों का अतीत खुद में सजोए हुए है यह ऐतिहासिक चर्च

अफजल हुसैन फौजी

नैनीताल। मेथोडिस्ट चर्च न सिर्फ नैनीताल, बल्कि पूरे भारत का सबसे पुराना मेथोडिस्ट गिरजाघर है। यह गिरजाघर आज भी अपनी ऐतिहासिक विरासत को खुद में संजोए हुए प्रतीत होता है। मालरोड स्थित मेथोडिस्ट चर्च 160 साल से अधिक पुराना है।

गिरजाघर की इमारत अपनी खूबसूरती, संरचना और ऐतिहासिक पहचान के लिए जानी जाती है। इसका इतिहास भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा हुआ है।

प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. अजय रावत के अनुसार, मेथोडिस्ट चर्च का निर्माण 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा हुआ है। उस दौर में जब अमेरिकी मेथोडिस्ट मिशनरी

विलियम बटलर भारत पहुंचे थे तो उन्होंने कलकत्ता, इलाहाबाद सहित कई शहरों में मेथोडिस्ट धर्म का प्रचार-प्रसार किया, वे कलकत्ता और इलाहाबाद में मेथोडिस्ट चर्च की स्थापना करना चाहते थे, मगर सफल नहीं हो सकें। जिसके बाद वो बरेली चले गए और यहां आकर उन्होंने चर्च के निर्माण के लिए भूमि भी खरीद ली थी, मगर तभी मेरठ में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की घटना हुई, इस दौरान बरेली के कमांडर निकल्सन ने सुरक्षा कारणों से बटलर को नैनीताल जाने की सलाह दी। 22 सितंबर 1858 को बटलर नैनीताल पहुंचे, जहां से भारत के पहले मेथोडिस्ट चर्च के स्थापना की नींव पड़ी। प्रोफेसर रावत बताते हैं कि उस दौर के तत्कालीन कुमाऊं कमिश्नर सर हेनरी रैमजे के सहयोग से मल्लीताल रिक्शा स्टैंड के समीप इस चर्च का निर्माण कार्य शुरू किया गया। चर्च को तैयार होने में लगभग दो वर्ष का समय लगा। इसे शहर के परिवेश को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया, जहां प्राकृतिक रोशनी और खुला वातावरण प्रमुख विशेषता रहे। इसी कारण इसे काउंटी चर्च के नाम से भी जाना जाता है। चर्च की बनावट में उस दौर की यूरोपीय वास्तुकला की झलक साफ दिखाई देती है, जो आज भी पर्यटकों और इतिहास प्रेमियों को आकर्षित करती है।

आज यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय की आस्था का केंद्र है, बल्कि नैनीताल की सांस्कृतिक विरासत का भी अहम हिस्सा बन चुका है। हर साल क्रिसमस के अवसर पर यहां विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान चर्च में क्रिसमस केक काटकर श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है। खास बात यह है कि इन कार्यक्रमों में हर धर्म के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं, जो नैनीताल की गंगा-जमुनी तहजीब को दर्शाता है, माल रोड में स्थित मेथोडिस्ट चर्च इतिहास, आस्था और सौहार्द का ऐसा प्रतीक है, जो नैनीताल के समृद्ध इतिहास को भी दर्शाता है।

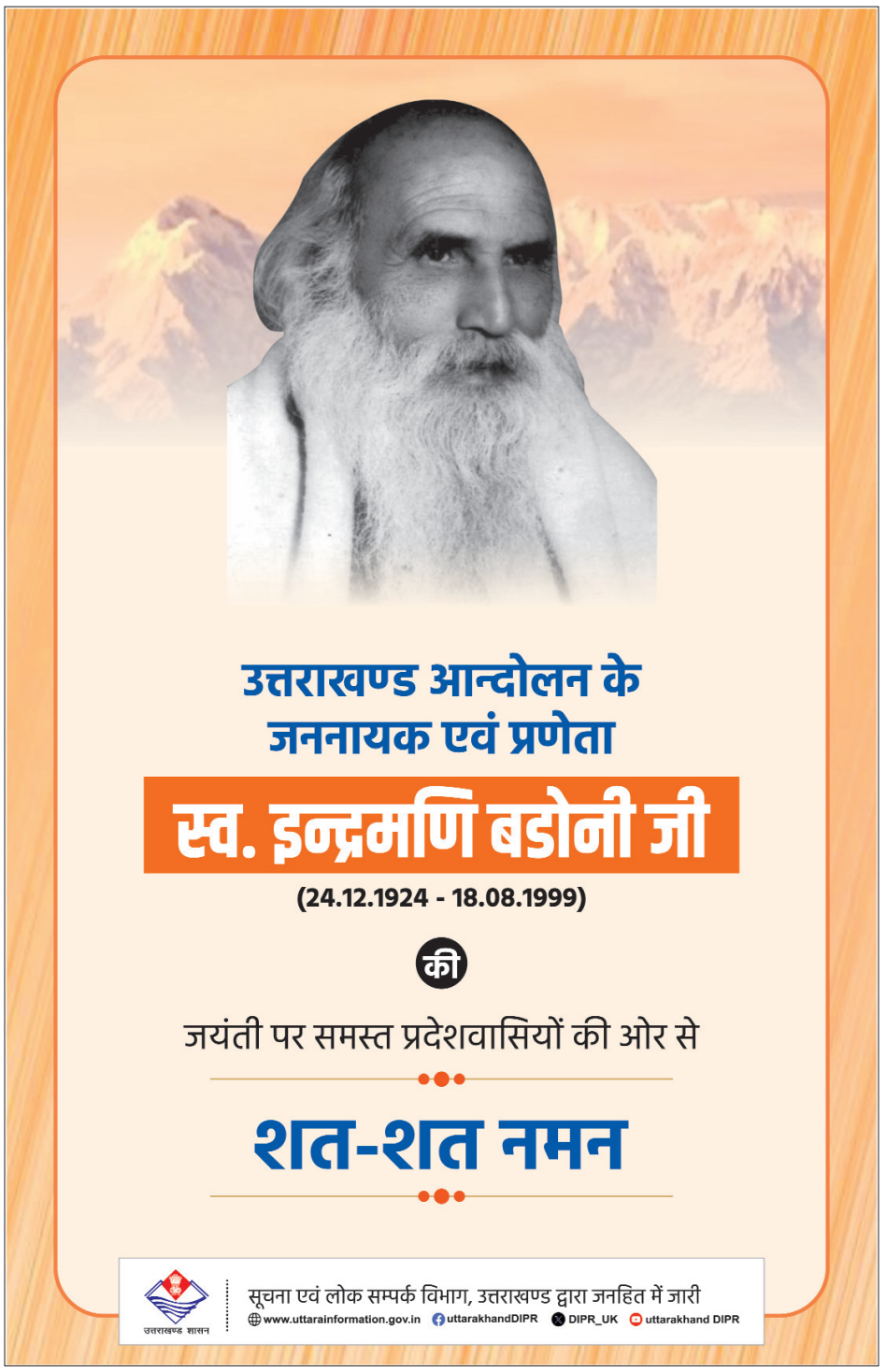

रानीखेत में सीएम ने सुनी जनसमस्याएं

मुख्यमंत्री धामी ने न्याय पंचायत जनौली के बहुउद्देशीय शिविर में किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत विकासखंड ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिविर में लगाए गए सभी विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा मुख्यसेवक के स्टाल पर बैठकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

मुख्यमंत्री ने शिविर में मौजूद नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए प्राप्त शिकायतों पर चर्चा की और संबंधित विभागों अधिक. रियों को त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं आमजन को उनके द्वार पर

रूप से जनता की सुविधा के लिए उपलब्ध हों, ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से दौड़-भाग न करनी पड़े।

अधिकारी स्वयं गांव में आकर जनता के कार्य करेंगे और उनकी परेशानियों का समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी विभाग एक ही मंच पर जनता के द्वार पर उपस्थित हैं और आमजन को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। यह कार्यक्रम विशेष रूप से जनता की सुविधा के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के दौरान पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज जैनोली के जर्जर भवन को लेकर प्राप्त शिकायत पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन गांव की ओर अभियान शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिससे जनसमस्याओं का समाधान त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी रूप से किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान रानीखेत विधायक डा. प्रमोद नैलवाल, डीएम अंशुल सिंह, सीडीओ रामजीशरण शर्मा, जॉइंट मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रशासन गांव की ओर अभियान का लिया फीडबैक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद अल्मोड़ा के दो दिवसीय दौरे के दौरान मंगलवार को रानीखेत में प्रातः कालीन भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों के साथ चाय पर संवाद स्थापित कर जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान को लेकर उनका फीडबैक लिया। आमजन ने अभियान की सराहना करते हुए इसे जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक प्रभावी पहल बताया तथा सरकार का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से शासन और जनता के बीच विश्वास, संवाद एवं सहभागिता निरंतर सशक्त हो रही है। सरकार आमजन से सीधे जुड़कर उनकी समस्याओं को समझ रही है और उनके समाधान को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कर रही है। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने दिल्ली से आए पर्यटकों से भी भेंट कर उनके शीतकालीन यात्रा अनुभवों की जानकारी ली। पर्यटकों द्वारा जनपद की प्राकृतिक सुंदरता, शांति और व्यवस्थाओं को लेकर दिए गए सकारात्मक फीडबैक को मुख्यमंत्री ने उत्साहवर्धक बताया।

जनप्रतिनिधि खेल महाकुंभ प्रारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। विक्टर मोहन जोशी स्मारक राजकीय इंटर कालेज बागेश्वर में न्याय पंचायत स्तरीय स्थानीय जनप्रतिनिधि खेल महाकुंभ का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल ने किया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की और कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। उत्तराखंड सरकार ने इस खेल महाकुंभ के लिए 96,200 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। पहले दिन खो-खो, कबड्डी और मुर्गा झपट (अंडर 14 बालक-बालिका वर्ग) की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। अगले दिन एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं अंडर 14 और अंडर

19 वर्ग में होंगी। प्रतियोगिता के संयोजक प्रधानाचार्य दीपचंद्र जोशी ने खेलों के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि खेलों से अनुशासन और करियर की संभावनाएं मिलती हैं। प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे जिसमें प्रथम स्थान 300 रुपये, द्वितीय स्थान 200 रुपये और तृतीय स्थान 150 रुपये। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी आगामी 29 दिसंबर से शोबन सिंह जीना विश्व. विद्यालय में आयोजित विधान सभा स्तरीय खेल महाकुंभ में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और अन्य सहयोगियों का भी योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सुरेश राम ने किया।

राजकीय शिक्षक संघ कुमाऊं मंडल की कार्यकारिणी का हुआ चुनाव

काशीपुर। राजकीय शिक्षक संघ कुमाऊं मंडल कार्यकारिणी के नौ पदों के लिए मतदान दोपहर दो बजे तक चला। दोपहर बाद मतगणना शुरू की गई परिणाम देर शाम घोषित किए जाएंगे। अध्यक्ष पद पर चार और मंत्री पद पर तीन प्रत्याशी मैदान में हैं, जबकि महिला उपाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री महिला और महिला संगठन मंत्री पद पर एक-एक नामांकन होने के कारण उनका निर्विरोध निर्वाचन हुआ। सोमवार को उदयराज हिन्दू इंटर कॉलेज के प्रेक्षागृह में दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन पहले सत्र में गोष्ठी के बाद दूसरे सत्र में मंडल स्तरीय कार्यकारिणी के लिए नामांकन व नाम वापसी की प्रकिया हुई। नाम वापसी के बाद अध्यक्ष पद पर भूपेंद्र सिंह भंडारी, डॉ. गोकुल सिंह मर्तोलिया, डॉ. रवि शंकर गुसाईं व त्रिवेंद्र सिंह मैदान में थे। जबकि उपाध्यक्ष पुरुष पद पर देवकी नंदन भट्ट, डॉ. दिनेश चंद्र पंत, हर्षदीप, महेंद्र सिंह पटवाल व राजपाल सिंह के बीच मुकाबला रहा। मंत्री पद पर भारतेंदु जोशी, डॉ. कैलाश सिंह, डॉ. विवेक पांडे चुनाव मैदान में थे। संयुक्त मंत्री पुरुष पद पर कपिल पांडे और मो. अजीम सैनी, संगठन मंत्री पुरुष पद पर मधुर, महेंद्र सिंह बिष्ट, नीरज सचान, आय-व्यय निरीक्षक पद पर चंदन सिंह, रामपाल गंगवार, प्रकाश राठौड़ के बीच मुकाबला रहा। वहीं महिला उपाध्यक्ष पद पर डॉ. प्रीति मझगई, संयुक्त मंत्री महिला पद पर बबीता सिंह व संगठन मंत्री महिला पद पर गीता गोस्वामी का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। चुनाव में कुमाऊं के छह जिलों के प्रतिनिधियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

दो प्रोपर्टी डीलरों पर मुकदमा दर्ज

काशीपुर। एक व्यक्ति ने दो प्रोपर्टी डीलरों पर उसे 10 एकड़ जमीन बेचने के नाम पर 1 करोड़ 15 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कृष्णा विला कालोनी, जसपुर खुर्द निवासी अक्षय भल्ला पुत्र राजेश कुमार भल्ला ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सांडखेड़ा, काशीपुर निवासी प्रोपर्टी डीलर जगजीत सिंह पुत्र गुलजार सिंह व लवजीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह ने 01 दिसम्बर 2020 को उसे 10 एकड़ खेती की जमीन ग्राम जैतपुर घोसी में दिखाई और बताया कि वे दोनों ही उक्त जमीन के मालिक हैं। अक्षय ने बताया कि उनकी बात पर विश्वास कर के उसने दोनों से जमीन का सौदा 40 लाख रुपये एकड़ के हिसाब से तय कर लिया, जिसके बयाने के रूप में 5 नवम्बर 2020 को 20 लाख रुपये, 11 नवम्बर 2020 को 14 लाख रुपये ट्रांसफर किये। इसके बाद उसने अपनी फर्म गजराज ट्रैक्स रिजॉर्ट्स के बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते से 03 दिसम्बर 2020 को पांच लाख रुपये, 7 दिसम्बर 2020 को दस लाख रुपये जगजीत सिंह व अपनी ताई सीमा रानी के एकाउण्ट से 19 दिसम्बर 2020 छह लाख रुपये लवजीत सिंह को चैक द्वारा उपरोक्त दोनों के आईसीआईसीआई बैंक में ट्रान्फर किये व साठ लाख रुपये नकद कुल मिलाकर एक करोड़ पन्द्रह लाख रुपये उपरोक्त लवजीत सिंह व जगजीत सिंह को दिये। अक्षय भल्ला ने बताया कि दिसम्बर 2024 में उसे जानकारी प्राप्त हुई कि लवजीत सिंह व जगजीत सिंह द्वारा बताई गयी स्वयं की जमीन का मालिक कोई अन्य व्यक्ति है। अक्षय भल्ला ने बताया कि जब वह अपनी रकम वापस लेने के लिए उनके निवास पर पहुँचा तो पता चला कि लवजीत सिंह पैसा लेकर कनाडा भाग गया है। उसने कई बार जगजीत सिंह से अपनी रकम वापिस मांगी तो जगजीत सिंह ने उसे गन्दी गन्दी गालियां दी और धमकी दी कि अगर तूने हमारे खिलाफ कोई कार्यवाही की तो तुझे जान से मरवा दूंगा।

डीएम ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

बागेश्वर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, जन औषधि केंद्र, दिव्यांगजन योजनाएं और विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण में कमी वाले क्षेत्रों की पहचान कर शत-प्रतिशत एएनसी (एंटीनैटल केयर) सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी मामलों की नियमित समीक्षा और संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा। डीएम ने झोलाछाप डाक्टरों पर कार्रवाई और पीसीपीएनडीटी एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक नजर

कामरेड पार्वती कोरंगा का निधन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाकपा माले की लंबे समय से सदस्य रही कामरेड पार्वती को. रंगा (65) निवासी पुराना खत्ता, बिंदुखत्ता नहीं रहीं। उनकी मृत्यु 22 दिसंबर की रात सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी में हुई। वो विगत कुछ दिनों से फेफड़ों में संक्रमण की बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती थीं। कामरेड पार्वती कोरंगा जनता और पार्टी द्वारा चलाए गए सभी आंदोलनों में खासतौर पर बिंदुखत्ता में चले जनसंघर्ष में सक्रियता से भागीदारी करती थीं। भाकपा माले नैनीताल जिला कमेटी ने निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। कामरेड पार्वती कोरंगा को पार्टी का लाल झंडा उढ़ाकर लाल सलाम के नारों के साथ अंतिम विदाई दी गयी। अंतिम यात्रा में उनके परिजनों के साथ भाकपा माले के वरिष्ठ नेता बहादुर सिंह जंगी, जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय, पुष्कर दुबड़िया, ललित मटियाली, विमला रौथाण, आनंद सिंह सिजवाली, किशन बघरी, धीरज कुमार, निर्मला शाही, प्रभात पाल, अंबा दत्त बसखेती, आनंद दानू, ललित जोशी, अनीता अन्ना, उत्तम दास, किशन जग्गी आदि समेत बड़ी संख्या पार्टी सदस्य और अन्य लोग शामिल रहे।

सेनि. कर्नल नेगी ने गिनाई अग्निवीर में कमियां

अल्मोड़ा। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मंगलवार को पूर्व सैनिक विभाग की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अग्निवीर योजना पर चर्चा की गई। योजना को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया। जिला पार्टी दफ्तर में आयोजित बैठक में कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सेनि. कर्नल राम रतन नेगी ने कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं के भविष्य के लिए उचित नहीं है। यह योजना देश की सुरक्षा से जुड़ी है, लेकिन इसमें कई खामियां हैं। यहां जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पीताबंर पांडे, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, विनोद सिंह, आनंद सिंह बिष्ट, पूरन सिंह रौतेला, गोविंद मेहरा, गोविंद बलटियाल, केशव दत्त पांडे, चंद्र प्रकाश, परितोष जोशी, मनोज बिष्ट, नारायण दत्त पांडे, गोपाल चौहान, अख्तर हुसैन, तारा तिवारी, नवीन चंद्र, वैभव पांडे, किशोर नयाल, राजेंद्र बोरा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर भड़के लोग

अल्मोड़ा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंद. वादी संगठनों में रोष है। मंगलवार को विहिप, बजरंग दल समेत अन्य दलों के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंक जमकर प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार से भारतीयों की सुरक्षा की मांग उठाई। नगर के मालरोड स्थित शहीद तिराहे के पास विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी कार्यकर्ता ने बांग्लादेश सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा खतरे में है। आए दिन हिंदुओं के साथ अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। निर्दोष हिंदुओं और उनके परिजनों को मौत के घाट उतारा जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने इन घटनाओं को मौन समर्थन दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। यहां पुतला फूंकने वालों में जिलाध्यक्ष गोपाल नयाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, यतेंद्र नाथ गिरि महाराज, राजेंद्र कनवाल, रोहित कुमार, वेद प्रकाश, जगत भट्ट, अमित साह मोनू, अभिषेक जोशी, सिकंदर पवार, हिमाल शर्मा, प्रकाश लोहनी, सौरभ वर्मा, जगमोहन बिष्ट, दिव्या जोशी, कमलेश भट्ट, बंटी कुमार रहे।

पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण शुरू

बागेश्वर। पंचायती राज विभाग के राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है। यह प्रशिक्षण जिले की 16 न्याय पंचायतों में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को पंचायती राज व्यवस्था और ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका को सशक्त बनाना है। विकास खंड सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में पर्वतीय जनजागरण समिति के अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने बताया कि पंचायत प्रति. निधियों को उनके अधिकार, कर्तव्य, सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन, अभिलेखों का संधारण और ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षकों ने पंचायत शासन व्यवस्था, पारदर्शिता, सामुदायिक सहभागिता, ई-गवर्नेंस और वित्तीय अनुशासन पर भी चर्चा की। इस अवसर पर पंचायती राज अधिकारी सुंदर लाल, एडीओ पंचायत, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सहित कई ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शूटिंग में कल्पेश का शानदार प्रदर्शन

बागेश्वर। 15 वर्षीय युवा पिस्टल शूटर कल्पेश उपाध्याय ने दिल्ली में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में 25 मीटर 22 प्रतिस्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। कल्पेश ने अपने पहले प्रयास में 600 अंकों में से 534 अंक प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर क्वालिफाई किया। स्पोर्ट्स पिस्टल .22 ओलंपिक कैटेगरी के इस खेल में, कल्पेश ने 300 अंक के प्रीसिजन में 256 और 300 अंक के रैपिड स्टेज में 278 अंक प्राप्त किए। इस प्रकार, कुल मिलाकर उन्होंने 600 में से 534 अंक हासिल किए। भतोड़ा निवासी कल्पेश 9 साल की उम्र से पिस्टल शूटिंग का अभ्यास कर रहे हैं और वर्तमान में ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और खेल मंत्री रेखा आर्या ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जेल बंदी मृतक आश्रित को दिया 2 लाख का चेक

काशीपुर। हल्द्वानी उप कारागार के जेलर इंचार्ज रचित बौड़ियाल सोमवार को काशीपुर तहसील परिसर पहुंचे। इस दौरान एक महिला ने जेल अधीक्षक के नाम एक पत्र सौंपा। इसमें उत्तराखंड राज्य की कारागारों में बंदियों की मृत्यु पर बंदियों के विधिक उत्तराधिकारियों को मुआवजा राशि प्रदान करने की मांग की। महिला ने बताया कि उप कारागार हल्द्वानी में विचाराधीन व दोषसिद्ध बंद मूलचंद पुत्र रामकिशोर निवासी ग्राम श्यामनगर थाना कुंडा की 11 नवंबर 2024 को उपचार के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश में मृत्यु हो गई थी। उक्त बंदी के विधिक उत्तराधिकारी को मुआवजा राशि दो लाख रुपये का चेक प्राप्त करवा दिया गया है।

अलाव व्यवस्था का निरीक्षण किया

काशीपुर। कोहरे और बढ़ती ठंड के बीच प्रशासन ने रोडवेज, रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख जगहों पर राहगीरों और जरूरतमंदों के लिए अलाव की व्यवस्था की है। देर रात एसडीएम अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चंदोला और नगर निगम के एमएनए रविंद्र बिष्ट ने अलाव जलने वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। सभी जगह अलाव जलते मिले। इसके अलावा अधिकारियों ने रोडवेज स्टेशन में ठंड से ठिठुरते लोगों को कंबल भी वितरित किए।

जिला व पालिका की घोषणा न होना दुर्भाग्यपूर्णः माहरा

शाह टाइम्स संवाददाता

रानीखेत। स्थानीय होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस के सीडब्ल्यूसी सदस्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक करन माहरा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के रानीखेत दौरे पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि जिले और नगरपालिका बनाए जाने को लेकर जनता में जो उम्मीद थी, उसे बड़ा आघात पहुंचा है।

वास्तव में भाजपा की रानीखेत को जिला बनाने की कोई मंशा नहीं दिखती। सरकार इस मुद्दे पर लगातार लोगों को भ्रमित करती आई है और स्थिति अब भी वही बनी हुई है। उन्होंने कहा कि नगरपा. लिका के विषय को भी मुख्यमंत्री ने कैबिनेट से प्रस्ताव भेजे जाने की बात कहकर बड़ी सहजता से टाल दिया। जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, तो नगरपालिका बनने में अड़चनें क्यों आ रही हैं, यह समझ से परे है। करन माहरा ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार को घेरा और कहा कि राज्य में महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। अंकिता हत्याकांड में दुष्यंत गौतम का नाम सामने आने के बाद सरकार उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई करेगी और क्या अंकिता को न्याय मिल पाएगा, यह बड़े सवाल हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मंचों से भाजपा नेता कांग्रेसियों को 'जिहादी' कहकर संबोधित करते हैं, जो उनकी विकृत मानसिकता का उदाहरण है। उन्होंने एनसीसी स्टेडियम को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। कहा कि खेल विभाग के पास पहले से ही तीन करोड़ रुपये स्वीकृत हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री की घोषणा इससे अतिरिक्त है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं किया गया। साथ ही रानीखेत अस्पताल की बदहाल स्थिति पर भी उन्होंने चिंता जताई। प्रेस वार्ता में चिलियानौला नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत भी शामिल रहे।

मुनस्यारी ने टनकपुर को हराया

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। सांसद खेल महोत्सव के तहत हेमवती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें वालीबॉल में अल्मोड़ा स्टेडियम व खो-खो में धौलादेवी ने जीत दर्ज की। स्टेडियम में हुई फुटबॉल प्रतियोगिता में मुनस्यारी और टनकपुर के बीच मुकाबला हुआ। एक-एक गोल से बराबरी होने पर पैनाल्टी शूटआउट में मुनस्यारी ने टनकपुर को 5-3 से हराया। वहीं, वालीबॉल अंडर-21 बालक वर्ग में अल्मोड़ा स्टेडियम विजेता और रानीखेत उप विजेता रही। योगासन दस से 14 सबजूनियर आयु वर्ग बालिका में मीनाक्षी जोशी स्वर्ण, रूद्रशी बिष्ट रजत और दिव्या बिष्ट कांस्य पदक विजेता रहे। खो-खो

अण्डर-16 बालक वर्ग फाइनल में धौलादेवी ने द्वाराहाट को हराया। अंडर-16 बालिका वर्ग और अंडर-19 में भी धौलादेवी विजेता रही। अंडर-19 पुरुष वर्ग में द्वाराहाट की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। यहां हरीश कनवाल, प्रभा नेगी, प्रशु गैसोड़ा, मनमोहन सिंह मेहरा, कैलाश मेहरा, हरीश गोस्वामी, पंकज जोशी, लियाकत अली खान, उत्तराखंड बॉक्सिंग के सचिव गोपाल सिंह खोलिया, जिला क्रीड़ा अधिक. री महेशी आर्या, उप क्रीड़ा अधिक. री अरुण बनग्याल, जीवन प्रकाश, प्रशांत मेहरा, रीता बिष्ट, लता साह, करिश्मा नायक, दीपक मेहरा, वन्दना भंडारी, निर्मला नैलवाल, यशवंत कुमार आदि रहे।

शिविर में 16 रक्तदाताओं ने किया योगदान

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। स्वामी श्रद्धानन्द धर्मरक्षा दिवस के अवसर पर धर्म जागरण समन्वय कुमाऊं संभाग अल्मोड़ा द्वारा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धा व सेवा भाव से ओत-प्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंगलवार को आयोजित इन कार्यक्रमों में गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा, हवन, गौ पूजन, अल्मोड़ा के कुष्ठ रोगियों हेतु भोजन व्यवस्था तथा जिला चिकित्सालय अल्मोड़ा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में कुल 16 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रमों में समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। आयोजकों ने बताया कि धर्मरक्षा दिवस के अंतर्गत कार्यक्रम सप्ताह भर तक संचालित किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर धर्म जागरण समन्वय द्वारा समाज में धर्म, संस्कृति एवं सेवा के भाव को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर प्रांत संस्कृति प्रमुख अरविंद चंद्र जोशी, कुमाऊं संभाग संयोजक मनोज सिंह पवार, कुमाऊं संपर्क प्रमुख सुनील कुमार, विभाग सह संयोजक नीरज थापा, जिला संयोजक कमल बिष्ट, जिला मातृ शक्ति संयोजिका प्रो. आराधना शुक्ला, जिला सह संयोजक अनिल वर्मा, जिला परियोजना प्रमुख मनीष तिवारी, निधि प्रमुख कैलाश छिमवाल, नगर संयोजक दीपक जोशी, सह संयोजक अनिल मेहरा, खंड संयोजक हवालबाग बहादुर सिंह लटवाल, खण्ड संयोजक लमगड़ा नंदन फर्त्याल, नगर संपर्क संयोजक सूरज वाणी सहित संजय मेहता, आशीष भारती, नीरज सिंह पवार, गौरव कुमार, अंकित पांडे, विजय भट्ट तथा हनुमान मंदिर चौंसली धर्म रक्षा समिति संयोजक राजेंद्र सिंह समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

नैनीताल जिले से तीन कबड्डी खिलाड़ी चयनित

कालाढूंगी। दमदम, पश्चिम बंगाल में होने वाली राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता के लिए नैनीताल जिले से तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। जिला कबड्डी एसोसिएशन के महासचिव मनमोहन सिंह बसेड़ा ने बताया कि चयनित खिलाड़ी हैं लक्ष्मी मेहता, चित्रा नयाल, और माया जोशी। लक्ष्मी मेहता और चित्रा नयाल इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं, जिससे उनके अनुभव का भी इस बार लाभ मिलेगा। इन खिलाड़ियों के चयन पर उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएशन के उप सचिव परमवीर सिंह पम्मा, नैनीताल डिस्ट्रिक्ट कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष हरक सिंह राणा, कोषाध्यक्ष कुंदन सिंह बसेड़ा, कोको कोला के राजेंद्र सिंह नेगी, राजेश बिष्ट, अनिता कुमारी सहित अन्य ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

विधायक चीमा ने किया सड़क निर्माण का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने आज क्षेत्र की एक सड़क का शिलान्यास किया। श्री चीमा ने बताया कि ग्राम भगवन्तपुर की पर्वतीय कॉलोनी में महीपाल पटवाल के मकान से ठाकुर सिंह के मकान तक 225 मीटर खड़ंजा निर्माण। विधायक श्री चीमा ने बताया कि इन मार्गों का निर्माण गुणवत्ता पूर्वक किया जायेगा। क्षेत्र के विकास हेतु जैसे-जैसे धन की उपलब्धता होगी, प्रत्येक जरूरतमन्द व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंच. ने का भरसक प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, जिला अध्यक्ष मनोज पाल, ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष ब्रजेश पाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बीना, ब्लॉक प्रमुख चन्द्रप्रभा, खिलेन्द्र चौधरी, आशीष गुप्ता, गुरविन्दर सिंह चण्डोक, ग्राम प्रधान अजयपाल, सुरेन्द्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

'प्रभावशाली लोगों को बचा रही सरकार'

अंकिता भंडारी हत्याकांड में नाम पर भड़की एनएसयूआई

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। अंकिता भंडारी हत्याकांड में पूर्व विधायक की पत्नी द्वारा लिए गए कथित नामों को लेकर जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष कमलेश गड़िया के नेतृत्व में एसबीआई तिराहे पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं प्रदेश सरकार का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जिस प्रकार से भाजपा से जुड़े बड़े नेताओं के नाम इस मामले में सामने आए हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार प्रभावशाली लोगों को बचाने का प्रयास कर रही है। एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि प्रदेश की बहन-बेटियों की सुरक्षा से सरकार ने समझौता किया है,

और सत्ता संरक्षण के चलते दोषियों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष कमलेश गड़िया ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की, तो संगठन प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन शुरू करेगा। इस मौके पर सागर जोशी, पंकज कुमार, राहुल कुमार, प्रेम दानू, प्रीति आर्या, प्रेमा कोश्यारी, कैलाश गोस्वामी, ललित कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इधर कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा ने अंकिता भंडारी मामले में मीडिया से वार्ता की गई। वार्ता में उन्होंने कहा कि मीडिया में पूर्व विधायक द्वारा भाजपा के कई लोगों के नाम अंकिता कांड से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने डबल इंजन की सरकार से शीघ्र मामले में पुनः गहन जांच सीबीआई से करवाते हुए आरोपियों को कड़ी सजा दिलाई जाए। यदि सरकार ऐसा करने में असमर्थ रहती है तो वे आने वाले दिनों में राज्य व्यापी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर हरीश ऐठानी, जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

महाराजा सूर सैनी की शोभायात्रा कल

काशीपुर। महाराजा सूर सैनी जी की विशाल शोभायात्रा के लिए सैनी समाज के बंधुओ ने नगर में महाराजा सूर सैनी जी की विशाल शोभायात्रा की जानकारी देने हेतु पोस्टर लगाकर लोगों को अवगत कराया। राजेंद्र सैनी एडवोकेट प्रेस प्रवक्ता सैनी महासभा काशीपुर द्वारा बताया गया कि शोभा यात्रा बृहस्पतिवार 25 दिसंबर को सुबह 11 बजे किला बाजार से शुरू होकर मेन बाजार होते हुए तहसील मोड़ होते हुए नई सब्जी मंडी होते हुए बांसफोड़ान पुलिस चौकी के सामने से होकर मोहल्ला लक्ष्मीपुर पट्टी सैनी धर्मशाला में इसका समापन होगा। महासभा ने नगर निगम काशीपुर से भी आग्रह किया कि किला बाजार से लेकर लक्ष्मीपुर पट्टी तक सफाई व्यवस्था एवं चूने की व्यवस्था की जाए, महासभा द्वारा पुलिस प्रशासन से भी अनुरोध किया है।

मानवता का संदेश देता है क्रिसमस

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। असेंबली ऑफ बिलीवर्स चर्च द्वारा प्रभु यीशु मसीह के जन्मोत्सव क्रिसमस का आयोजन काठगोदाम में बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में चर्च सदस्य, बच्चे, युवा और स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक प्रार्थना और स्तुति-आराधना से हुई। इसके बाद, बच्चों, युवाओं और चर्च एल्डर्स ने क्रिसमस कैरल गीत, नाट्य प्रस्तुति (क्रिसमस प्ले), और विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें प्रभु यीशु के जन्म की घटना और उनके प्रेम, करुणा और मानवता के लिए दिए गए संदेश को प्रभावशाली रूप से दर्शाया गया। चर्च के पास्टर राजीव सक्सेना ने बताया कि प्रभु यीशु मसीह समस्त मानवता के उद्धारकर्ता के रूप में

इस पृथ्वी पर आए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुरादाबाद से आए पास्टर रवि सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि क्रिसमस सिर्फ एक पर्व नहीं है, बल्कि यह मानवता का प्रेम, शांति, क्षमा और सेवा का संदेश देने का अवसर है। कार्यक्रम में आशुतोष जोसेफ, संजय पॉल, पा. हैप्पी विलियम, पा. विक्की लाल, पा. इयन आईवन, संजय सिंह, विपिन राव, आशीष, गेब्रियल, अंकुर मसीह, विवियन, विशु, प्रीती, देवेंद्र धामी, सामर्थ, डाक्टर गोपालिया जैसे लोग मौजूद रहे। महिलाओं ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें क्रिस्टीना, अनुग्रह जोसेफ, अमिता विलियम, शिखा, गीतिका सिंह आदि शामिल थीं।

संदिग्ध परिस्थितियों में दो सगे भाइयों की मौत

एक का शव घर के भीतर और दूसरे का घर के पीछे चबूतरे पर मिला

❐पुलिस को घटना स्थल से नहीं मिले आत्महत्या जैसे सुराग
❐मजदूरी करते थे दोनों भाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुखानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक घर में दो सगे भाईयों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। एक का शव घर के भीतर और दूसरे के घर के पीछे चबूतरे पर पड़ा पाया गया। पुलिस को घटना स्थल से आत्महत्या जैसे सुराग नहीं मिले हैं। जिसके बाद से पुलिस ने हत्या के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने दोनो शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार बच्चीनगर लामाचौड़ निवासी 45 वर्षीय मनोज कुमार पुत्र स्व. पूरन चन्द्र यहां अपने छोटे भाई 31 वर्षीय सुनील व वृद्धा मानसिक दिव्यांग मां देवकी देवी व 12 साल की बेटी प्रतिमा के साथ रहता था। बताया जा रहा दोनो सगे भाई पेशे से मजदूरी का काम करते थे और शराब के आदी थे। बताया जा रहा कि बीते सोमवार की रात दोनो ने शराब पी और खाना खाकर सो गए। मंगलवार की सुबह दो सगे भाई मनोज व सुनील बेसुध हालत में एक घर के अंदर जबकि दूसरा घर के पीछे चबूतरे पर पड़ा हुआ था। जब काफी देर तक दोनो नहीं उठे तो मां व बेटी ने उनको उठाने का प्रयास किया लेकिन दोनो में से कोई नहीं उठा। जिसके बाद आस-पास के लोग एकत्र हो गए और लोगों ने इसकी जानकारी मुखानी पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही मुखानी पुलिस मौके पर पहुंच गई और घर में पड़े दोनो भाईयों को देखा तो पह मृत पड़े हुए थे। घर के अंदर दो सगे भाईयों की संदिग्ध मौत से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर मुखानी पुलिस और सीओ सिटी अमित कुमार मौके पर पहुंचे। सीओ अमित कुमार ने बताया कि मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके साथ स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

दोनों भाइयों की एक साथ मौत, कई सवाल हुए खड़े

❐सुबह शराब से शुरू, रात शराब के साथ होती थी खत्म
❐हाल ही में बेची थी तीन लाख की जमीन,
❐बिकने से बची प्रॉपर्टी भी हो सकती है मौत की वजह
❐पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी पुलिस की निगाह

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मंगलवार की सुबह बच्चीनगर लामाचौड़ क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में दो सगे भाईयों की हुई मौत से हर कोई हैरान है कि आखिर दोनो भाईयों की एक साथ मौत कैसे हो गई। दोनों भाइयों की एक साथ मौत ने पुलिस के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह दोनो भाई शराब पीकर क्षेत्र में हल्ला करते रहते थे दोनो भाईयों की सुबह शराब से ही शुरू होती थी और शराब से ही रात खत्म होती थी। बीते सोमवार की रात भी दोनो भाईयों ने जमकर शराब पी और सुबह घर के अंदर मृत मिले। चूंकि पुलिस को आत्महत्या के घटना स्थल से कोई अहम सुराग भी नहीं मिले हैं। ऐसे में जमीन से मिली रकम और बची प्रॉपर्टी के लिए भी दोनों भाइयों की हत्या की जा सकती है। हालांकि हत्या के भी कोई ठोस सुबूत नहीं मिले हैं। अब पुलिस की सारी जांच पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी है। बता दें कि मुखानी थानाक्षेत्र के बचीनगर लामाचौड़ में एक में रहने वाले मनोज कुमार और सुनील पेशे से मजदूर थे। मनोज यहां अपनी मानसिक दिव्यांग मां देवकी देवी और 12 साल की बेटी प्रमिता के साथ रहता था। पास रहने वाले और रुद्रपुर में नौकरी करने वाले मनोज के चचेरे भाई अजय कुमार आर्या का कहना है कि दोनों भाई शराब के आदी थे। वह सुबह की शुरूआत शराब से और रात शराब से खत्म करते थे। दोनो नशे में धुत होकर क्षेत्र के लोगों को गाली गलौज भी करते थे। दोनो से क्षेत्र के लोग भी परेशान थे। बताया जा रहा कि दोनो भाईयों की शराब की लत इतनी बुरी हो चुकी थी कि दोनो ने अपनी साइकिल और घर का दरवा. जा तक शराब के लिए बेच दिया। मृतकों के चचरे भाई अजय ने बताया कि उनके पिता और मनोज के पिता के बीच दो बीघा जमीन का बंटवारा हुआ था। मनोज और उसके भाई ने शराब के लिए सारी जमीन कौड़ियों के दामों में बेच दी और सिर्फ एक छोटा सा खंडहरनुमा घर बचा हुआ है, जिसमें दोनों अपनी मां व बेटी प्रतिमा के साथ रहते थे। बताया जा रहा कि दोनो भाईयों ने हाल ही में दोनों ने तीन लाख रुपए में एक जमीन बेची थी। इससे मिले रुपए दोनों ने आधे-आधे बांट लिए थे, जिसके बाद से दोनों न सिर्फ अत्यधिक शराब पीने लगे थे, बल्कि खाना भी ऑनलाइन मंगाते थे। माना जा रहा है कि जमीन से मिले रुपयों को हासिल करने के लिए भी हत्या की जा सकती है। हो यह भी सकता है कि बची जमीन पर किसी की नजर हो, उसे हथियाने के लिए दोनों को रास्ते से हटा दिया गया। हालांकि हत्या के पुख्ता निशान भी पुलिस को घटना स्थल से नहीं मिले हैं, लेकिन दोनों भाइयों की एक साथ मौत ने पुलिस के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सीओ सिटी अमित कुमार ने बताया कि इसे अभी आत्महत्या नहीं कहा जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आएगी। इसके अलावा घटनास्थल से मारपीट जैसा भी कुछ सामने नहीं आया है।

मनोज की आदत से परेशान चार साल पहलने पत्नी ने छोड़ा

बताया जा रहा कि मृतक मनोज की रानीखेत स्थित तिरछाखेत निवासी लता देवी से शादी हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हुए। कई साल तक लता इस बात का इंतजार करती रही कि मनोज की आदतों में सुधार आएगा, लेकिन जब मनोज की आदत में सुधार नहीं हुआ तो वह करीब चार साल पहले अपने दो बच्चों के साथ गायब हो गई। मंगलवार को जब मनोज के मौत की खबर मिली तो चचेरे भाई अजय ने मनोज के साले को फोन किया। पता लगा कि उनका भी कई सालों से लता से संपर्क नहीं हुआ है।

जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही, उलझती जा रही पुलिस

❐घटनास्थल पर बांटा चोरी का माल, सिंधी चौराहे से तीन दिशाओं में बंटा गैंग
❐सब्जी बेचने वाला मुख्य आरोपी जनकराज निकला नेपाल की ओर
❐ऑटो वाले को अतिरिक्त भुगतान कर पहुंचे थे सिंधी चौराहा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुसुमखेड़ा स्थित राधिका ज्वैलर्स में बीते 17 दिसंबर को हुई सवा करोड़ रुपये की चोरी के मामले में पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब यह सामने आया है कि चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद चोरों का गैंग ऑटो से सिंधी चौक पहुंचा और वहां से तीन अलग-अलग दिशाओं में बंटकर फरार हो गया। अभी तक मुख्य आरोपी जनकराज जोशी को माना जा रहा है, जो चम्पावत की ओर फरार हो चुका है। बता दें कि बीते 17 दिसंबर को कुसुमखेड़ा स्थित राधिका ज्वैलर्स में हुई चोरी की वारदात की पुलिस ने जांच शुरू की तो पता लगा कि चोरी की घटना के बाद आरोपी गैंग ने घटना स्थल से ही एक ऑटो बुक किया था। आरोपियों ने ऑटो चालक को अतिरिक्त पैसे दिए, जिसके बाद वह उन्हें दो चक्कर लगाकर सिंधी चौक लेकर पहुंचा। यहां से कुछ आरोपी बरेली की ओर, कुछ रामपुर रोड की ओर और मुख्य आरोपी जनकराज जोशी चम्पावत की ओर भाग गए। माना जा रहा है कि बरेली रोड की ओर भागे हुए आरोपियों का संबंध पीलीभीत से है, जबकि रामपुर रोड की ओर भागे आरोपी मुरादाबाद की तरफ जा सकते हैं। इन दोनों समूहों ने सिंधी चौक से कार का इस्तेमाल कर फरार हुए। वहीं, माना जा रहा इस चोरी का मुख्य आरोपी जनकराज जोशी चम्पावत होते हुए नेपाल की ओर भी भाग सकता है, क्योंकि उसकी पहचान नेपाली मूल के व्यक्ति के तौर पर की जा रही है। बताया जा रहा कि चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद शातिर चोरों ने घटना स्थल पर ही चोरी के माल का बंटवारा कर लिया था, फिर ऑटो लेकर भागे और सिंधी चौराहे से अलग-अलग दिशाओं में फरार हो गए। इधर एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि शातिर चोरों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें सही ट्रैक पर हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जायेगा।

चोरों ने छोड़े इतने सुबूत, पुलिस उलझी

ज्वैलर्स की दुकान में हुई चोरी के बाद पुलिस को उन सुबूतों का सामना करना पड़ रहा है, जो चोरों ने घटनास्थल से लेकर उत्तर प्रदेश तक छोड़े हैं। इन सुबूतों ने पुलिस को और उलझन में डाल दिया है। एक महत्वपूर्ण सुराग मोबाइल नंबरों का है, जिनका इस्तेमाल मुख्य आरोपी जनकराज जोशी द्वारा किया जाता था। पुलिस को जनकराज के आधा दर्जन से अधिक मोबाइल नंबर मिले हैं, जिनमें कई अन्य प्रदेशों के नंबर भी शामिल हैं, जिससे पुलिस को जांच की दिशा और भी जटिल हो गई है।

पीलीभीत के आधार कार्ड की जांच

जांच में पुलिस को कुछ आधार कार्ड भी मिले हैं, जो उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के हैं। पहले माना जा रहा था कि इस वारदात में कुल पांच आरोपी शामिल थे, लेकिन अब जांच में यह सामने आ रहा है कि आरोपी संख्या 8 से भी अधिक हो सकती है। पुलिस इन आधार कार्ड्स की वास्तविकता की जांच कर रही है, यह देखने के लिए कि ये असली हैं या नकली। इसके अलावा, कुछ सीसीटीवी फुटेज भी मिले हैं, जिनमें आरोपियों की साफ तस्वीरें नजर आ रही हैं।

व्यापार मंडल की युवा कार्यकारिणी गठित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के महानगर युवा अध्यक्ष कुंदन रावत ने महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल की संस्तुति पर युवा कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए गौरव सोनकर व जीसान सिद्दीकी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष पर योगेश गिरी गोस्वामी, रोहित सनवाल और हरेंद्र बिष्ट, सचिव पर कोस्तुभ नेगी, सलमान सिद्दीकी और राहुल गोस्वामी, संगठन मंत्री के रूप में शुभम रावत और अंकुर कुमार, संयुक्त मंत्री पद पर बसंत दिवाकर और अखिलेश पाल, मीडिया प्रभारी के रूप में धर्मेंद्र रावत और क्रीत पाल, और प्रवक्ता के रूप में पंकज गुलारा को मनोनीत किया जबकि सरंक्षक पर चेतन जायसवाल और राहुल सागर मनोनीत किए। युवा अध्यक्ष कुंदन रावत ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी को व्यापारी हित में कार्य करना होगा और संगठन में एकजुट रहना होगा, क्योंकि एकता से ही किसी भी कठिन लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। महामंत्री ललित जायसवाल और कोषाध्यक्ष निलेश भारद्वाज ने नए पदाधिकारियों को बधाई दी।

भुवन जोशी के पिता के निधन पर शोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति द्वारा मंगलवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य आंदोलनकारी भुवन जोशी के पिता के निधन पर शोक प्रकट किया गया। सभा में राज्य आंदोलनकारियों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। शोकसभा में समिति के जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, जोशना पांडे, कमल जोशी, अयोध्या प्रसाद केसरवानी, हम पाठक, भुवन तिवारी, बलम बिष्ट आदि मौजूद रहे।

खस्ताहाल सड़कों पर फूटा आक्रोश

पहाड़ी आर्मी ने दस दिन में समाधान न होने पर निगम में तालाबंदी की चेतावनी दी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम क्षेत्र की खस्ताहाल सड़कों को लेकर पहाड़ी आर्मी के पदाधिकारियों ने नगर नगर निगम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और नगर आयुक्त परितोष वर्मा का घेराव किया। उन्होंने चेताया अगर शीघ्र ही खस्ताहाल सड़क ठीक नहीं हुई तो वह उग्र आंदोलन के साथ निगम में ताला. बंदी करने को मजबूर होंगे। मंगलवार को पहाड़ी आर्मी के नगराध्यक्ष भुवन पहाड़ी हिंदू के नेतृत्व दर्जनों लोग एकत्र हुए और नगर निगम कार्यालय पहुंचे। नगर निगम कार्यालय में क्षेत्र की खस्ताहाल सडकों को लेकर प्रदर्शन

कर नगर आयुक्त का घेराव किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिछले 2 सालों से निगम क्षेत्र के सभी वार्डों की सड़कों की खुदाई की गई है, जिससे नगरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों से उड़ने वाली धूल और गंदगी से अस्थमा और एलर्जी जैसी बीमारियों के मरीजों की हालत और खराब हो गई है। साथ ही, घरों का दूषित पानी सड़कों में बहने से संक्रामक बीमा. रियां फैल रही हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 10 दिनों के भीतर सड़कों की मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ तो पहाड़ी आर्मी उग्र आंदोलन के साथ निगम कार्यालय में ताला बंदी करने को मजबूर होगी। घेराव करने वालों में हिमांशु शर्मा, राजेंद्र कांडपाल, प्रेमा मेर, अंजू पांडे, गीता बिष्ट, कविता जीना, बसंत सिंह, हरेन्द्र राणा, आशा देवी, एसएस भंडारी, केएस मेहरा, खीम सिंह कैड़ा, मोहन सिंह, महेश भट्ट, गोविंद सिंह, कविता मेहरा, रमा उपाध्याय, चंद्रा गैड़ा, रेनु भाकुनी, तनुजा, दीपा बोरा, प्रभा उपाध्याय, गीता जोशी, दीपा पंत और सतीश फुलारा मौजूद रहे।

पुलिस पर बदसलूकी का आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुखानी थानाक्षेत्र में ठेले और फड़ लगाने वालों पर पुलिस ने अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस ने ठेले वालों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए कई ठेले को कब्जे में ले लिया। ठेले वालों में पुलिस ने उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मंगलवार को एसपी सिटी मनोज कत्याल से मिले और पुलिस कर्मियों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न का आरोप लगाया। इस दौरान एसपी सिटी से ठेले वालों ने कहा कि उन्हें हटाने के नाम पर पुलिस उनके साथ उत्पीड़न कर रही है। जबकि ठेले वाले रोजी-रोटी के लिए ईमानदारी से सिर्फ अपना काम कर रहे। ठेलेवालों ने पुलिस की बदसलूकी से जुड़े कुछ फोटो और वीडियो को एसपी सिटी मनोज कत्याल को भी दिखाई। जिसके बाद एसपी सिटी ने पुलिस को निर्देशित किया कि वह अपनी कार्रवाई के दौरान किसी से भी जोर-जबरदस्ती या बदलसूकी नहीं करेंगे। यदि ऐसी शिकायत आती है तो फिर कार्रवाई होगी। बता दें कि चोरी की घटना में शामिल जनक राज जोशी भी मुखानी थाना क्षेत्र में फड़ लगाकर सब्जी बेचता था। जिसके बाद पुलिस ने रविवार से शहर में और खासतौर पर ज्वैलरी शॉप के आस-पास फड़-ठेले लगाने वालों की जांच शुरू कर दी है।

गुप्ता कम्पाउंड में पेयजल संकट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गुप्ता कंपाउंड समेत राजपुरा क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लंबे समय से व्याप्त पेयजल संकट को लेकर लोगों का गुस्सा मंगलवार को फूट पड़ा। ठंड के मौसम में पानी की किल्लत से परेशान स्थानीय लोगों ने युकां नेता हेमंत साहू की अगुवाई में जल संस्थान कार्यालय पहुंचकर जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने विभागीय अधिकारियों का घेराव कर नाराजगी जताई। इस दौरान हेमंत साहू ने कहा कि गुप्ता कम्पाउंड समेत राजपुरा के कई इलाकों में पिछले करीब एक माह से पेयजल संकट बना हुआ है। रानीबाग की ओर से आने वाली पेयजल लाइन तिकोनिया चौराहे के आसपास कहीं टूट गई है, लेकिन जल संस्थान अब तक उस लाइन को खोजने में विफल रहा है। इसका खामियाजा क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है और उन्हें बूंद-बूंद पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही टूटी हुई लाइन को खोजकर पेयजल व्यवस्था सुचारू नहीं की गई तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन करने वालो में राजकुमार केसरवानी, किशोरी लाल, सुनीता देवी, पोसखी देवी, मुस्कान, नीलम, अर्चना गुप्ता, जया, सविता खन्ना, राजकुमारी देवी, रजनी गुप्ता, मदन वाल्मीकि, दया गुप्ता, मुन्नी गुप्ता आदि शामिल रहे।

पारस्परिक स्थानांतरण न होने पर शिक्षकों में बेचैनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्राथमिक शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरणों पर 3 माह बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई न होने से संबंधित शिक्षकों में भारी बेचैनी का माहौल बन गया है। उनका धैर्य धीरे-धीरे जवाब दे रहा है। इस संदर्भ में प्राथमिक शिक्षक संघ ने सरकार और विभाग को ज्ञापन भेजकर शीघ्र स्थानांतरण सूची जारी करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2025 में महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा द्वारा प्रारंभिक शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरण को लेकर उत्तराखंड लोक सेवकों के लिए वार्षिक स्थानांतरण अधि. नियम 2017 की धारा-27 के तहत निर्देश जारी किए गए थे। इसके तहत प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जनपदों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन मांगे थे। सितंबर माह तक सभी जनपदों ने आवेदन संकलित कर स्क्रूटनी के बाद स्थानांतरण के लिए पात्र शिक्षकों की सूचियां भी जारी कर दी थीं, लेकिन अब तक इस पर कोई कार्रवाई न होने से प्रदेशभर के शिक्षकों में उहापोह की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय पदाधिकारी मनोज तिवारी ने एक बार फिर सरकार और विभाग को ज्ञापन भेजते हुए शीघ्र ही कार्रवाई की मांग की है।

आर्यन व रामराज ने जीता मैच

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। क्रिकेट एसोसिएशन आफ बागेश्वर के तत्वावधान में आयोजित अंडर-19 का जिला क्रिकेट लीग मैच मंगलवार को गौलापार के एमएस क्रिकेट ग्राउंड तथा वैंडी क्रिकेट ग्राउंड गौलापार में खेले गए। पहले मैच में आर्यन क्रिकेट क्लब तथा सनराइज क्रिकेट क्लब के मध्य खेला गया। आर्यन क्रिकेट ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 37 ओवरों में अपने सभी विकेट खोकर 198 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइज क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 28 ओवर में 103 रनों पर धराशायी हो गई, और आर्यन क्रिकेट क्लब 95 रनों से मुकाबला जीता। जबकि दूसरा मैच रामराज क्रिकेट क्लब तथा प्लेफिट क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। खराब मौसम के कारण मैच 20-20 ओवरों का खेला गया। जिसमें रामराज क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते अपने निर्धारित 20 ओवरों में 233 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्लेफीट की पूरी टीम 18 ओवर एक बॉल में 88 रनों पर ढेर हो गई, और रामराज क्रिकेट क्लब ने 135 रनों से यह मैच जीत लिया। इस मौके पर क्रिकेट एसोसिएशन आफ बागेश्वर के संरक्षक हरीश रावल, अध्यक्ष राम चन्द्र पाण्डेय, कोषाध्यक्ष रमेश लो. हनी, सचिव रमेश दानू सहसचिव प्रदीप गढ़िया, लीग कोऑर्डिनेटर सुरेश सोनियाल मौजूद रहे।

सीनियर जिला क्रिकेट लीग 29 से

हल्द्वानी। डिस्ट्रिक्ट नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन 29 दिसंबर से किया जाएगा। प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नैनीताल जनपद के सभी इच्छुक खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकते हैं। इस लीग प्रतियोगिता के माध्यम से नैनीताल जिले की क्रिकेट टीम का चयन किया जाएगा, जो उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर्जनपदीय क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में भाग लेगी। इस प्रतियोगिता के आधार पर सत्र 2026-27 के लिए उत्तराखंड की रणजी टीम, विजय हजारे टीम और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

चार साहिबजादों की शहीदी का इतिहास बच्चों को बताया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चार साहिबजादो की शहीदी को समर्पित एक कार्यक्रम सिख फेडरेशन हल्द्वानी की और से मंगलवार को इंस्पिरेशन स्कूल में आयोजित किया गया। इसमें छोटे बच्चों ने 6 पोह से लेकर 13 पोह तक का गुरु गोबिंद

सिंह जी के बच्चों की शहीदी का इतिहास प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्तुति जसकीरत सिंह, हरगुन कौर, गुरनूर कौर, गुरकीरत सिंह, समरीन कौर, जयकरण सिंह, हरलीन कौर और भवजोत सिंह ने की। सिख फेडरेशन ने कार्यक्रम के लिए दीपक बल्यूटिया और पूरे स्कूल प्रशासन का आभार जताया। इस दौरान हरलीन कौर, बलजीत कौर, गुनीत कौर, अमितोज कौर, तरनप्रीत कौर, सिख फेडरेशन हल्द्वानी से गुरप्रीत सिंह प्रिंस, गगनदीप को. हली, मनप्रीत नागपाल, कुलबीर सिंह, तरन बिंद्रा, मनमीत कपूर, विक्की नरूला, जसकरन चड्डा, मनप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

धौलाखेड़ा में 'सपनों की उड़ान'

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्लॉक संसाधन केंद्र धौलाखेड़ा में ब्लॉक स्तरीय सपनों की उड़ान

कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी तारा सिंह ने किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिताओं से बच्चों में छिपी प्रतिभा सामने आती है और उन्हें अपनी क्षमताओं को निखारने का अवसर मिलता है। सपनों की दौड़ प्रतियोगिता में चंद्र कुमार जूनियर हाई स्कूल कुंवरपुर प्रथम, मितेश प्राथमिक विद्यालय मोतीनगर व अंजली आर्य प्राथमिक विद्यालय जयपुर पाडली तृतीय स्थान पर रहे। लोक नृत्य में प्राथमिक विद्यालय दीना ने प्रथम, प्राथमिक विद्यालय उदयलालपुर ने द्वितीय व प्राथमिक विद्यालय कठघरिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोक वाद्य यंत्र सहित लोक गायन में प्रथम स्थान पर पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दौलिया, द्वितीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवलचौड़ व तृतीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय नवाडखेड़ा कालोनी रहे। आदर्श एसएमसी में पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कालेज दौलिया पहला, प्राथमिक विद्यालय उदय लालपुर ने दूसरा व प्राथमिक विद्यालय देवलचौड़ ने तीसरा स्थान हासिल किया। नुक्कड़ नाटक में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज किशनपुर प्रथम, जूनियर हाईस्कूल कठघरिया द्वितीय व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बेलबाबा तृतीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डिकर सिंह पडियार एवं मीनाक्षी बिनवाल ने किया। इस दौरान राहुल आगरी, कमलेश सुयाल, हिमांशु रोतेला, भुवन गुणवंत, पूर्णिमा कांडपाल, कुसुमलता मुरारी, रश्मि डालाकोटी, उमा कार्की, सरस्वती आर्या, प्रकाश चंद्र, आशीष बिष्ट, वीना पडलिया, पूर्णिमा टम्टा, सपना महतो. लिया, दीपाली पांडे, ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

डा. गणेश सिंह धर्मशक्तू को सीनियर इनलैंड फेलोशिप सम्मान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के अस्थि रोग (ऑर्थोपेडिक्स) विभाग के प्रो. डा. गणेश सिंह धर्मशक्तू ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि अर्जित कर संस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। डा. गणेश सिंह को हाल ही में गुवाहाटी में आयोजित ऑर्थोपेडिक्स के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित सीनियर इनलैंड फेलोशिप-2025 से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के लिए प्रतिभागियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की गई मेरिट सूची के आधार पर किया जाता है, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियाँ, शोध कार्य, प्रकाशित शोध-पत्र, वैज्ञानिक लेखन एवं व्याख्यानों की गुणवत्ता को प्रमुख मानदंड माना जाता है। देशभर से चयनित अत्यंत सीमित एवं उत्कृष्ट प्रतिभागियों को ही यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्रदान की जाती है। सम्मान प्राप्त होने पर डा. गणेश सिंह ने उत्तराखंड ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. पुनीत अग्रवाल सहित चयन समिति का आभार व्यक्त किया। प्राचार्य डा. जीएस तितियाल ने इस उपलब्धि पर डा. गणेश सिंह को बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कर्ज में डूबी महिला ने फांसी लगाकर दी जान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। कर्ज में डूबी एक महिला ने सोमवार की सायं घर में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को फांसी से उतार कर चिकित्सालय भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जानकारी के अनुसार ग्राम पिपलिया नम्बर एक निवासी 50 वर्षीय महिला चम्पा राय पत्नी दलीप राय एक राईस मिल में काम कर परिवार का भरण पोषण करती थी। बताया जाता है कि उसने अनेक लोगों से परिवार के भरण पोषण व अन्य कार्यों के लिए रुपये उधार लिए थे और जिन लोगों से उसने रुपये लेने थे वह उसे रुपये वापस नहीं लौटा रहे थे। जिस कारण चम्पा राय पिछले काफी दिनों से आर्थिक परेशानियों से जूझ रही थी और मानसिक रूप से तनाव में रहती थी। सोमवार की सायं जब परिजन घर में मौजूद नहीं थे तभी चम्पा राय ने घर में साड़ी से फंदा बनाकर फांसी पर झूल गई। परिजनों ने घर आकर जब उसे फांसी पर लटका देखा तो शोर मचाया। शोर की आवाज सुनकर परिजनों सहित आसपास के लोग भी आ गए। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से आवश्यक जानकारी ली और चम्पा को फांसी से उतारकर चिकित्सालय भिजवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चम्पा की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और पोस्टमार्टम कराने बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका चम्पा की दो पुत्रियां व एक पुत्र है जिनमें एक पुत्री का विवाह हो चुका है। पति दलीप मजदूरी का काम करता है।

गोरक्षक दल के सदस्य पर हथियार बंद युवकों ने किया हमला

- हिंदूवादी संगठनों ने घेरी ट्रांजिट कैम्प कोतवाली

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सोमवार की रात्रि नई बस्ती वार्ड एक ट्रांजिट कैम्प में महिला से हुई मारपीट के मामले में बीच बचाव के लिए गए गौरक्षक दल के सदस्य पर कुछ हथियार बंद युवकों द्वारा किए गए हमले के विरोध में हिन्दूवादी संगठनों से जुड़े लोगों ने ट्रांजिट कैम्प कोतवाली का घेराव कर गहरा रोष व्यक्त करते हुए हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग की। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार संदिग्ध युवकों को पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में ले लिया।

जानकारी के अनुसार नई बस्ती वार्ड एक ट्रांजिट कैम्प में सोमवार की रात्रि कुछ लोगों ने किसी बात को लेकर परिजनों की गैर मौजूदगी में घर में मौजूद महिला से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मामले की जानकारी मिलने पर महिला के परिजन भी आ गये और उन्होंने हमलावरों का विरोध किया। जिस पर हमलावरों ने परिजनों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान गौ रक्षक दल से जुड़े युवक आदि कुमार ने जब परिजनों को बचाने की कोशिश की तो आरोप है हमलावरों ने आदि पर तमंचा तानकर उस पर लाठी डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया और धमकी देते हुए मौके से भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर हिंदूवादी नेता विराट आर्या सहित तमाम लोग वहां आ पहुंचे और हमले के विरोध में ट्रांजिट कैम्प कोतवाली का घेराव कर दिया। उनका कहना था कि ट्रांजिट कैम्प में अराजक तत्वों की गति. विधियां लगातार बढ़ती जा रही हैं परंतु पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। जिससे क्षेत्र के लोग खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। पुलिस ने रोषित लोगों को समझाकर शांत किया और तत्काल कार्रवाई करते हुए मामले के चार संदिग्ध युवकों को औचक दबिश देकर दबोच लिया। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। इधर मामले की तहरीर पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले में जांच करने में जुटी हुई।

एक नजर

कोहरे के कहर से हादसों में बढ़ोतरी, कई लोग हुए घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। तेज गति से आ रही कार की चपेट में आकर बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। समाजसेवी ललित शर्मा द्वारा गंभीर रूप से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसपुर भर्ती कराया गया। जहां से हालत गंभीर होने से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। इसके अलावा केटर की चपेट में आने से सुभाष कुमार उम्र -60 वर्ष की घायल होने की खबर है जिन्हें सहोता हॉस्पिटल काशीपुर भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार जसपुर क्षेत्र के ग्राम राजपुर निवासी इब्ने हसन रंगाई पुताई का कार्य करता है। काम खत्म कर इब्ने हसन अपने घर वापस आ रहा था। पुलिस चौकी धर्मपुर से मात्र 100 मीटर दूर गुलर गोजी मोड पर सड़क पार करते समय तेज गति से आ रही कार की चपेट में आने से इब्ने हसन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर समाजस. वी/भाजपा नेता ललित कुमार शर्मा ने पहुंचकर उन्हें गाड़ी से सरकारी अस्पताल पहुंचाया जहां पर घायल की पैर में गंभीर चोट वह हालत खराब होने पर जसपुर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। जहां से उन्हें मुरादाबाद प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

नवनियुक्त तहसीलदार दिलीप सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। तहसील जसपुर में तहस. ीलदार शुभांगनि सिंह के स्थानांतरण के बाद पिछले कुछ समय से तहसीलदार का पद खाली चल रहा था। बागेश्वर तहसीलदार दिलीप सिंह को जसपुर स्थानांतरित किया गया है। नव नियुक्त तहसीलदार दिलीप सिंह ने गत दिवस कार्यभार ग्रहण कर लिया।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि लंबित कार्यों को शीघ्र निस्तारित करना, जनता की समस्याओं का समय से निस्तारित करना व कार्य में पारदर्शिता बरतना उनकी प्राथमिकता होगी, ताकि जनता को किसी भी प्रकार की किसी समस्या का सामना न करना पड़े। नवनियुक्त तहसीलदार ने पहले दिन तहसील में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और तहसील के अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक लेकर उन्हें समय से और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपनी प्राथमिकता के अनुसार पहले दिन ही कई लंबित कार्यों का निस्तारण किया।

मैथ्स विजार्ड में शिवम प्रथम तथा निशांत द्वितीय

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। बीआरसी सभागार में आयोजित ब्लॉक स्तरीय मैथ्स विजार्ड प्रतियोगिता में एकीकृत राजकीय प्राथमिक विद्यालय बिरिया और बिरिया मझोला के दो छात्रों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में शिवम पाण्डेय और निशांत ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने मार्गदर्शक शिक्षक दिनेश चंद्र शर्मा के साथ अनेक पुरस्कार जीते। राजकीय विद्यालय में पढ़ने वाले इन छात्रों के प्रधानाध्यापक हरीश सिंह कनवाल, रमेश चंद्र तिवारी, भगवान चंद , दिनेश चंद्र शर्मा सहित ग्राम प्रधान बिरिया अमर सिंह, ग्राम प्रधान मझोला बबीता चंद तथा एसएमसी अध्यक्ष सोनी देवी और जमुना देवी ने भी विद्यालय में सम्मानित कर बधाई दी। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरिया मझोला के पूर्व प्रधानाचार्य महेन्द्र प्रताप पाण्डेय, व मनोज कुमार चन्याल ने भी जिला स्तर पर प्रतिभाग करने के लिए चयन होने पर शुभकामनाएं व्यक्त की तथा उनको सहयोग प्रदान करने को कहा है।

खेल महाकुम्भ 2025 का आगाज आज से

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। खण्ड विकास अधिकारी रुद्रपुर असीत आनंद ने बताया कि मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी-2025 खेल महाकुम्भ 2025 के तहत न्याय पंचायत व विधानसभा स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 24 व 26 दिसम्बर को न्याय पंचायत बरा के राजकीय इंटर कालेज बरा, दरऊ के रा.इ.का. दरऊ में, न्यायपंचायत बण्डिया के रा.उ.मा.वि. तुर्कागौरी में, न्यायपंचायत नारायणपुर के रा.इ.का. कनकपुर में व न्यायपंचायत बिगरावाग के रा.इ.का. फौजी मटकोटा में अण्डर-14 व अण्डर-19 बालक एवं बालिका वर्ग में एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, मुर्गा झपट खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

इसी तरह विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता के तहत विधानसभा किच्छा का सैंट पिटर सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल किच्छा में 29 दिसम्बर को अण्डर-14 व अण्डर-19 बालक वर्ग एवं 30 दिसम्बर को अण्डर-14/अण्डर-19 बालिका वर्ग के न्यायपंचायत बरा, दरऊ व बण्डिया के विजेता खिलाड़ी प्रतिभग करेंगे। विधानसभा रूद्रपुर के पुलिस लाईन व मनोज सरकार स्पोर्टस स्टेडियम रुद्रपुर में 02 जनवरी को अण्डर-14, अण्डर-19 बालक वर्ग तथा 03 जनवरी को अण्डर-14 व अण्डर-19 बालिका वर्ग में न्यायपंचायत नारायणपुर व बिगवाड़ा के विज. ता खिलाड़ी सम्मिलित होगें। विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, मुर्गा झपट खेल, वॉलबाल व पिट्ठू खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष का किया गया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने खटीमा जाते हुए जसपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डा. यूनुस चौधरी के निवास पर पहुंचे। जहां उनका फूलमालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए शादाब शम्स कहा कि केंद्र की मोदी सरकार वक्फ एमेनवेंट एक्ट 2025 लेकर आई है, उसके तहत अभी उम्मीद पोर्टल के उपर तमाम प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन कराए जा रहे थे। वक्फ पर रजिस्ट्रेशन के लिए लगभग चार-साढ़े माह इसी कशमकश में गुजर गए कि वक्फ पर रजिस्ट्रेशन होना चाहिए या नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देर आए दुरूस्त आए और वक्फ पर रजिस्ट्रेशन होने शुरू हुए, मगर समय कम होने के चलते जितने रजिस्ट्रेशन होने चाहिए थे वह नहीं हुए। अब यह समय गढ़वाल ट्रिमनल में 6 फरवरी व कुमायूं ट्रिमनल को 15 मार्च का समय मिला है। दोवारा पोर्टल अब ऑन हो गया है, वक्फ सम्पत्तियों का सभी लोग रजिस्ट्रेशन ईमानदार से दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग वक्फ की सम्पत्तियों को वक्फ में दर्ज नहीं कराएंगे हम उनको वक्फ माफियाओं की श्रेणी में रखेंगे। यह वक्फ सदके जकात का पैसा है जो भी व्यक्ति वक्फ की सम्पत्ति को जानबूझकर वक्फ में दर्ज नहीं कराएगा या उसे खुर्द-बुर्द करने की कोशिश करेगा उस पर कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर भाजपा नेता युनुस चौधरी, वक्फ बोर्ड के सदस्य डा. हसन नूरी,अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य ह नफीस अहमद,अली जान, गुलफाम, फराज, अजहर प्रधान, शाहिद हुसैन, हाजी फरासत हुसैन, इकराम प्रधान बैलजुड़ी, फारूक चौधरी, मोहम्मद नईम, मोहम्मद मुस्तकीम, मोहम्मद गुलफाम, हाजी तारिक हुसैन, अनवर मास्टर, मुस्तकीम अहमद, मोहम्मद असलम आदि शामिल रहे।

भाजपा नेता ने की अंत्योदय कार्डों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। भरतपुर-मेघावाला मंडल के भाजपा महामंत्री हरप्रीत सिंह हैप्पी ने कैबिनेट मंत्री से विधानसभा क्षेत्र में अंत्योदय राशन कार्डों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की। उन्होंने इस विषय से संबंधित मांग पत्र खाद्य मंत्री उत्तराखंड सरकार को सौंपा।

मीडिया से रूबरू होते हुए हरप्रीत सिंह हैप्पी ने बताया कि कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य देहरादून जाते समय कुछ देर के लिए हाईवे स्थित एक होटल में रूकी। कार्यकर्ताओं ने यहां उनका स्वागत किया। उन्होंने मंत्री को बताया कि जसपुर क्षेत्र में राशन वितरण डीलरो की ओर से पात्र उपभोक्ताओं को अंत्योदय योजना कार्ड का लाभ नहीं मिल रहा है। ऐसे में एक बार निष्पक्ष जांच करवा कर अपात्र लोगों के कार्ड निरस्त किए जाए, ताकि पात्रों को योजना का लाभ मिल सके।

इस मौके पर राज्य मत्स्य सहक. ारी संघ की अध्यक्ष अंबिका चौधरी, काशीपुर महिला जिलाध्यक्ष आकांशा ठाकुर, जिपं सदस्य चरनजीत सिंह, हसन अली, संजय सिंद्रवानी आदि मौजूद थे।

आइकन नर्सिंग विद्यालय में वार्षिक समारोह का हुआ शानदार आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। नगर के आइकन स्कूल का रिदम डिवाइन 2025 वार्षिक समारोह का आयोजन एक होटल में अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। होटल प्रांगण को आकर्षक सजावट व रोशनी से सजाया गया, जिससे पूरे परिसर में उत्सव का माहौल दिखाई दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें मनमोहक नृत्य, देशभक्ति गीत, नाटक आदि शामिल रहे। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक तरूण कश्यप ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया तथा शिक्षकों के अथक परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं प्रतिभा को निखारने में सहायक होते हैं। समारोह में मुख्य ऑफिस से आए मुख्य अतिथि निदेशक मुकुल त्यागी और रितेश ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कथक की कोमल भाव-भंगिमाएं, भरतनाट्यम की सशक्त मुद्राएं, राजस्थानी कालबेलिया, महाराष्ट्र का लावणी नृत्य, उत्तराखंड लोक नृत्य और ऑपरेशन सिंदूर की झांकियां, दादा दादी के लिए स्वागत नृत्य, पेरेंट्स सॉन्ग, फ्रीस्टाइल नृत्य' की ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुतियाँ तथा पाश्चात्य नृत्य शैलियों ने दर्शकों को तालियां बजाने पर विवश कर दिया। अध्यापिकाओं की मेहनत छोटे-छोटे नन्हे नन्हे बच्चों में प्रदर्शित हो रही थी। नन्हे नन्हे बच्चों में आत्मविश्वास उनकी अध्यापिकाएं ही भर सकती हैं यह देखने को मिला। दर्शकों ने हर नृत्य के अंत में जोरदार तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

बंगाली समाज ने बांग्लादेश के पीएम का पुतला फूंका

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद की पीट पीटकर की गई निर्मम हत्या और उसके बाद उसका शव पेड़ से लटकाकर जला देने के मामले से आक्रोशित बंगाली कल्याण समिति के लोगों ने ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी के नेतृत्व में बांग्लादेश सरकार और प्रधानमंत्री युनूस का पुतला फूंका और घटना की कड़े शब्दों में कड़ी निंदा की।

रोषित लोगों ने दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी और वरिष्ठ नेता परिमल राय ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार चिंता का विषय हैं और इस तरह की घटनाएं मानवता को शर्मसार करती हैं। उन्होंने भारत सरकार से भी इस मामले में कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए गए तो इसके विरोध में दिल्ली में प्रदर्शन किया जायेगा। इस मौके पर अंगद भारद्वाज, सुमित राय, सुमित मंडल, सुब्रत विश्वास, अभिमन्यु साना, पार्षद शुभम दास, विश्वजीत मंडल, राज चक्रवर्ती, पंकज दास, मानस बैरागी, एसपी सरकार सहित कई लोग मौजूद रहे।

भानु प्रताप पब्लिक स्कूल के युवा मार्शल आर्टिस्ट्स ने राष्ट्रीय स्तर पर फिर रचा इतिहास

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। भानु प्रताप पब्लिक स्कूल के लिए यह अत्यंत गौरव और उत्साह का क्षण है, जब स्कूल के होनहार जू-जित्सु खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया। इससे पूर्व उत्तराखंड स्टेट जू-जित्सु चैंपियनशिप 2025 में शानदार सफलता प्राप्त करने वाले वही छात्र इस बार भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने में सफल रहे।

राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में आराध्या ने अपने असाधारण कौशल, आत्मविश्वास और अनुशासन का परिचय देते हुए एक गोल्ड मेडल और एक सिल्वर मेडल अपने नाम कर एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि कड़ी मेहनत और समर्पण से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। वहीं आरव चंदेल ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त किया। उनकी यह उपलब्धि उनकी निरंतर अभ्यास, रणनीतिक सोच और मजबूत खेल भावना का सशक्त प्रमाण है। विद्यालय प्रबंधन, प्रिंसिपल, खेल विभाग एवं कोचों ने दोनों छात्रों को इस शानदार सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय की उस सोच को दर्शाती है, जिसमें पढ़ाई के साथ-साथ खेल और व्यक्तित्व विकास को समान महत्व दिया जाता है। कोचों के समर्पित मार्गदर्शन और छात्रों की अनुशासित दिनचर्या ने इस सफलता को संभव बनाया।

निशुल्क कैंप का सैकड़ों नेत्र रोगियों ने लाभ उठाया

ए,ए तन्हा

किच्छा। महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल रुद्रपुर के द्वारा आंखों का निशुल्क कैंप लगाया गया जिसमें लगभग 200 नेत्र रोगियों ने शिविर में पहुंचकर चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया।

प्रमुख समाजसेवी व वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह के कार्यालय परिसर निकट आदित्य चौक पर रुद्रपुर के महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने निशुल्क नेत्र शिविर लगाकर 180 नेत्र रोगियों की जांच कर निशुल्क दवाइयां दी। निशुल्क चिकित्सा शि. विर में चिन्हित रोगियों का मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए ऑपरेशन तिथि दी गई। ऑपरेशन के रोगियों के लिए अस्पताल लाने ले जाने की निशुल्क सुविधा दी जाएगी। निशुल्क चिकित्सा शिविर में डॉक्टर नूतन जैन. वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ गौरव. डॉ शहवाज एवं समस्त टीम उपस्थिति रही। मैनेजर नफीस अहमद की देखरेख में इस कैंप को संपन्न किया गया। इस अवसर पर सतपाल, कमलेश कुमार,अमित कुमार, राजेश कुमार , राजकुमार झा, संजय, मनिंदर सिंह, गौरव, रमेश कुमार, धनंजय आदि थे।

दस दिवसीय अध्ययन शिविर का होगा आयोजन

- परीक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाना और आत्मविश्वास बढ़ाना शिविर का मुख्य उद्देश्य

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। केंद्रीय विद्यालय संगठन संभागीय कार्यालय देहरादून के दिशा निर्देश के क्रम में 23 दिसंबर से 1 जनवरी 2026 तक (प्रातः 9:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक) 10 दिवसीय अध्ययन शिविर का आयोजन केंद्रीय विद्यालय में किया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य परीक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाना और आत्मविश्वास को बढ़ाना है।

इस शिविर में कक्षा 9, 10 व 11 के विद्यार्थी प्रतिभा करेंगे। इस अध्ययन शिविर में मुख्य विषयों के अभ्यास हेतु विद्यालय के नौ शिक्षकों की शीतकालीन अवकाश में विशेष ड्यूटी लगाई गई है। अध्ययन शिविर में गणित, विज्ञान, वाणिज्य, अंग्रेजी तथा सामाजिक विज्ञान की अवधारणाओं, समय प्रबंधन व उत्तर लेखन कौशल में सुधार, विगत वर्ष के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तथा परीक्षा के तनाव को कम करने आदि से संबंधित बच्चों को जानकारी दी जाएगी। वहीं शिविर में खेमचंद, कमल सिंह, गौरव तिवारी, अनिल सिंह, वीरेंद्र सिंह मेहता, नीलम राणा, गोपाल सिंह, भावना उपाध्याय, तथा नकुल चंद आदि शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

कोसी नदी में चलने वाले दस टायरा वाहनों का किया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर ट्रांसपोर्टरों द्वारा काल. ूसिद्ध मंदिर पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोसी नदी में चलने वाले दस टायरा वाहनों का विरोध किया गया।

खनन समिति के अध्यक्ष अनवर मालिक ने कहा कि प्रशासन द्वारा कुछ दिनों बाद कोसी नदी में दस टायरा वाहनों को खनन करने के लिए अनुमति दे दी गई, जो कि यह गलत है। उन्होंने कहा है खनन समिति इसका पुरजोर विरोध करेंगी। उन्होंने कहा कि बुधवार को इस मामले को लेकर विधायक दीवान सिंह बिष्ट को अवगत कराया जाएगा और एक ज्ञापन भी दिया जाएगा। उसके बाद एसडीएम सहित वन विभाग के अधिकारियों का भी घेराव किया जाएगा। उन्होंने कालूसिद्ध, खड़ंजा और बंजारी के ट्रांसपोर्टरों से बुधवार सुबह विधायक दीवान सिंह बिष्ट के कार्यालय में पहुंचने की अपील की है। इस दौरान खनन समिति के अध्यक्ष अनवर मलिक, मोहम्मद अली, आसिफ चौधरी, मोहम्मद हनीफ,गोविंद लाल,गौतम बिस्ट, किरपाल मेहरा, राजेश मेहरा, दानू बिष्ट, सूरज डंगवाल, प्रेम सिंह, हाजी सलीम, तहसीम, वसीम आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका ने जलवाए अलाव

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। नगर पालिका परिषद रामनगर द्वारा शीत लहर के चलते रामनगर में प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। नगर पालिका परिषद रामनगर के अधिशाषी अधिकारी आलोक उनियाल ने बताया कि शीत लहर के चलते रामनगर में विभिन्न क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अलाव की व्यवस्था सरकारी अस्पताल,फायर स्टेशन चौक,रोडवेज बस अड्डा,लखनपुर चुंगी, कोसी बैराज पुलिस चौकी,भवानीगंज चौराहा, रेलवे स्टेशन, ट्रक यूनियन, माउंट सनई चौकी चौराहा आदि क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था की गई है।

शास्त्री मूर्ति के पास कबाड़ के गोदाम में भीषण आग

■ दमकल की मुस्तैदी से टली बड़ी अनहोनी

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। शहर के व्यस्त इलाके शास्त्री मूर्ति के समीप देर रात्रि उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक कबाड़ के गोदाम से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और पूरा इलाका धुएं के गुबार में तब्दील हो गया।

कबाड़ व्यवसायी नसीम ने बताया कि सोमवार की रात करीब 11 बजे उनके गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। गोदाम में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता और सूझबूझ से एक बड़ी अनहोनी टल गई। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण न पाया जाता, तो आसपास की दुकानों और रिहायशी इलाकों को भारी नुकसान हो सकता था। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में फिलहाल किसी प्रकार की जनहा. नि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यदि कुछ देर और हो जाती, तो हालात बेहद भयावह हो सकते थे।

मझेड़ा जनसेवा शिविर में उमड़ा जनसैलाब

■ बहुविभागीय शिविर में मंत्री सतपाल महाराज ने सुनीं जनता की आवाज

■ बहुविभागीय जनसेवा शिविर में सैकड़ों लोगों को मिला सीधा लाभ

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत आज जनपद पिथौरागढ़ की न्याय पंचायत मझेड़ा के लिए मोस्टामानू मेलास्थल में एक दिवसीय बहुविभागीय जनसेवा शि. विर का आयोजन किया गया। शि. विर की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज द्वारा की गई।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों के माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं, सेवाओं एवं लाभों की जानकारी के साथ-साथ मौके पर ही समाधान उपलब्ध कराया गया। शिविर में क्षेत्रीय जनता की भारी भागीदारी रही और बड़ी संख्या में लोगों ने सीधे लाभ प्राप्त किया। राजस्व विभाग द्वारा 19 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। विभागों द्वारा लगाए गए शिवि. रों का सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने अवगत कराया कि यह अभियान जनपद में 17 दिसंबर से प्रारंभ हुआ है और आज का शिविर इस श्रृंखला का चौथा शि. विर है। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शि. विरों में प्राप्त जनसमस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि सरकार स्वयं जनता के बीच जाकर समस्याएं सुन रही है और समाधान दे रही है। मंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर अपने जीवन स्तर को सशक्त बनाएं। इस दौरान जिलाधिकारी आशीष भटगांई, मुख्य विकास अधिकारी डा. दीपक सैनी, जिलाध्यक्ष भाजपा गिरीश जोशी, जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र प्रसाद, मेयर नगर निगम कल्पना देवलाल, ब्लॉक प्रमुख विण लक्ष्मी गोस्वामी, बिरेंद्र बोहरा,समेत विभागीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में हुआ जनसंवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय, टनकपुर एवं चंपावत में जनहित से जुड़े कार्यक्रमों का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय टनकपुर के नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित किया गया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान श्री बृजवाल ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा आयोजित बहुउद्देशीय शिविरों के माध्यम से आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इन शिविरों में सहभागिता करने तथा आसपास के नागरिकों को जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर श्रम विभाग से संचालित योजनाओं पर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी देवेश पांडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी महिलाओं एवं आमजन को दी और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं एवं आम नागरिकों ने जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिलाओं व श्रमिकों को योजनाओं की दी गई जानकारी

खटीमा राजस्व विभाग ने असहायों को बांटे कंबल

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उपजिलाधिकारी तुषार सैनी के दिशा निर्देशन में राजस्व विभाग की टीम बढ़ती ठंड चलते ग्रामीण इलाकों चंदेली मुंडली मझोला टेडाघाट हल्दी कंचनपुरी आदि शहरी क्षेत्र में उप निरीक्षक के द्वारा गरीब असहाय निर्धन परिवारों को कंबल वितरण किए, जिससे ठंड से निर्धन लोगों ने राहत महसूस की। इस दौरान खटीमा तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवान, कानून गो राजकुमार, ऋषिपाल, हल्का पटवारी नवनीत सिंह, आसिफ अली, अनिल कुमार आदि थे।

उत्तराखंड के वन प्रमुख रंजन कुमार मिश्रा करेंगे चंपावत जिले का तीन दिवसीय दौरा

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। उत्तराखंड वन विभाग के प्रमुख (हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स) रंजन कुमार मिश्रा चंपावत जिले के तीन दिवसीय भ्रमण पर आ रहे हैं। उनका यह दौरा 26 दिसंबर से रामनगर से प्रारंभ होगा। रामनगर में रात्रि विश्राम के उपरांत वे 27 दिसंबर को चंपावत पहुंचकर यहां चम्पावत वन प्रभाग के स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके बाद श्री मिश्रा जिले में संचालित विभिन्न इको टूरिज्म एवं वन आधारित विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

भ्रमण कार्यक्रम के तहत वे जिम कार्बेट ट्रील, बस्तियां में पौधारोपण, मॉडल क्रूज स्टेशन, शारदा कॉरिडोर, ठुलीगाड़, इको टूरिज्म साइट, खलडूंगा, इंटीग्रेटेड कार्यक्रम सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन करेंगे। इसके अतिरिक्त वे बूम स्थित शारदा कॉरिडोर के अंतर्गत विकसित इको टूरिज्म साइट का भी भ्रमण कर चंपावत को मॉडल जिले के रूप में और अधिक विकसित करने की संभावनाओं पर मंथन करेंगे। रात्रि विश्राम चंपावत में प्रस्तावित है। दौरे के दौरान श्री मिश्रा जिले के वन क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति, वन आधारित रोजगार, स्थानीय आजीविका से जुड़ी योजनाओं एवं इको टूरिज्म के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के प्रयासों का भी गहन अध्ययन करेंगे।

27 दिसंबर को चंपावत वन प्रभाग के स्थापना दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ का भव्य आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत भूमलाई न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मुख्य अतिथि भैरव दत्त राय, प्रधानाचार्य हरीश कलौनी, नरेश राय ने किया। प्रकाश चन्द्र उपाध्याय के संच. ालन में प्रथम दिवस अंडर 14 वर्ग की एथलेटिक्स तथा ग्रुप गेम की प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। श्री उपाध्याय द्वारा सभी बच्चों और मार्गदर्शक शिक्षकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय खिलाड़ियों को क्रमशः 300, 200 तथा 150 रुपये, मेडल और प्रमाण पत्र दिए गए। यह प्रतियोगिताएं सांसद खेल महोत्सव की निर्धारित कार्ययोजना के तहत आयोजित की जा रही हैं। व्यायाम संकुल समन्वयक प्रदीप बोहरा ने बताया कि प्रतियोगिताओं में विभिन्न खेल विधाओं को शामिल किया गया है। खेल महाकुंभ में ब्लॉक खेल समन्वयक दीप जोशी, जीवन मेहता, ग्राम प्रधान कोयाटी प्रेम सिंह, सह खेल समन्वयक मीरा पंत, पूर्व संकुल समन्वयक कैलाश ओली, मोहन गहतोड़ी, नवीन जोशी, रेवाधर बिनवाल, राजेश जोशी, सुरेश जोशी, राखी गहतोड़ी, आदि ने सहयोग प्रदान किया।

बच्चों ने किया शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन

नए साल से रुद्रपुर में मंगलवार को नॉनवेज की बिक्री पर रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। नये साल 2026 से रुद्रपुर शहर में मांस और मछली की बिक्री को लेकर नगर निगम सख्त रुख अपनाने जा रहा है। नगर निगम के निर्णय के अनुसार जनवरी से प्रत्येक मंगलवार को शहर में मीट और मछली की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। इस निर्णय के साथ ही महापौर विकास शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि नियमों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों के खिलाफ जुर्माना लगाने के साथ-साथ दुकान सील करने जैसी कठोर कार्रवाई भी की जाएगी। शहर में मांस विक्रेताओं द्वारा नियमों की अवहेलना को लेकर महापौर को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। कई क्षेत्रों में खुले में मांस काटे जाने, दुकानों के आसपास गंदगी फैलने और स्वच्छता मानकों की अनदेखी की शिकायतें सामने आई थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने नगर निगम में मांस विक्रेताओं की बैठक बुलाकर उन्हें नियमों की जानकारी दी और भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। बैठक में महापौर ने साफ शब्दों में कहा कि शहर में अब मंगलवार को मीट और मछली की दुकानें बंद रहेंगी। इस पर मांस विक्रेताओं ने क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट को देखते हुए दिसंबर माह तक इस निर्णय को स्थगित रखने का अनुरोध किया। महापौर ने इस आग्रह को स्वीकार करते हुए दिसंबर तक मंगलवार को दुकानें खुली रखने की अस्थायी अनुमति दे दी, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि जनवरी 2026 से मंगलवार को शहर में कहीं भी मीट की दुकान खुली नहीं मिलेगी। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ बिना किसी चेतावनी के कार्रवाई की जाएगी।

विहिप-बजरंग दल ने बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी कर फूंका पुतला

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर के रानीखेत रोड पर मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में कथित तौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उसका पुतला दहन किया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के जिला धर्म प्रचारक प्रमुख हृदयेश शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश में जिहादी मानसिकता लगातार बढ़ती जा रही है, जिसका सीधा निशाना वहां का हिंदू अल्पसंख्यक समाज बन रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में जिस तरह की घटनाएं सामने आई हैं, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। कहा कि बांग्लादेश में एक हिंदू युवक को नग्न अवस्था में घुमाने के बाद पेड़ से बांधकर उसकी हत्या किए जाने की घटना न केवल अमानवीय है, बल्कि पूरे मानव समाज को शर्मसार करने वाली है।उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल इस तरह की जिहादी मानसिकता को किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेंगे।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि देश के जिस भी हिस्से में जिहादी मानसिकता पनपेगी, उसका संगठनात्मक स्तर पर विरोध किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि आईपीएल या किसी अन्य खेल प्रतियोगिता में भारत में बांग्लादेश के खिलाड़ी भाग लेते हैं, तो इसका भी विरोध किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने भारत सरकार से इस पूरे मामले में कड़ा रुख अपनाने और बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। इस दौरान जिला धर्म प्रसार प्रमुख हिर्देश शर्मा, प्रखंड उपाध्यक्ष भूपेंद्र मेहरा, फूल कुमार, प्रशांत तिवारी, मयंक कांडपाल, विजय शर्मा, अंजली रावत, हिमांशु रावत, हर्ष शर्मा, जगदीश, अर्चित गोयल, विशाल, नितेश शर्मा, सुभाष ध्यानी, सुशील कुमार, भूरा कश्यप, संजय कश्यप, विशाल कश्यप, नवीन करगेती,ऋतिक, रोहित, सौरभ,कार्तिक कश्यप,विनोद रावत, बलदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

न्याय की साधना को मिला सम्मान टनकपुर ने रचा गौरव का इतिहास

■ विनोद प्रकाश एडवोकेट को न्याय और विधि के क्षेत्र में पचास वर्षों की सेवा के लिए किया गया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। पर्यटक आवास गृह में नगर के प्रथम वकील रहे विनोद प्रकाश एडवोकेट को न्याय और विधि के क्षेत्र में पचास वर्षों की सेवा के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सुप्रीम कोर्ट, भारत (नई दिल्ली) के न्यायमूर्ति एन. कोटेश्वर सिंह के कर-कमलों से प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार (उच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड) की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी गरिमामय बना दिया। उन्होंने विनोद प्रकाश एडवोकेट को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे अधिवक्ता न्यायपालिका की आत्मा होते हैं, जो न केवल कानून का पालन करते हैं बल्कि समाज को न्याय का रास्ता दिखाते हैं। सम्मान ग्रहण करते समय विनोद प्रकाश एडवोकेट की आंखों में वर्षों की साधना, संघर्ष और संतोष साफ झलक रहा था। उन्होंने विनम्रता से कहा कि यह सम्मान उनका नहीं, बल्कि उस विश्वास का है जो जनता ने वर्षों तक उन पर किया। उन्होंने अपने गुरुओं, सहकर्मियों और परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि न्याय सेवा उनके लिए पेशा नहीं, जीवन का संकल्प रही है।

इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बना टनकपुर आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा था। यह कार्यक्रम आने वाली पीढ़ियों के अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणा बन गया कि समर्पण, ईमानदारी और धैर्य से किया गया कार्य एक दिन इतिहास बन जाता है।

नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जलाए गए अलाव

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय टनकपुर, जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद के सहयोग से नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाए गए। इस पहल का उद्देश्य ठंड से सबसे अधिक प्रभावित जरूरतमंदों, राहगीरों, मजदूरों और असहाय लोगों को राहत प्रदान करना रहा।

प्रशासन की ओर से बस अड्डों, मुख्य चौराहों, बाजार क्षेत्रों और रिहायशी इलाकों में पर्याप्त संख्या में अलाव की व्यवस्था की गई। अलाव जलने से लोगों को ठंड से राहत मिली और आमजन ने इस जनहितकारी कदम की सराहना की। अधिकारियों ने बताया कि शीतलहर की स्थिति को देखते हुए यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अलाव की संख्या और स्थान बढ़ाए जाएंगे। नगर पालिका परिषद टनकपुर की टीम नियमित रूप से अलाव स्थलों की निगरानी कर रही है ताकि आग सुरक्षित ढंग से जलाई जाए और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

स्थानीय नागरिकों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय, जिला प्रशासन और नगर पालिका का आभार जताते हुए कहा कि ठंड के इस मौसम में यह पहल गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।

सुभाष चंद्र बोस हॉस्टल के पास कूड़े का अंबार

■ आवारा पशुओं का आतंक, नरक बना लोगों का जीवन

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। नगर की लापरवाही एक बार फिर आमजन पर भारी पड़ रही है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस हॉस्टल के समीप कूड़े का भारी जमावड़ा क्षेत्रवासियों के लिए गंभीर संकट बन चुका है। चारों ओर फैली गंदगी, सड़ांध और उड़ते कचरे ने पूरे इलाके को बदबू और बीमारियों का केंद्र बना दिया है।

कूड़े के ढेर के चलते आवारा पशुओं का जमघट दिन-रात बना रहता है। गाय, कुत्ते और अन्य पशु सड़कों पर डेरा जमाए रहते हैं, जिससे राहगीरों, छात्रों और स्थानीय निवासियों का निकलना दूभर हो गया है। कई बार पशुओं के आपस में लड़ने और लोगों पर झपटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, फिर भी जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कूड़ा फेंकने के स्थान को नहीं बदला जा रहा है। हॉस्टल क्षेत्र होने के कारण छात्र भी इस गंदगी और खतरे से त्रस्त हैं, लेकिन प्रशासन की संवेदनहीनता जस की तस बनी हुई है। सबसे चिंता. जनक बात यह है कि खुले कूड़े से संक्रमण और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। मच्छर, मक्खियां और आवारा पशु मिलकर इस इलाके को बीमारी का अड्डा बना रहे हैं। सवाल यह है कि क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है?

क्षेत्रवासियों ने नगर प्रशासन से तत्काल कूड़ा हटाने, नियमित सफाई व्यवस्था लागू करने और आवारा पशुओं पर नियंत्रण की मांग की है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी नींद से जागते हैं या फिर लोगों को इसी गंदगी और खतरे में जीने के लिए मजबूर किया जाता रहेगा।

डीएम ने लिया संज्ञान कूड़े के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने संज्ञान लेते हुए शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश देने की बात कही है, ताकि कूड़े का स्थायी समाधान किया जा सके और क्षेत्र को आवारा पशुओं से मुक्त कराया जा सके। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई जमीन पर दिखाई देगी या फिर आश्वासन ही बनकर रह जाएगी? जनता की नजरें अब जिला प्रशासन पर टिकी है।

पूर्व चेयरमैन के पुत्र और पोतों पर धोखाधड़ी सहित कई धाराओं में केस दर्ज

■ आरोपी ने लालच देकर खातों में लाखों रुपए डलवाए, खाते बाद में हुए फ्रीज

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। कमीशन का लालच देकर दूसरों के बैंक खातों में रुपए डलवाए खाते फ्रीज होने पर पीड़ित ने दी तहरीर पुलिस ने गदरपुर की पूर्व चेयरमैन के पुत्र और दो पोतों पर धोखाधड़ी सहित कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपी. चंद पुत्र सुभाष चंद्र निवासी लखनऊ ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गोपी का दोस्त नईम पुत्र मोहम्मद अली उर्फ तिवारी निवासी भोला कॉलोनी ने कहा कि मेरे दोस्त सत्यम एवं प्रशांत पुत्र अनिल सिंह निवासी वार्ड नंबर 2 गदरपुर में रहते हैं उनसे आपकी मुलाकात करवानी है। हालांकि गोपी भी सत्यम पुत्र अनिल सिंह को पहले से जानता था क्योंकि सत्यम की मां चंद्रा जोशी नगर पालि. का का चुनाव लड़ चुकी है। गोपी नईम के साथ सत्यम से मिला तो सत्यम ने बताया कि मेरे पिता ने डेढ़ करोड़ रुपये की संपत्ति हल्द्वानी में बची है, जिसमें कुछ रुपया उनके खाते में आ चुका है तथा खातों की लिमिट पूर्ण हो चुकी है बकाया पैसा वह अपने खाते में नहीं ले सकते तुम लोग मेरी मदद करो मुझे अपना खाता नंबर दे दो ताकि मैं आपके खाते में रुपया डलवा कर निकलवा सकूं क्योंकि प्रॉपर्टी खरीदने वाली पार्टी नगद पैसे देने से मना कर रही है जिसके बदले में तुम्हें कुछ रुपये भी दूंगा। सत्यम की बातों का विश्वास करते हुए बेरोजगारी के चलते गोपी ने अपना एवं अपने भाई के खाता तथा कुछ अपने अन्य दोस्तों के खाते भी सत्यम को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दिए। इसके बाद गोपी के एसबीआई खाते में दिनांक 6 जून को 449203 आए तथा इसी दिनांक को बैंक के माध्यम से सत्यम द्वारा प्रार्थी की बैंक जाकर 445000 नगद कैश निकलवा लिए दिनांक 11 जून को प्रार्थी के एक्सिस बैंक के खाते में 500003 रु डलवाए उसी दिन चेक के माध्यम से 490000 रु. कैश निकलवा लिए गए प्रार्थी के भाई किशन कुमार के एसबीआई खाते में 450000 रु. आए उसी दिन 440000 रु. निकालवा लिय गए सत्यम द्वारा बताया गया कि किसी प्रकार की कोई भी परेशानी आपको नहीं होगी इसी प्रकार 13 जून को समीर पुत्र आमिर खान निवासी लखनऊ के पीएनबी खाते में 500000 रु. दिनांक 16 जून को राजकुमार पुत्र हीराराम निवासी कुआं खेड़ा के पीएनबी खाते में 5लाख रुपए सत्यम द्वारा उसी दिन निकलवा लिए गए दिनांक 18 जून को रहमान पुत्र जमील का निवासी लखनऊ के एसबीआई के खाते में 500000 रु. उसी दिन प्रशांत द्वारा बैंक में जाकर चार 490000 रुपये निकाल लिए गए। मेरे भाई के द्वारा श्यामल मलिक पुत्र सुधांशु मलिक निवासी दिनेशपुर के साथ आपसी लेनदेन के चलते 150000 रु. 17 जून एवं 19 जून 2025 को दो किस्तों में ऑनलाइन गूगल पे के माध्यम से अदा किए गए। किशन कुमार की साइबर क्राइम कंप्लेंट होने पर हमें जानकारी मिली कि श्याम मलिक की डेढ़ लाख रुपए की रकम 30 जून को लीन होल्ड हो गई ह। पीड़ित ने बताया कि उसने सत्यम की बातों पर विश्वास करके उसकी अपनी प्रॉपर्टी का पैसा समझकर अपना और अपने दोस्तों के खाते उपलब्ध करवा दिए गए थे और अब उन सभी के खाते फ्रीज हो गए हैं। इन लोगों से शिकायत करने पर इन्होंने बताया कि सत्यम का मित्र युवराज खाते अनफ्रीज करवा देगा लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी खाता सही नहीं हुए और शिकायत करने पर सत्यम व उसका भाई प्रशांत व उसके पिता अनिल सिंह पीड़ित गोपी और उसके दोस्तों के साथ गाली-गलौज करने लगे और जान से मारने की धमकी देने लगे। तहरीर में आरोप लगाया कि इन लोगों के द्वारा करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि मंगवाई जा रही है। गोपी ने सत्यम व उसके भाई प्रशांत व उसके पिता अनिल सिंह के खिलाफ तहरीर देकर कड़ी कार्यवाही की मांग की है। वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर सत्यम पुत्र अनिल सिंह, प्रशांत पुत्र अनिल सिंह,वह अनिल सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता व सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन के तहत धारा 66(D),318(4),351(2),352 के तहत अभियोग दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

उक्रांद ने चलो गांव की ओर चलाया अभियान

■ उत्तराखंड क्रांति दल की चलो गांव ओर बैठक का हुआ समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उत्तराखंड क्रांति दल की चलो गांव की ओर कार्यक्रम को लेकर शिव शंकर भाटिया के आवास पर बैठक संपन्न हुई। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के नवनिर्वाचित केंद्रीय अध्यक्ष शिव शंकर भाटिया का स्थानीय लोगों ने फूलमाना पहनकर स्वागत अभिनंदन किया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाटिया ने उत्तराखंड क्रांति दल में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड क्रांति करने पहले इस राज्य को बनाने के लिए काफी संघर्ष किया। अब हमारी लड़ाई उत्तराखंड को बचाने के लिए होगी, क्योंकि इस उत्तराखंड राज्य को दिल्ली से आए परियां ने किराएदार की तरह उत्तराखंडी भवन को उजाड़ कर रख दिया है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भवन स्वामी को ही पता रहता है कि भवन की देखभाल कैसे की जा सकती है किराएदार कुछ समय किराए के भवन में आते हैं और गंदगी करके भवन छोड़कर निकल जाते हैं। खाने का मतलब यह है कि जिसे राज्य को बनाया उसकी कद्र राज बनाने वाला ही जानता है।

बैठक में तेज सिंह सामंत को राज निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसी क्रम में चंचल सिंह खोलिया, दुर्गा सिंह सामंत को प्रकोष्ठ का संरक्षक नियुक्त किया।

होशियार सिंह जीती को प्रकोष्ठ का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया। विनिता देवी को महिला प्रकोष्ठ का ब्लॉक अध्यक्ष, राजकुमारी को ब्लॉक महामंत्री नियुक्त किया गया। बैठक में उत्तराखंड क्रांति दल की नीतियों से प्रेरित होकर अन्य संगठनों से आए आनंद सिंह, प्रकाश सिंह रावत, पवनेश राणा, मुकेश राणा, देवी चंद सिंह बोरा, चामू सिंह, विक्रम चंद, भुवन सिंह मेहर, सुरेश चंद आदि ने दल की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में जिला अध्यक्ष राम सिंह धामी, कैप्टन धन बहादुर चंद, विनोद राजपूत, भवानी शंकर, शहाबुद्दीन अंसारी, हरेंद्र प्रसाद, कैलाश भट्ट आदि उपस्थित रहे।

पिथौरागढ़ को मिलेगा पासपोर्ट सेवा केंद्र, डीएम की पहल

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जनपद में लंबे समय से प्रतीक्षित पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम उठाया गया। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कलक्ट्रेट परिसर में प्रस्तावित स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर पासपोर्ट सेवा केंद्र शुरू किए जाने की प्रक्रिया को गति दी।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, देहरादून से पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों तजेंद्र सिंह बिष्ट एवं डीएस राणा द्वारा केंद्र के लिए प्रस्तावित कमरों का निरीक्षण किया गया। डाक विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर बुनियादी ढांचे, स्थान की उपयुक्तता एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तृत आकलन किया गया। निरीक्षण उपरांत तैयार की गई संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट केंद्र सरकार के MEA मंत्रालय को भेजी जाएगी।

मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद जनपद पिथौरागढ़ में पासपोर्ट सेवा केंद्र की शुरुआत की जाएगी। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कहा कि पिथौरागढ़ जनपद में पासपोर्ट सेवा केंद्र की मांग लंबे समय से की जा रही थी। आज निरीक्षण के साथ इस दिशा में ठोस प्रगति हुई है।

विंटर कार्निवाल में कला, संस्कृति का संगम

भव्य कार्निवाल झांकी को विधायक सरिता आर्या और एसडीएम विवेक राय ने दिखाई हरी झंडी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में मंगलवार को विंटर कार्निवाल के तहत नगर में निकाली गयी भव्य कार्निवाल झांकी को विधायक सरिया आर्य तथा अपर जिलाधिक. री विवेक राय ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। बता दें कार्निवाल झांकी तल्लीताल गांधी चौक से शुरु होकर माल रोड होते हुए फ्लैट्स मैदान मल्लीताल में समाप्त हुई। झांकी में कला एवं संस्कृति का एक अनूठा और मनमोहक संगम देखने को मिला। देश-विदेश से आए पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों ने इस रंगारंग आयोजन का भरपूर आनंद लिया। झांकियों में लखिया भूत की झांकी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही जिसने दर्शकों को अपनी ओर

विशेष रूप से आकर्षित किया। पारंपरिक लोक कला और सजीव प्रस्तुति ने कार्निवाल की शोभा को और बढ़ाया वहीं बाबा दीप सिंह गतका समूह द्वारा प्रस्तुत किए गए हैरतअंगेज करतबों ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। साहस, अनुशासन और परंपरा से जुड़ी इस प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। झांकी के दौरान रं कल्याण संस्था हल्द्वानी ने रं संस्कृति तथा तिब्बती समुदाय नैनीताल के माध्यम से सीमावर्ती तिब्बती संस्कृति की भी मनोहारी झलक देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने नैनीताल

विंटर कार्निवाल को विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत उदाहरण बना दिया। झांकी के दौरान जब कुमाऊं रेजिमेंट और सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के बैंड की गूंजती सुमधुर धुनें वातावरण में बिखरीं तो हर दिल देशभक्ति के जज्बे से भर उठा। सुरों की उस लय ने जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया और अनायास ही कदम थिरकने लगे। इसके पश्चात नैनी झील में याट एवं रोइंग बोट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक सरिता आर्या ने कहा कि नैनीताल विंटर कार्निवाल न केवल पर्यटन को बढ़ावा देने का काम करेगा बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मौके पर पालिका चेयरमैन डा.सरस्वती खेतवाल, उप जिलाधिकारी नाज़िश खलीक, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी, नैनीताल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट, महासचिव वेद शाह, तल्लीताल व्यापार मण्डल अध्यक्ष मारुति नंदन शाह समेत नितिन सिंह कार्की, दया किशन पोखरिया, मनोज जोशी, सांसद प्रतिनिधि गोपाल सिंह रावत, सभासद गजाला कमालस भगवत रावत, जीनू पाण्डे समेत पर्यटक एवं जन समूह उपस्थित था।

एक नजर

बीएसएसवी का एनएसएस शिविर शुरु

नैनीताल। भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन आचार्य नरेन्द्र देव मानव सम्मान संस्थान में शुरु हो गया है। प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह का शुभारंभ अत्यंत उत्साह व अनुशासन और सेवा भाव के साथ किया गया। यह विशेष शिविर युवाओं में सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। सभासद ललिता दफौटी ने स्वयंसेवियों को संबोधित करते हुए उनके उत्साह, अनुशासन एवं सेवा भाव की भूरीभूरी प्रशंसा की। इस दौरान विद्यालय के उप प्रधानाचार्य प्रवीण सती समेत डा. रेनू बिष्ट, आलोक साह, आलोक भट्ट, गोविंद बोरा व गोविंद नेगीस निशा, गीतिका, नेहा, रोहित व नवीन पाठक आदि की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और अधिक बढ़ाया। अंत में कार्यक्रम प्रभारी मीनाक्षी बिष्ट ने सभी अतिथियों, शिक्षकों व स्वयंसेवियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

क्षेत्र पंचायत समिति की त्रैमासिक बैठक संपन्न

नैनीताल। जिले के भीमताल विकास खंड सभागार में मंगलवार को क्षेत्र पंचायत समिति की त्रैमासिक बैठक ब्लॉक प्रमुख डा. हरीश सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पिछले कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें बीडीसी सदस्य और ग्राम प्रधानों ने शिक्षा, सड़कों और पेयजल की खराब स्थिति पर नाराजगी जताई। सदस्यों ने जल जीवन मिशन योजना में पानी की सप्लाई नहीं होने और कई स्थानों पर नल खुले छोड़ने का आरोप लगाया। बैठक में क्षेत्र के विकास के लिए बजट प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। प्रमुख डा. बिष्ट ने अधिकारियों को सड़कों के निर्माण कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने और विद्युत विभाग को पोल बदलने के निर्देश दिए। सदस्यों ने उद्यान विभाग के अनुपस्थित अधिकारियों पर आपत्ति जताई और उनसे स्पष्टीकरण मांगा। बैठक में प्रमुख ने कहा कि क्षेत्र पंचायत की बैठक समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है।

कार्यकारिणी को विधायक ने दिलायी शपथ

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं मंडल विकास निगम नैनीताल की नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को राज्य अतिथि गृह में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्या ने सभी नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी। इससे पूर्व महासंघ के अध्यक्ष मंजुल प्रकाश सनवाल एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया जबकि महासंघ के महामंत्री रमेश चंद्र पंत ने संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं मंडल विकास निगम के आगामी कार्यक्रमों हेतु बैठक में मुद्दों को लेकर विषय रखे। इस दौरान अध्यक्ष मंजुल सनवाल, महामंत्री रमेश पंत समेत शीला साह, मो. आसिफ तथा सचिव अमर साह एवं सभी पदाधिकारी एवं कार्मिक समेत युवा भाजपा नेता हरीश सिंह राणा आदि उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

कालाढूंगी। नशे की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक कालाढूंगी, अरुण कुमार सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चैकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने अभियुक्त रिहान हुसैन, जो वार्ड नंबर 4 का निवासी है, को कालाढूंगी इंटर कालेज के फील्ड के पास स्थित कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया। उसके पास से 36 पाउच अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। इसके बाद, आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। टीम में अपर उपनि. रीक्षक जयपाल सिंह, अमनदीप सिंह और किशन नाथ भी शामिल थे।

सरकार में मानवता नहीं: नफीस खान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान के नेतृत्व में पूछड़ी में उजाड़े गए गरीबों के समर्थन में रामनगर तहसील में एक दिवसीय धरना आयोजित किया गया। धरने को नफीस अहमद खान, दीपक चनियाल और अन्य नेताओं ने संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सरकार पर मानवता की अनदेखी और अमानवीय कृत्य करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सर्दी में बेघर करना और 150 सालों से रह रहे लोगों को अतिक्रमणकारी घोषित करना गलत है। धरने के बाद भीम आर्मी की टीम ने पूछड़ी जाकर प्रभावित लोगों के हालात का जायजा लिया और ठंड से बचाने के लिए कम्बल वितरण किया। इस दौरान पंकज अम्बेडकर, आकाश भारती और सखावत हुसैन ने भी मदद की और आगे भी सहयोग की पेशकश की। धरने में नफीस अहमद खान, जीतराम, संजय कुमार टम्टा, सखावत हुसैन, अनवर अंसारी, पंकज अम्बेडकर, सुलेमान मलिक, आकाश भारती, दीपक चनियाल उपस्थित थे।

बार कार्उसिल चुनाव 4 फरवरी को न कराकर 8 के बाद कराने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसियशन ने राज्य बार काउंसिल के चुनाव हेतु गठित हाई पावर कमेटी को पत्र भेजकर हाईकोर्ट ने 11 जनवरी से 7 फरवरी तक अवकाश होने के कारण बार काउंसिल चुनाव 4 फरवरी को न कराकर 8 फरवरी बाद कराने की मांग की है। बार एसोसियेशन अध्यक्ष डीसीएस रावत की अध्यक्षता में हुई पत्रकार वार्ता में बार काउंसिल आफ उत्तराखंड के अध्यक्ष डा. महेंद्र पाल ने कहा कि हाईकोर्ट में 11 जनवरी से 4 फरवरी तक शीतावकाश रहेगा। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्र के जिला न्यायालयों में भी जाड़ों के दिनों में 31 जनवरी तक सिविल वादों की सुनवाई नहीं होती है। जिस कारण अधिकांश अधिवक्ता अवकाश में होते हैं। जिस कारण बार काउंसिल के चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी अधिवक्ताओं से संपर्क नहीं कर सकेंगे। इसलिये बार काउंसिल के चुनाव 4 फरवरी के बजाए 8 फरवरी के बाद कराए जाएं। उन्होंने अधिवक्ताओं की मतदाता सूची अपडेट करने की भी मांग की। रावत ने कहा कि पर्वतीय राज्य की बार काउंसिल के लिये यदि 4 फरवरी को मतदान होता है तो इस चुनाव में पर्वतीय क्षेत्र के अधिवक्ता प्रतिभाग नहीं कर पाएंगे। खासकर हाईकोर्ट में अवकाश होने के कारण हाईकोर्ट के अधिवक्ता मतदान नहीं कर पाएंगे। जिससे बार काउंसिल में पर्वतीय क्षेत्र का उचित प्रतिनिधित्व नहीं होगा। इसलिये चुनाव की तिथि 4 फरवरी के बाद की जाए। पत्रकार वार्ता में बार एसोसियेशन के महासचिव सौरभ अधिकारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील वशिष्ठ, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य भुवनेश जोशी तथा वी पी बहुगुणा आदि मौजूद थे।

विवादित स्टोन क्रशर पर हाई कोर्ट सख्त

रामनगर के पापड़ी में निर्माण और संचालन पर लगाई तत्काल रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट ने रामनगर क्षेत्र के ग्राम पापड़ी में निर्माणाधीन एक विवादित स्टोन क्रशर इकाई पर कड़ा रुख अपनाते हुए उसके निर्माण और संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता सतनाम सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पष्ट किया है कि आगामी आदेशों तक साइट पर कोई भी नया कार्य नहीं किया जाएगा। याचिकाकर्ता के अनुसार जिस भूमि पर स्टोन क्रशर का निर्माण किया जा रहा है वह राज्य सरकार द्वारा घोषित फलों की पट्टी के अंतर्गत आती है। नियमानुसार कृषि प्रधान और फल पट्टी वाले क्षेत्रों में ऐसी भारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना वर्जित है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रशासन ने इन बुनियादी नियमों को ताक पर रखकर निजी कंपनी को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया। मामले के प्रमुख पक्ष इस कानूनी लड़ाई में कई महत्वपूर्ण पक्ष शामिल हैं। याचिकाकर्ता सतनाम सिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एएस रावत और अधिवक्ता गौरव पाल. िवाल पैरवी कर रहे हैं। प्रतिवादियों की सूची में उत्तराखंड शासन, जिलाधिकारी नैनीताल, निदेशक खनन और जिला खान अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावाए मुख्य रूप से निजी प्रतिवादी मैसर्स पी फाउल स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और इसके साझीदार विजय पाल, ईश्वर लाल एवं नीरज अग्रवाल को नोटिस जारी किया गया है। आज की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने प्रतिवादियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे साइट पर यथास्थिति बनाए रखें। कोर्ट ने सभी निजी प्रतिवादियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि

वन भूमि पर काबिज 6 परिवारों को आंशिक राहत

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट ने गुलरभोज के ठंडा नाला में वनविभाग की भूमि पर काबिज परिवारों को हल्की राहत देते हुए सक्षम अधिकारी के समक्ष दावा प्रस्तुत करने तथा सिंचाई विभाग को कार्रवाई से पहले उन्हें कुछ वक्त देने को कहा है। ग्रामीणों की ओर से सिंचाई विभाग की ओर से जारी नोटिस को चुनौती दी गई है। इस मामले में न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सिंचाई विभाग की ओर से उन्हें नोटिस जारी कर हटाया जा रहा है। कई सालों से वे यहां रह रहे हैं। हटाये जाने से पूर्व उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने भी अतिक्रमणकारियों को हटाने से पूर्व एक कमेटी का गठन करने और उनके दावों को सुनने के निर्देश दिए हैं लेकिन आज तक कमेटी का गठन नहीं किया गया है। गांव से कई परिवारों को हटाया जा चुका है। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि यह आरक्षित वन क्षेत्र है। यह भूमि वर्ष 1967 में हरिपुरा जलाशय के लिए सौंपी गई है और जलाशय के अलावा शेष भूमि को वापस वन विभाग को सौंपी जाने का प्रावधान है। इसी के तहत विभाग कार्रवाई कर रहा है। इन परिवारों को 15 दिन का नोटिस जारी कर स्वयं भूमि खाली करने को कहा गया है।

क्यों न उनकी इकाई की अनुमति को रद्द कर दिया जाए। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि यदि अधिकारियों की मिलीभगत पाई गई तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के बाद क्षेत्र के पर्यावरण प्रेमियों और ग्रामीणों में खुशी की लहर है। अब सभी पक्षों को अपना जवाब न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। इस मामले की अगली सुनवाई जल्द ही होगी।

हर जनकल्याणकारी योजना का वास्तविक लाभ जरुरतमंद तक पहुंचे

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सीएम पुष्कर सिंह धामी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान तक पहुँचाने हेतु निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को जनपद नैनीताल के भीमताल स्थित विकास भवन सभागार में बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष राज्य मंत्री बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति ज्योति प्रसाद गैरोला द्वारा की गई। बैठक का संच. लन डा. मुकेश नेगी जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा विधिवत रूप से किया गया। उपाध्यक्ष गैरोला ने जनपद में संचालित समस्त विभागों की कार्य प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी का स्पष्ट निर्देश है कि प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का वास्तविक लाभ समाज के सबसे कमजोर व गरीब और वंचित व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। बैठक में जिन विभागों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाई गई उन्हें स्पष्ट चेतावनी देते हुए कार्य प्रणाली में त्वरित सुधार, नियमित मॉनिटरिंग तथा निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में संयुक्त निदेशक बीस सूत्री कार्यक्रम त्रिलोक सिंह अन्ना, बाल विकास परियोजना अधिकारी शिल्पा जोशी, वन क्षेत्राधिकारी विजय चंद्र भट्ट, अपर सांख्यिकी अधिकारी अरविंद सिंह सैनी, कमल सिंह मेहरा, सहायक अभियंता हिमांशु टम्टा, अधिशासी अभियंता फरहान खान सहित समस्त जिला स्तरीय अधिक. री उपस्थित रहे।

60 साल से ऊपर की 9 माताओं को सम्मानित किया

नैनीताल। सरस्वती शिशु मंदिर वीर भट्टी में आरएसएस द्वारा निर्धारित संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विद्या भारती द्वारा आयोजित सप्तशक्ति संगम धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्या ने वर्तमान समाज में नारी के कार्यों एवं विशेष योगदान के बारे में बताया जबकि मुख्य वक्ता नीमा अग्रवाल (क्षेत्र कार्यवाहिका राष्ट्रीय सेविका समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र) ने कुटुंब प्रबोधन तथा पर्यावरण संरक्षण व पंच परिवर्तन के बारे में बताया। उन्होंने भारत के प्राचीन इतिहास में नारियों के योगदान की भूमिका पर विचार रखने के साथ ही नारी की सात शक्तियों के बारे में बताया। विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान बेलुवाखान डा. बबीता मनराल तथा कार्यक्रम की अध्यक्षा विमला अधिकारी (सामाजिक कार्यकर्ता) मौजूद रहीं। कार्यक्रम में 60 साल से ऊपर की 9 माताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य दीवान सिंह, प्रबंधक डा. सूर्य प्रकाश समेत सभी गुरुजन व अभिभावक मौजूद रहे। संचालन पूर्णा नयाल ने किया।

वार्षिक खुली बैठक में उठी समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

शांतिपुरी। मंगलवार को शांतिपुरी पंचायत भवन में प्रथम वार्षिक खुली बैठक ग्राम प्रधान कविता तिवारी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि बाहरी व्यापारियों तथा

फेरी वालों से एक निश्चित टैक्स वसूल कर उनका सत्यापन कर पहचान पत्र जारी करने तथा ग्राम सभा में बाहर से आए श्रमिकों का पंचायत क्षेत्र में मजदूरी निर्धारण को लागू करना पंचायत की पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि गांव में किसानों का धान, गेहूं व गन्ना आदि फसलों की कटाई-मड़ाई के लिए बाहरी लेबर मजदूरी के नाम पर किसानों से मनमाने पैसे वसूल रहे हैं। इसका निर्धारण कर समान रूप से लागू करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में ग्रामीणों द्वारा पेंशन, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर, नाली निर्माण, सड़क निर्माण, पेयजल, सिंचाई तथा कृषि उद्योग से जुड़े स्वरोजगार, इंदिरा आवास व प्रधानमंत्री आवास आदि समस्याओं के संबंध में कई सवाल उठाए। जिन्हें बैठक में मौजूद सहायक निदेशक कृषि शिवदत्त पांडे, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के एडीओ प्रीति नेगी, पूर्ति अधिकारी भरत राणा, उद्यान अधिकारी बादल पांडे, ग्राम पंचायत सेक्रेटरी अंकित धामी, मनरेगा के पंकज तिवारी आदि अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ ही उन्हें अपने-अपने विभागों से संबंधित सरकार की लाभकारी योजनाओं की जानकारियां दी। बैठक में नए वित्तीय वर्ष के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए तथा संच. लन दीपक तिवारी ने किया। बैठक में वार्ड सदस्य ज्योति भट्ट, रमेश चंद्र, प्रेमा दानू, बिशन कोरंगा, दीपक तिवारी, रेखा रावत, ठाकुर चंद, द्रौपदी देवी, भागीरथी देवी, कृष्णानंद जोशी समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मना महर्षि विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। महर्षि विद्या मंदिर भवाली का वार्षिकोत्सव समारोह मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ मना। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर

विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना कुमाऊँनी एवं पंजाबी लोकनृत्य सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं जिन्हें उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने सराहा विद्यालय की प्रधानाचार्य साधना जोशी ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का बैज अलंकरण व पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने के साथ ही विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की अपने संबोधन में सांसद अजय भट्ट ने महर्षि विद्या मंदिर द्वारा बच्चों में संस्कार अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करने के साथ ही उन्होंने विद्यालय परिसर में बास्केटबॉल कोर्ट निर्माण के लिए सांसद निधि से 5 लाख की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

ओखलकांडा में 'सपनों की उड़ान'

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के विकासखंड ओखलकांडा में सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ विकासखंड की खंड शिक्षा अधिकारी डा. सुलोहिता नेगी तथा प्राथमिक शिक्षक संगठन ओखलकांडा के अध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट तथा ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत खन्स्यूं विमला देवी ने दीप जलाकर किया। प्रतियोगिता में ओखलकान्डा विकास खंड की न्याय पंचायत के प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता के तहत कुर्सी दौड़ प्राथमिक वर्ग में प्रथम विक्की चिलवाल राजकीय प्राथमिक विद्यालय चमोली, द्वितीय दिव्यांशी राजकीय प्राथमिक विद्यालय पतलोट व तृतीय हिमानी राजकीय प्राथमिक विद्यालय हरिनगर रही। कुर्सी दौड़ उच्च प्राथमिक वर्ग में प्रथम गंगा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झड़गांव, द्वितीय लक्की मेवाड़ी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कवैराला व तृतीय चेतना जोशी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पतलिया रही। इसी तरह लोक नृत्य प्रतियोगिता प्राथमिक वर्ग में प्रथम राजकीय प्राथमिक विद्यालय झड़गांव मल्ला, द्वितीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय भोलापुर व तृतीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय जामनी की टीम रही जबकि लोक नृत्य उच्च प्राथमिक वर्ग में प्रथम राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय क्वैराला, द्वितीय राजकीय इंटर कालेज पतलोट व लोक गायन प्रतियोगिता प्राथमिक स्तर में प्रथम स्थान राजकीय प्राथमिक विद्यालय टीमर, द्वितीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय मटेला व तृतीय स्थान राजकीय प्राथमिक विद्यालय झड़गांव मल्ला जबकि लोक गायन उच्च प्राथमिक स्तर में प्रथम स्थान राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झड़गांव, द्वितीय राजकीय इंटर कालेज पतलोट व तृतीय स्थान राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रीखाकोट का रहा जबकि नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता प्राथमिक स्तर में प्रथम राजकीय प्राथमिक विद्यालय पतलोट व द्वितीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय झड़गांव मल्ला रहा। समस्त प्रतिभागियों को खंडशिक्षा अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। संचालन हरीश बर्गली व विनय पलड़िया ने किया।

चिकित्सा अधिकारी को डीएम ने लगाई फटकार

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जन-जन की सरकार-जन-जन के द्वार-प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत मंगलवार को नैनीताल जिले के बेतालघाट विकासखंड के राजकीय इंटर कालेज ऊँचाकोट में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याएं जिला. धिकारी ललित मोहन रयाल के समक्ष रखी। शिविर में लगभग 270 से अधिक समस्याएं प्राप्त हुई जिनमें से अधिक. श समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष समस्याओं के समाधान हेतु त्वरित कार्रवाई के निर्देश संबंधित विभागों के अधिका. रियों को दिए गए। शिविर में ग्रामीणों को जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और लगभग 43 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से

■बहुउद्देशीय शिविर में समस्याओं का समाधान

लाभान्वित किया गया। शिविर में क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया कि गांव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित टीकाकरण न कराए जाने के कारण महिलाओं व बच्चों को टीकाकरण हेतु खैरना जाना पड़ता है उन्होंने एएनएम के माध्यम से गांव में ही टीकाकरण कराए जाने की मांग की गई जिस संबंध में जिलाधिकारी ने चिकित्सा अधिकारी को फटकार लगाते हुए गांव में ही नियमित टीकाकरण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की समस्या न आए। पुन: शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिविर में विभिन्न खनन पट्टा धारकों द्वारा क्षेत्र में तैनात श्रमिकों हेतु शौचालय एवं उचित प्रबंधन व्यवस्था न होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी कैंचीधाम को निर्देश दिए की सभी खनन पट्टा क्षेत्रों में बायोटॉयलेट स्मार्ट टॉयलेट तथा उनमें पानी की सुचारू व्यवस्था के साथ ही श्रमिकों के आवास व्यवस्था एवं उनके बच्चों हेतु उचित शिक्षा का प्रबंधन स्वास्थ्य प्रबंधन सहित मूलभूत सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन पट्टाधारियों द्वारा यह सुनिश्चित नहीं किया जाता है तो उनके खनन पट्टे निरस्त करने के कार्रवाई की जाए। शिविर में उत्तराखंड सरकार में दर्जा राज्यमंत्री शांति मेहरा, क्षेत्र प्रमुख बेतालघाट अंकित शाह, सदस्य जिला पंचायत संजय बोरा, उप जिलाधिकारी श्री कैंचीधाम मोनिका, एपीडी चंद्रा फर्त्याल, खण्ड विकास अधिकारी पंकज जोशी, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

नैनीताल। प्रयोगांक नैनीताल द्वारा विंटर कार्निवाल के तहत नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। विंटर टूरिज्म विषय पर नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति की गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नैनीताल व उसके आसपास के पर्यटक स्थलों का विवरण देते हुए यह भी बताया गया कि किस प्रकार हम धुंध और प्रदूषण से खुद को बचाते हुए नैनीताल के सुखद वातावरण का आनंद ले सकते हैं। नाटक के माध्यम से विंटर कार्निवाल के विभिन्न कार्यक्रम के विषय में भी बताया गया। नुक्कड़ नाटक तल्लीताल व मल्लीताल के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए। नुक्कड़ नाटक में उमेश कांडपाल, रोहित वर्मा, पवन कुमार, नीरज डालाकोटी, मुकेश धस्माना तथा मदन मेहरा द्वारा प्रतिभा किया गया।

सीता-राम वनवास और दशरथ विलाप प्रसंग से भावविभोर हुआ कथा पंडाल

लालकुआं। राधे-राधे सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री राम कथा महोत्सव के छठवें दिन कथा पंडाल श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं के अद्भुत संगम का साक्षी बना। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कथा व्यास पंडित पंकज मिश्रा 'मयंक' के श्रीमुख से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की दिव्य कथा का भावपूर्वक श्रवण किया। कथा पंडित जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान रहा। कथा व्यास पंडित पंकज मिश्रा मयंक ने श्री राम, माता सीता एवं भ्राता लक्ष्मण के वनवास प्रसंग का अत्यंत मार्मिक, प्रेरणादायक एवं जीवनोपयोगी वर्णन किया। इस अवसर पर दिल्ली से पधारे राधाकृष्ण मंदिर समिति एवं रैपिड ग्लोबल स्कूल के अध्यक्ष स्कंद सिंह भदोरिया, उनकी धर्मपत्नी शशि भदोरिया, डायरेक्टर अनुपम भदोरिया तथा सुमित भदोरिया को राम पटका पहनाकर एवं राम स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष पवन चौहान, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश जोशी, अजय उप्रेती एवं विनोद श्रीवास्तव को भी व्यास पीठ से सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राधे-राधे सेवा समिति के अध्यक्ष संजीव शर्मा, जीवन कावड़वाल, हरीश नैनवाल, बीपीएन शर्मा, उमेश तिवारी, राजेन्द्र प्रसाद अग्निहोत्री, अरुण जोशी, पंचम लाल, शैलेन्द्र सिंह, राजेश मिश्रा, राजीव मौर्य आदि उपस्थित थे।

पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

विद्युत भवन, नजदीक-आईएसबीटी क्रासिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून- 248002

कार्पोरेट आईडीः U40101UR2004SGC028675 फोन नं0 9412057639 ई-मेलः ee2_it@ptcul.org

PTCUL

निविदा विस्तारण सूचना

इस कार्यालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित निविदा संख्या tender specification T.No. 02/EE(IT-II)/Dehradun/2025-26 जोकि दिनांक 23.12.2025 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदा दिनांक 09.01.2026 तक विस्तारित की जाती है निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 08.01.2026 है। निविदायें पंजीकृत / स्पीडपोस्ट डाक के माध्यम से ही प्राप्त की जायेगी। विज्ञापन से सम्बन्धित अन्य शर्तें पिटकुल की वेबसाइट www.ptcul.org पर एवं इस कार्यालय में भी उपलब्ध है। ई-निविदा से सम्बन्धित जानकारी हेतु सम्पर्क करें +91-7088112452

पत्रांकः 505/आईटीडब्ल्यू(सूचना प्रौद्यो-द्वितीय)/पिटकुल/ दिनांकः 22/12/2025

अधिशासी अभियन्ता (सूचना प्रौ०-II)

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें"

डंपिंग जोन की सुरक्षा दीवार जल्द बनाने के निर्देश

■ गंगा स्वच्छता और नगरीय क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर डीएम सख्त,गंगा समिति की बैठक में सीवर लाइन और वेस्ट मैनेजमेंट पर हुआ मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में गंगा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई, जिसमें जिले की पर्यावरणीय सुरक्षा और गंगा की निर्मलता को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु जिले की समस्त नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में चल रहे साफ-सफाई अभियान, ट्रेंचिंग ग्राउंड की स्थिति और वेस्ट मैनेजमेंट की प्रभावी कार्ययोजना रहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गंगा और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए नगरीय क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का सुचारु होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से चम्बा और नई टिहरी के लिए चिन्हित डम्पिंग जोन मोकरी में सुरक्षा दीवार के निर्माण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कार्य की गति पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सुरक्षा दीवार का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की पर्यावरणीय क्षति को रोका जा सके। इस दौरान जिले की सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों ने अपने क्षेत्रों में वर्तमान में प्रचलित साफ-सफाई व्यवस्था और कूड़ा निस्तारण की स्थिति का ब्योरा प्रस्तुत किया, जिस पर जिलाधिकारी ने नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

नमामि गंगे और सीवर लाइन परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा करते हुए परियोजना प्रबंधक, निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई (गंगा), उत्तराखण्ड पेयजल निगम, श्रीनगर ने बैठक में जानकारी दी कि देवप्रयाग में सीवर लाइन बिछाने का कार्य अंतिम चरणों में है। उन्होंने बताया कि वहां 200 मीटर सीवर लाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है, जिसके माध्यम से क्षेत्र के 17 घरों को सीवर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि उक्त योजना को आगामी 31 दिसम्बर 2025 तक निरीक्षण हेतु पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा, जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर सीवेज सुविधा का लाभ मिल सकेगा।बैठक में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की कार्यप्रणाली और मानकों को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई।

उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अक्टूबर माह की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया कि भागीरथी पुरम स्थित 5 एमएलडी और देवप्रयाग स्थित 1.4 एमएलडी एसटीपी में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई है। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए अधिशासी अभियंता जल संस्थान नई टिहरी ने बताया कि भागीरथी पुरम के प्लांट का डिजाइन पीरियड पूरा हो चुका है, जिसके चलते यह समस्या आई है और अब इसके उच्चीकरण की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

वहीं, देवप्रयाग एसटीपी के संबंध में अधिशासी अभियंता ने जानकारी दी कि प्लांट के सेंसर में तकनीकी खराबी आने के कारण टेस्टिंग में विसंगति आई थी, जिसे सुधारने के लिए नया सेंसर मंगवा लिया गया है। बैठक में डीएफओ पुनीत तोमर, अधिशासी अभियंता जल संस्थान प्रशांत भारद्वाज, डीटीडीओ एस.एस. राणा, और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद नई टिहरी बासुदेव डांगवाल सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम सीएम की दूरदर्शी सोच का परिणाम: विधायक

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। विधानसभा सहसपुर के अंतर्गत सभावला में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेशभर में संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के तहत आयोजित बहुद्देशीय शिविर में विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आमजन को शि. विर का अधिकतम लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

बहुद्देशीय शिविर में 23 विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों द्वारा मौके पर ही जनता की समस्याओं को सुना गया और संबंधित प्रकरणों का त्वरित समाधान किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने प्रतिभाग कर सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने कहा कि "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम मुख्यमंत्री धामी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से सरकार स्वयं जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है। इस पहल से आमजन को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचता है।विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने जनता से अपील करते हुए कहा कि जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले ऐसे बहुद्देशीय शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

एनआईटी उत्तरखंड में जीआई एएन पाठ्यक्रम का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के गणित विभाग द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए डेटा-आधारित चिंतन, मॉडलिंग एवं सांख्यिकीय निष्कर्षण पर पाँच दिवसीय ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स पाठ्यक्रम का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। यह प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए 6.6 लाख रूपये के अनुदान से 23 से 27 दिसंबर 2025 तक संचालित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना तथा भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं को वैश्विक स्तर की विशेषज्ञता से जोड़ना है। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि एमएएनआईटी भोपाल एवं एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. केके शुक्ल ने कहा कि डेटा-आधारित अनुसंधान, गणितीय मॉडलिंग और सांख्यिकीय विश्लेषण आज वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। कहा कि इस प्रकार के अंत. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संस्थान की अकादमिक प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करते हैंबताया कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को गणितीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय महामारी विज्ञान, डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक उपकरणों से परिचित कराएगा। डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने पोस्ट कोविड-19 युग में इस पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों को समझने, उनके प्रबंधन और न्यूनीकरण में डेटा, गणितीय मॉडलिंग और सांख्यिकीय निष्कर्षण की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। मौके पर एनआईटी उत्तराखंड के कुलसचिव हरि मौल आजाद, डीन (योजना एवं विकास) डॉ. विवेक श्रीवास्तव, डॉ. शशांक भातरा, गणित विभाग के डॉ. डीबी सिंह सहित आदि मौजूद थे।

बांग्लादेशियों के अत्याचार के विरोध मे पुतला दहन

विकासनगर। बंगलादेश मे हो रही हिंदुओं की हत्या एवं अत्याचार के विरोध युनुस का पुतला दहन किया गया। प्रतिष्ठा सेवा समिति के अध्यक्ष गिरीश डालाकोटी ने कहा कि इस्लामिक आतंक वाद नही चलेगा, बंग्लादेशी वापिस जाओ, ये देश है वीर शिवाजी का आदि नारे लगाकर सरकार से अवलिम्ब कार्यवाही की मांग की गई। उन्होंने सरकार से मांग की हमारे यंहा रहने वाले बंगलाद. `शीयो को चिंहित करके बाहर भेजा जाए अन्यथा 15 दिन के बाद यह कार्य हिंदू संघटन करेंगे। इस अवसर पर प्रतिष्ठा सेवा समिति के अध्यक्ष गिरीश डालाकोटी, भूपेंद्र ,सविता आदि उपस्थित रहे।

सड़क धंसी, बड़े हादसे का खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। सहिया स्टेट हाईवे पर सड़क धंसने से क्षेत्र में बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। यह धंसाव चकराता गेट से सहिया की ओर लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां सड़क का एक हिस्सा पैराफिट के पास से नीचे की ओर धंस रहा है, जो दूर से नजर नहीं आता, जिससे वाहन चालकों के लिए यह स्थान बेहद खतरनाक बन गया है।स्थानीय ग्रामीणों राजेंद्र सिंह चौहान (राजू), प्रदीप जोशी, सहित अन्य लोगों ने बताया कि इस स्थान पर वाहन साइड देने या लेने के दौरान सड़क के और नीचे बैठने का खतरा बना रहता है।

इस संबंध में लोक निर्माण विभाग की अधिशासी अभियंता रचना थपलियाल ने बताया कि सड़क धंसाव की जानकारी उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। फिलहाल प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं मिली है, लेकिन जल्द ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

एक नजर .....

मंदिर समिति ने विद्यालय को भेंट किया वाटर कूलर

श्रीनगर। सिद्धपीठ मां धारी देवी मंदिर समिति ने आनंदा इंटरनेशनल स्कूल ढमक में एक वाटर कूलर प्रदान किया गया। इस मौके पर विद्यालय प्रशासन ने मंदिर समिति के अध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय का स्वागत किया गया। मौके पर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय ने विद्यालय प्रशासन को हर संभव सहायता एवं सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया। मौके पर पार्षद राजेंद्र सिंह नेगी, विद्यालय की प्रधानाचार्य गीता भंडारी, विद्यालय समिति के अध्यक्ष डॉ. उत्तम सिंह भंडारी, राजेश पाण्डेय, गौरव बुटोला, सुदर्शन कुमार, सुमन रावत, राखी पंत, मानसी बंगवाल, रचना बहुगुणा, दीपिका उनियाल, मोनिका, विजय लक्ष्मी, मीनाक्षी, वंदना डंगवाल सहित आदि मौजूद थे।

जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए: खंडेवाल

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर में ब्लॉक प्रमुख अचला खण्डेवाल की अध्यक्षता में राज्य वित्त योजना के अंतर्गत विकास योजनाओं को क्रियान्वान किए जाने को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देना सहित आगामी योजनाओं कि समीक्षा करना के उद्देश्य से आहुत की गई बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में ब्लॉक प्रमुख अचला खण्डेवाल ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को राज्य वित्त के तहत आवंटित बजट का सदुपयोग करने और जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रस्तावों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर सहायक खंड विकास अधिकारी दिलमणि जोशी, कनिष्ठ उप प्रमुख प्रियंका जयाड़ा, क्षेत्र पंचायत सदस्य रानीहाट मनोज कुमार जोशी, सुमन नौटियाल, विजयमोहन बहुगुणा, अनिता देवी, चन्द्रमोहन सिंह आदि मौजूद थे।

देवभूमि, एसजीआरआर और राइंका श्रीनगर ने जीता मैच

श्रीनगर। रोटरी क्लब अलकनंदा वैली श्रीनगर के तत्वावधान में एनआईटी खेल मैदान में चल रही स्व. विमला जुगरान स्मृति स्कूली बालक एवं बालि. का क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन देवभूमि स्कूल और राइंका श्रीनगर ने मैच अपने नाम किया। प्रतियोगिता का पहला मैच देवभूमि स्कूल और राइंका कीर्तिनगर के मध्य खेला गया। प्रतियोगिता में पहले बल्लेबाजी करते हुए देवभूमि स्कूल की टीम ने विपक्षी टीम को 12 ओवरों में 104 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राइंका कीर्तिनगर 12 ओवरों में 101 रन ही बना पाई। देवभूमि की टीम ने 4 रनों से मैच अपने नाम किया। वहीं दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रेनबो स्कूल की टीम ने 12 ओवरों में 104 रन बनाएं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राइंका श्रीनगर की टीम ने 10वें ओवर की पहली गेंद में ही मैच अपना नाम किया। मैच जीत कर राइंका श्रीनगर सेमिफाइनल में प्रवेश किया। मौके पर रोटरी क्लब अलकनंदा वैली के खेल प्रभारी प्रदीप मल्ल, खेल प्रभारी कृपाल सिंह पटवाल, अध्यक्ष डा. सुनील बिजल्वाणप्रतियोगिता में नारायण सदन पहले, व्यास सदन दूसरे एवं पाराशर सदन तीसरे स्थान पर रहा। अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षकाएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कोटद्वार । नगर निगम के अंतर्गत बीईएल रोड स्थित महर्षि विद्या मंदिर में सोमवार को गणित को नया आयाम देने वाले दुनिया के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती एवं राष्ट्रीय गणित दिवस उपलक्ष्य में अंतर सदन गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चारों सदनों के छात्रों ने भाग लिया।

अनियंत्रित होकर बाइक यूटीलिटी से टकराई

शाह टाइम्स संवाददाता

सहिया। कालसी चकराता मोटर मार्ग पर सियारली खड के पास मोड पर बाईक अनियंत्रित होकर यूटीलीटी से टकरा जाने से बाइक सवार व एक महिला घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से 108 सेवा के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाएं गए। जहां से प्रथम उपचार के बाद एक को हायर सेन्टर किया रेफर किया गया।

मंगलवार की शाम करीब चार बजे शमशेर सिंह पुत्र जिंगुटिया निवासी खोई चंदोऊ (27) अपनी बाइक से चकराता से विकासनगर आ रहा था। इसी बीच बोडोई छानी से एक महिला कला देवी पत्नी दमाराम वर्मा निवासी उपरोली ने साहिया

आने के लिए लिफ्ट ली। कुछ ही दूरी पर सियारली खड के समीप तिबर मोड पर बाइक चालक हड़बड़ा गया और साहिया की और से आ रही यूटीलिटी से टक्करा गया। बाईक चालक शमशेर सिंह के सिर पर गहरी चोट आने से उसको हायर सेन्टर रेफर कर दिया। जबकि महिला को उपचार के बाद घर भेज दिया।

डाक्टर ममता नेगी ने बताया कि बाईक सवार के सिर पर कट भारी चोटे आने के कारण हायर सेन्टर रेफर किया गया।

बीएड नवीन सत्र 2025-27 के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बी.एड. के नवीन सत्र 2025-27 के अभिविन्यास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने नव प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बी. एड. केवल शैक्षिक योग्यता नहीं बल्कि व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। उन्होंने बताया कि बी. एड. पाठ्यक्रम में प्रशिक्षु जो भी क्रियाकलाप सीखते हैं, वे भविष्य में अपने छात्रों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पाठ्यक्रम 'स्वयं करके सीखने' और 'प्रत्यक्ष अनुभव' के सिद्धांत पर आधारित है।

बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. रुचि बहुखंडी ने नए प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि केवल बी.एड. की डिग्री प्राप्त करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारा वास्तविक उद्देश्य समाज में एक आदर्श शिक्षक बनना और समाज को सकारात्मक दिशा में ले जाना होना चाहिए।' उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिक्षक समाज का आदर्श होता है और उसे विशेष सम्मान प्राप्त होता है। नए प्रशिक्षुओं के बीच आपसी मैत्री, सहयोग और टीम भावना विकसित करने के उद्देश्य से संचार खेल, टीम निर्माण कौशल, एकाग्रता अभ्यास जैसे कई रोचक क्रियाकलाप संचालित किए गए।

छात्राओं को किया गया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता अंडर 14-19 का आयोजन देहरादून में क्रीड़ा भारती के तत्वाधान में किया गया। इस ओपन टूर्नामेंट में एनफील्ड स्कूल की अक्शिका शर्मा, याशिका तोमर एवं अन्य बालिकाओं ने ओपन टीम से खेलते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओपी चुग ने सभी छात्राओं को सम्मानित किया। शारीरिक शिक्षा अध्यापक अंकित डबराल व जवाहर शर्मा को उनके परिश्रम एव मार्गदर्शन के लिए बधाई दी।

निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम एक जनवरी से प्रारंभ

कोटद्वार । सेवायोजन विभाग उत्तराखंड द्वारा संचालित गोविंद नगर स्थित शिक्षण एवं मार्ग दर्शन केंद्र में आरक्षित वर्ग, पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए रोजगार परख प्रशिक्षण व प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम एक जनवरी से आरंभ होगा। मंगलवार को केंद्र प्रभारी उत्तम कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण के अंतर्गत छात्रों को छह मास का टंकण व लिपिकीय व आशुलिपि में एक साल का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण में हिंदी टंकण, हिंदी आशु. लिपि व इंटनेट व कम्प्यूटर का ज्ञान निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार छात्रों को दिया जायेगा।

परिस्थितियों से लड़कर हार गया रुद्रप्रयाग जिले का ल्वेगढ़ गांव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड की पहचान एक सुंदर पहाड़ी प्रदेश के रूप में है। हरे-भरे खेत-खलिहान, पर्वत श्रृंखलाएं, प्राकृतिक सौंदर्य यहां की पहचान हैं। लेकिन राज्य अस्तित्व में आने के बाद इन 25 सालों में पलायन की मार झेल रहे कई गांव खाली हो चुके हैं। कभी लोगों से गुलजार रहने वाले गांवों को 'घोस्ट विलेज' कहा जाने लगा है.। ऐसे ही गांवों की श्रेणी में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिला का ल्वेगढ़ गांव भी शामिल हो गया है। ये गांव गढ़वाल के 52 गढ़ों में शामिल है।

उत्तराखंड के पहाड़ उजड़ने के पीछे कई वजहें रही हैं। हालांकि, गांव के गांव खाली होने का मुख्य कारण बुनियादों सुविधाओं का अभाव रहा है, जिसकी बानगी हर गांव में देखने को मिल जाती है। रुद्रप्रयाग जिले का ल्वेगढ़ गांव भी ऐसी परिस्थितियों से लड़कर अब हार गया है और अब ये गांव भी वीरान हो गया है। दरअसल, ल्वेगढ़ गांव में अंतिम निवासी 90 वर्षीय सीता देवी के निधन के बाद शेष दो बुजुर्ग महिलाएं भी ये गांव छोड़कर अपने परिजनों के पास अन्य गांवों में चली गईं, जिससे यह गांव खाली हो गया. स्वतंत्रता सेनानी शिव सिंह सजवाण का पैतृक गांव आज बुनियादी सुविधाओं के अभाव में वीरान हो गया है।

जहां एक ओर सरकार रिवर्स पलायन की बात कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत ठीक उलट दिखाई दे रही है। पहाड़ों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव में पलायन तेजी से बढ़ा है। गांवों में अब वीरानी छाने से जंगली जानवरों का आशियाना बनते जा रहे हैं। सरकार और प्रशासन समय रहते अगर इन गांवों में ध्यान देता तो आज स्थिति ऐसी नहीं होती।

जनपद में स्थित स्वतंत्रता सेनानी शिव सिंह सजवाण का पैतृक गांव ल्वेगढ़ अब पूरी तरह खाली हो चुका है। गांव की अंतिम निवासी 90 वर्षीय सीता देवी के निधन के बाद शेष दो बुजुर्ग महिलाएं भी अपने परिजनों के पास अन्य गांवों में चले गए हैं, जिससे यह गांव जनशून्य हो चुका है। गांव के खाली होने का मुख्य कारण सड़क और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहा है।

वैसे पहाड़ी इलाकों के सैकड़ों गांव सड़क, पानी, स्वास्थ्य और संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में खाली रहे हैं। विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत कांडई का राजस्व गांव ल्वेगढ़ इन्हीं में से एक है। ये वही गांव है, जहां के स्वतंत्रता सेनानी शिव सिंह सजवाण ने आजादी की लड़ाई में कई बार जेल की सजा काटी थी। जिस गांव से कभी आजादी की मशाल जली थी, आज वहां वीरानी और सन्नाटा पसरा हुआ है। इसी गांव से कुछ दूरी पर स्थित ढिंगणी गांव भी चार साल पहले जनशून्य हो चुका है, जबकि चाम्यूं गांव में केवल एक बुजुर्ग दंपति रह रहे हैं।

बता दें कि करीब दस साल पहले तक ल्वेगढ़ में 15 परिवार निवास करते थे। पेयजल, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं न मिलने के कारण लोग धीरे-धीरे पलायन करने लगे। आज गांव तक पहुंचने के लिए एक किमी पैदल रास्ता भी मुश्किल से दिखाई देता है। गांव के चारों ओर बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग गई हैं और कई आशियानें टूट चुके हैं। इस वर्ष अक्टूबर के पहले हफ्ते तक गांव में केवल तीन बुजुर्ग महिलाएं और एक दिव्यांग युवक ही रह रहे थे। 10 अक्टूबर को 90 वर्षीय सीता देवी का निधन हो गया।

प्रशासन ने कसी नकेल, तस्करों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद को नशा मुक्त बनाने और युवाओं को मादक पदार्थों के दलदल से बाहर निकालने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी मुहिम और अधिक तेज कर दी है। इसी क्रम में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनपद एवं थाना स्तरीय एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की एक महत्वपूर्ण मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए कि नशे के अवैध कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति

अपनाने के कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल धरपकड़ ही काफी नहीं है, बल्कि जागरूकता और पुनर्वास के माध्यम से समाज की जड़ों तक पहुंचना भी अनिवार्य है।

बैठक के दौरान पुलिस विभाग की ओर से अपर पुलिस अधीक्षक जे. आर. जोशी ने जिले में चल रहे नशा विरोधी अभियानों का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा न केवल अपराधियों पर शिकंजा कसा जा रहा है, बल्कि जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सचेत भी किया जा रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि एनडीपीएस एक्ट के तहत लगातार कार्रवाई जारी है और विशेष रूप से पर्यटन की दृष्टि से संवेदनशील मुनि की रेती क्षेत्र में तीन व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज कर सख्त संदेश दिया गया है। इसके अलावा, पुलिस विभाग एनजीओ के सहयोग से नशा पीड़ितों के पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है ताकि भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में वापस लाया जा सके।

उन्होंने अन्य सभी विभागों से अपील की कि यदि उन्हें नशे के अवैध व्यापार के संबंध में कोई भी गोपनीय सूचना मिलती है, तो वे तत्काल पुलिस के साथ साझा करें।

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा भी बैठक का अहम हिस्सा रही। विभाग द्वारा बताया गया कि स्कूलों और कॉलेजों में एंटी ड्रग क्लबों का गठन किया गया है जो छात्रों के बीच सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षण संस्थानों में रैंडम चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं और टोबैको ओथ (तंबाकू निषेध शपथ), जागरूकता सेमिनार और काउंसलिंग सत्रों का आयोजन किया जा रहा है ताकि छात्र जिज्ञासावश भी नशे की ओर आकर्षित न हों। वन विभाग की ओर से रेंज अधिकारी कपिल ने जंगलों में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किए गए फील्ड निरीक्षणों की जानकारी दी।

बैठक में एसडीएम नरेंद्रनगर आशीष घिल्डियाल, एसडीएम धनोल्टी नीलू चावला, एसडीएम कीर्तिनगर मंजू राजपूत, एसडीएम टिहरी संदीप कुमार सहित स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

बंड विकास मेले में स्कूली छात्रों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति

■ मेले में धीरे-धीरे मेलार्थियों की भीड़ बढ़ने से रौनक लौटने लगी है

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। बंड विकास मेले में आज के मुख्य अतिथि रहे भाजपा के जिलाध्यक्ष गजपाल बर्तवाल। जबकि विशिष्ट अध्यक्ष रहे बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, राज्यमंत्री हरक सिंह नेगी, गोपेश्वर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत और दशोली प्रमुख विनीत देवी रहे। बंड विकास संगठन के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी द्वारा सभी मुख्य अतिथियों का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए स्टालों का भी निरीक्षण किया गया।

मेले में चौथे दिन बंड क्षेत्र के दर्जनों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी गई।

सरस्वती शिशु मंदिर पीपलकोटी के नौनिहालों द्वारा मेला खेलों मां की शानदार प्रस्तुति की गई। वहीं हिमालय उदय चिल्ड्रन एकेडमी के छात्रों ने भी अपनी विलुप्त हो रही संस्कृति के संरक्षण के लिए संदेश दिया गया। पावन मेरो उत्तराखंड गढ़ देश के माध्यम से छात्रों ने दियां सुंदर संदेश।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा सिकन्दरपुर भैंसवाल, तहसील-भगवानपुर, जिला-हरिद्वार(उत्तराखण्ड) खसरा नंबर 721, खाता संख्या 685 में भण्डारन हेतु आवेदन किया है। यदि किसी को आपत्ति हो तो 15 दिन के भीतर जिलाधिकारी हरिद्वार के यहा अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है।

इस्लाम पुत्र सईद अहमद
निवासी अकबरपुर कालसो,
तहसील भगवानपुर
जिला-हरिद्वार

समाजसेवियों व राजनीतिज्ञों ने किसान दिवस के रूप में मनाई स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती

गरीब व किसानों के असली मसीहा थे पूर्व प्रधानमंत्रीः काजी

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर विधायक काजी निजामुद्दीन ने आज देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 123 वी किसान दिवस के रूप में उनकी जयंती मनाई जिसमे मंगलौर विधानसभा के लोग भारी संख्या में इकट्ठा हुए इस मौके पर काजी निजामुद्दीन ने देश की सरकार पर वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्मदिन उनके पिता के समय से मनाया जाता रहा है। साथ ही उन्होंने झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती द्वारा विधुत विभाग के कर्मचारियों के घरों की बिजली काटे जाने की की सराहना करते हुए कहा कि विधायक का फैसला बहुत ही ठीक रहा अगर अब भी विधुत व्यवस्था नही सुधरी तो आगे बढ़ा आंदोलन भी किया जाएगां

विधायक काजी निजामुद्दीन ने कहा किचौधरी चरण सिंह किसानों व गरीबों के सच्चे मसीहा थे उन्होंने किसान हित में बड़े फैसले लिए और भूमि अधिकार का फैसला भी चौधरी चरण सिंह की ही देन है ।उन्होंने कहा कि हमें चौधरी चरण सिंह के बताए रास्ते पर चलना चाहिएहम उनकेरास्ते पर चलकर ही किसान हितों की रक्षा कर सकते हैं उन्होंने कहा कि वह हमेशा किसान हितेश ही रहे हैं उन्होंने हमेशा किसानों की लड़ाई लड़ी है सड़क से लेकर विधानसभा तक वह किसानों के साथ खड़े रहे हैं। झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती ने ने कहा कि विधुत विभाग के अधिकारी सिर्फ गरीब जनता का शोषण करते है जबकि उद्योगपति को वह गरीबों के हिस्से लाइट बेचने का काम कर रहे हैं ।इस अवसर पर बड़ी तादाद में क्षेत्र के किसान व समाजसेवी और अन्य लोग मौजूद रहे

चौधरी चरण सिंह किसानों व गरीब लोगों के लिए लड़ते रहे

शाह टाइम्ससंवाददाता

रुड़की। भारत रत्न महान स्वतंत्रता सेनानी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती इनकी मूर्ति स्थित कर्नल एंक्लेव पर श्रद्धा पूर्वक मनाई गई जिसमें तमाम सामाजिक, राजनीतिक ओर चौधरी साहब के अनुयायी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी रुड़की महानगर अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी एडवोकेट ने चौधरी साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत के किसानों को सबसे बड़ा उपहार देने वाले चौधरी साहब थे जिन्होंने किसानों को भूमि का अधिकार दिया। चौधरी चरण सिंह बहु प्रतिभा के धनी थे वे किसान, अधिवक्ता, स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ के साथ अर्थशास्त्री भी थे। पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी विवेक चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह सच्चे, ईमानदार और देशभक्त थे लेकिन आज उनकी जयंती पर केन्द्र सरकार ने उन्हें भुलाते हुए अनदेखा किया है क्योंकि सूचना विभाग द्वारा कोई श्रद्धांजलि आज किसी भी राष्ट्रीय समाचार पत्र में ना छपना इस बात को साबित करता है कि यह सरकार आजाद भारत के सबसे महान किसान मसीहा को भुला देना चाहती है। विवेक चौधरी ने युवाओं से चौधरी साहब के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया । इंद्रजीत सिंह यादव ने कहा कि चौधरी साहब किसान पिछड़ों दलितों और गरीबों के हक के लिए लड़ते रहे और इस ईमानदार नेता कोई दूसरा होना बहुत मुश्किल है।इस अवसर पर बड़ी तार में समाजसेवी व राजनीतिक दलों के नेता भी मौजूद रहे।

कलियर विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। विधानसभा पिरान कलियर के रामपुर में डांडी वाले ढाल की और राज्य योजना के तहत बनने वाली सड़क का शिलान्यास विधायक हाजी फुरकान अहमद ने फीता काटकर किया।

विधायक हाजी फुरकान अहमद ने बताया कि करीब 15 लाख रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क इंटर लॉकिंग टाइल्स से बनाई जा रही है।उन्होंने कहा कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में थी जिससे लोगों को आने जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क बनने से अब स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी।उन्होंने बताया कि विधानसभा कलियर क्षेत्र के कई अन्य गांवों में भी महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण कराए जाने की योजना जारी है ताकि आमजन को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकें।स्थानीय लोगों ने कहा कि इस मुख्य सड़क की बहुत खराब स्थिति थी जिसके कारण लोगों को लंबे समय से परेशानी उठानी पड़ रही थी। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से अब समस्या दूर होगी।इस मौके पर जुल्फुकर,जाहिद,नईम,छोटा, नवाब,अनीस,जहांगीर,उस्मान,इरफान मौजूद रहें।

जीवन में चौ. चरण सिंह के विचारों को अपनाएं: भड़ाना

शाह टाइम्स संवाददाता

गुरुकुल नारसन। क्षेत्र के किसानो ने चौधरी चरण सिंह की जयंती को राजा महेंद्र प्रताप इंटर कालिज मे बडी धूम धाम के साथ मनाया गया इस मौके पर सैकडो किसानो ने चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर फूल माला अर्पण कर उनको श्रद्धांजलि दी किसानो और एक यज्ञ का आयोजन किया गया इस अवसर पर कालेज के प्रधानाचार्य आर्यव्रत चौधरी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला गया और उन्होंने उनको किसान मसीहा बतया और कहा की सभी किसानो के हितो मे कार्य करते थे पूर्व प्रधानमंत्री इस अवसर पर किसानो तथा कालेज प्रबंधक द्वारा मौजूदा लोगो के लिए लंगर की व्यवस्था आज 23 नवम्बर को राजा महेंद्र इंटर कालेज मे किसान मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती को बडी धूम धाम के साथ मनाया गया! इस अवसर पर मुख्यतिथि करतार सिंह भड़ाना रहे इस मौके पर करतार सिंह भड़ाना के द्वारा इंटर कालिज के प्रागण मे लगी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर फूल मला अर्पण कर लोगो से चौधरी चरण सिंह के विचारों पर चलने की अपील की और कहा की चौधरी चरण सिंह किसानो के मसीहा थे जिन्होंने किसानो के हितो के कार्य किए!

युवतियां सकुशल बरामद, आरोपी पकड़ा

शाह टाइम्ससंवाददाता

रुड़की। कोतवाली गंगनहर पुलिस की ततपरता से घर से लापता हुई दो युवतियों का सकुशल लुधियाना से बरामद कर उनके परिजनों को राहत दी है। युवतियों के अचानक लापता होने से परिवारजन उनकी कुशलता को लेकर अत्यंत चिंतित थे। घर से बिना बताए चली गई थी, को पुलिस ने लुधियाना (पंजाब) से सकुशल बरामद किया। पूछताछ में बालिग युवती ने बताया कि वह अपनी मर्जी से लुधियाना गई थी और वहां एक दुकान में कार्य कर रही थी। युवती द्वारा स्वयं के बालिग होने तथा परिवार के साथ लौटने से इनकार किए जाने पर पुलिस द्वारा नियमानुसार उसे वहीं छोड़ा गया। वहीं दूसरे मामले में पोक्सो एक्ट से संबंधित नाबालिग अपहृता को खमाणु, लुधियाना रोड, फतेहपुर साहिब (पंजाब) से सकुशल बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी विशाल पुत्र रुकमेश निवासी गणेशपुर, रुड़की उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है, कोतवाली प्रभारी गंगनहर मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि "गुमशुदा एवं अपहृताओं की बरामदगी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। टीमों ने सतत प्रयास कर दोनों मामलों में सफलता हासिल की है। भविष्य में भी इस प्रकार के मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।"

विधायक वीरेंद्र जाति ने बिजली विभाग के अधिकारियों के आवासों की काटी बिजली

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कांग्रेस विधायक वीरेंद्र जाति ने बिजली विभाग के अधिकारियों के सरकारी आवासों पर जाकर उनके घर की बिजली काटी। इस संबंध में करीब पंद्रह दिन पहले वह अधीक्षण अभियंता अमित कुमार से मिले थे। करीब 15 दिन पहले विद्युत विभाग के तत्कालीन अधीक्षण अभियंता अमित कुमार से मिलकर कांग्रेस विधायक वीरेंद्र जाति ने देहात क्षेत्र में हो रही अघोषित विद्युत कटौती को रोके जाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि सुबह और शाम बिजली काटे जाने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है और वह अपने जरूरी कार्य को नहीं कर पा रहे हैं। अधीक्षण अभियंता कौन के द्वारा चेतावनी दी गई थी कि अगर एक हफ्ते के अंदर इस व्यवस्था में सुधार न हुआ तो वह अपने हाथों से बिजली अधिकारियों के आवासों की बिजली काटेंगे। हालांकि इसके बाद अधीक्षण अभियंता का तबादला भी हो चुका है। आज विधायक वीरेंद्र जाति सुबह ही अधीक्षण अभियंता,अधिशासी अभियंता एवं अन्य अधिकारियों के आवास पहुंचे और उन्होंने वहां की बिजली काट दी। उन्होंने कहा कि जो परेशानी जनता झेल रही है वहीं अधिकारी झेलेंगे तो शायद व्यवस्था सुधरेगी। उन्होंने कहा जनता के हक की बिजली किसी की मर्जी पर नहीं चलेगी।

संत स्पोर्ट्स एकेडमी के खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

शाह टाइम्ससंवाददाता

रुड़की। आदर्श नगर स्थित संत स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित प्रथम इंट्रा एकेडमी बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। जिसमें इं. रविन्द्र वर्मा तथा एकेडमी एम्बेसडर विजय भूटानी ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विजय भूटानी ने कहा कि "प्रतियोगिता में उतरना ही पहली जीत है। हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन चुनौतियों को स्वीकार करने वाले ही आगे चलकर असली विजेता बनते हैं। आज बच्चों को रुड़की में जिस स्तर की सुविधाएं मिल रही हैं, वह हमारे समय में एक सपना हुआ करती थीं।"वहीं मोटिवेशनल स्पीकर इं. रविन्द्र वर्मा ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि "हार से सीख लेकर जो खिलाड़ी अगली प्रतियोगिता की तैयारी में जुट जाते हैं, वही आगे चलकर चैम्पियन बनते हैं। कड़ी मेहनत ही सफलता का एकमात्र रास्ता है। प्रतियोगिता के विजेता-अंडर-9: रिधान राणा (स्वर्ण) अंडर-11: दक्ष गोयल (स्वर्ण), अंडर-13: माधव सिंघल (स्वर्ण)अंडर-15: विहान राणा (स्वर्ण)अंडर-17: दक्ष दत्तल (स्वर्ण) रजत पदक विजेता: रणवीर चौधरी, दिशांक कौशिक, अर्श गुप्ता, आरव रोहिलाडबल्स मुकाबला: स्वर्ण: आरव रोहिला व आरुष सचदेवारजत: अर्श गुप्ता व तेजल बावेजा एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने वाले आरव रोहिला को "प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट" की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कोच गोविंद यादव, रुचिर गुप्ता, रमन गुप्ता, मुकेश सिंघल, हमजा आलम, दीव्या, वीरिका, मधुर अनेजा, कृष्णा, आरव दीक्षित सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

सफाई आयोग सदस्य ने सुनी समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। उत्तराखंड राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य विनय प्रताप सिंह ने कहा कि जो सफाई कर्मचारी सन 2018 से 10 वर्ष पूर्व से नगर पंचायत में काम कर रहे है उन सभी संविदा कर्मी सफाई कर्मचारीयो को नगर पंचायतो में नियमित किए जाएंगे। इनमें आउटसोर्स व स्वच्छता समिति से रखे गए सफाई कर्मचारी को शामिल नहीं की किया गया है। नगर पंचायत झबरेड़ा में मंगलवार को उत्तराखंड राज्य सफाई कर्मचारी आयोग सदस्य विनय प्रताप सिंह नगर पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में किसी भी सफाई कर्मचारी को किसी भी प्रकार की कोई समस्या हो तो उन्हें बेझिझक बताया जाए। समस्या का तत्परता से हल किया जाएगा।

ट्रेन से कटकर 65 वर्षीय अज्ञात वृद्ध की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। ट्रेन से कटकर 65 वर्षीय अज्ञात वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई है राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया 3:30 मुरादाबाद रेलवे कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी की किलोमीटर 1539 खंबा नंबर 35,37 पर एक वृद्ध व्यक्ति का शव पड़ा है सूचना पर तुरंत ही लक्सर पुलिस चौकी प्रभारी विपिन कुमार को भेजा गया विपिन कुमार पुलिस चौकी प्रभारी लक्सर बगैर देर किए अपनी टीम को लेकर मौके पर पहुंचे और देखा कि वह जो मृत व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है उसकी उम्र 65 से 70 साल नजर आ रही है उन्होंने बताया वरध व्यक्ति का शव किसी हिंदू का प्रतीत हो रहा है जिसके ट्रेन की चपेट में आने से दोनों पैर कट गए थे आसपास के क्षेत्र में उसकी सीनाक्त की बहुत कोशिश की गई लेकिन कोई भी ऐसी जानकारी नहीं मिली की मृत व्यक्ति कहां का है उसकी उम्र करीब 65 से 70 वर्ष नजर आ रही है गोरा रंग है उसने सफेद कुर्ता पजामा पहना है और उसके हाथ व गले में कलावा बधा है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम भूल वंश जन्म प्रमाण पत्र में तेनूर दर्ज हो गया था जो गलत है मेरे पुत्र का असली नाम मो0 तेमूर है जो सही है आज के बाद मेरे पुत्र को मो0 तेमूर के नाम से ही जाना पहचाना समझा पढ़ा लिखा व दर्ज किया जाए।

साजिद पुत्र मुस्तकीम निवासी ग्राम दरगाहपुर ब्लॉक व तहसील लक्सर जिला हरिद्वार

संबंध विच्छेद-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र कुलदीप व उसकी पत्नी सिमरन को उनके गलत आचरण से तंग व परेशान आकर मैने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उनसे अपने सभी सम्बन्ध समाप्त कर लिये हैं।

श्रीमति संतोष पत्नी स्व० सतीश निवासी ग्राम सोहलपुर 'सिकरोड़ा, थाना पिरान कलियर, हरिद्वार।

दरगाह प्रबंधन व नगर पंचायत टीम ने सड़कों से हटवाया अवैध अतिक्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दरगाह क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने को लेकर रुड़की तहसीलदार एवं दरगाह प्रबंधक विकास अवस्थी ने नगर पंचायत की टीम के साथ मिलकर साबरी गेस्ट हाउस के सामने वाली सड़क से अवैध अस्थाई दुकानों को हटवाया दोबारा लगाने पर उन्हें कड़ी चेतावनी भी दी है।

मंगलवार को दरगाह प्रबंधक एवं तहसीलदार रुड़की विकास अवस्थी ने कलियर पहुंचकर साबरी गेस्ट हाउस रोड पर अवैध रूप से दुकानें लगाकर अतिक्रमण करने वालो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को जेसीबी से हटवाया। तहसीदार विकास अवस्थी ने बताया कि दरगाह क्षेत्र में लंबे समय से हो रहे अतिक्रमण के कारण यहां आने वाले जायरीनों और स्थानीय लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सड़कों के दोनों ओर दुकानों के फैलने से जाम की स्थिति बनी रहती थी।नगर पंचायत को निर्देश दिए गए हैं कि हटाए गए स्थानों पर दोबारा कब्जा न होने पाए।उन्होंने कहा कि अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है दोबारा अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की जाएगी।दरगाह क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को लेकर चिन्हित कर हर सप्ताह अतिक्रमण हटवाया जाएगा।इस मौके पर सुपरवाइजर राव शारिक,इंतखाब आलम, लेखाकार सद्दाम, अफजाल अहमद,हारून आदि दरगाह कर्मचारी मौजूद रहें।

विद्युत कनेक्शन काटे जाने से गुस्साए अधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। झबरेड़ा विधायक द्वारा सरकारी आवासों की बिजली काटे जाने के विरोध में बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता द्वारा थाने में तहरीर देकर मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। आरोप लगाया कि झबरेड़ा विधायक व उनके समर्थको के द्वारा सरकारी कार्य में अवैध घुसपैठ की और असुरक्षित कार्य किए हैं जिसमें उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करना आवश्यक है। अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में आज सुबह झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाति ने अपने समर्थकों के साथ बिजली विभाग के सरकारी आवासों में जाकर वहां की विद्युत लाइन काट दी थी जिसके कारण सरकारी आवासों की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी। वहीं इस कृत्य से गुस्साए अधिकारी अधीक्षण अभियंता कार्यालय पहुंचे और वहां उन्होंने बैठक कर इस कृत्य की निंदा की। इसके साथ ही विद्युत वितरण उपखंड प्रथम के उपखंड अधिकारी आकाश सिंह के द्वारा सिविल लाइंस कोतवाली में तहरीर दी। जिसमें उनके द्वारा कहा गया गई कि विधायक वीरेंद्र जाति व उनके समर्थकों के द्वारा अधीक्षण अभियंता विवेक राजपूत, अधिशासी अभियंता विनोद पांडे व मुख्य अभियंता पिटकुल अनुपम सिंह के विभागीय आवास पर अनैतिक रूप से पहुंचते हुए हंगामा किया गया तथा अवैधानिक तरीके से विभागीय विद्युत संयोजनों को वित्तु संयोजनों के खंभे पर चढ़कर बिना किसी सुरक्षा के कनेक्शन काटे गए। तहरीर में कहा गया है कि विधायक द्वारा विद्युत संयोजनों को काटे जाने का एक कृत्य वैधानिक है और उनके स्क्रैच सरकारी कार्य में दैनिक घुसपैठ है।

झबरेड़ा नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया नाला निर्माण का शुभारंभ

कस्बे का बुनियादी विकास करना ही प्राथमिकता : किरण

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। नगर पंचायत झबरेडा अध्यक्ष किरण चौधरी द्वारा झबरेड़ा गुरुकुल मार्ग पर मंगलवार को दो सौ साठ मीटर नाला निर्माण का विधिवत रूप से पूजा पाठ करते हुए फीता काटकर शुभारंभ किया गया। नगर पंचायत झबरेड़ा अध्यक्ष किरण चौधरी द्वारा मंगलवार को 30 लाख रुपए की लागत से बनने वाले दो सौ साठ मीटर लंबे नाला निर्माण का फीता काटकर शुभारंभ किया गया ।उन्होंने मौके पर ही नाला निर्माण कर रहे ठेकेदार को हिदायत देते हुए कहा कि नियम के अनुसार ही नाले का निर्माण होना चाहिए। किसी के द्वारा कोई शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी ने कहा कि कस्बे का चहुमुखी विकास करना ही उनकी प्राथमिकता है और वह झबरेड़ा नगर पंचायत क्षेत्र के बुनियादी विकास के लिए लगातार काम कर रही हैं और सभी वर्गों का एक समान विकास किया जा रहा है वह पूरे नगर पंचायत क्षेत्र का पूरी ईमानदारी जिम्मेदारी से बिना भेदभाव विकास करने के लिए काम कर रही है इस अवसर पर यशवीर सिंह धीर सिंह राजेंद्र सिंह आदित्य गुप्ता गुलाब सिंह नवाब अहमद आदि उपस्थित है।

किसानों को कृषि के प्रति किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर शांतरशाह गांव में कृषि मौसम सेवा परियोजना आईआईटी रुड़की ने समेकित विकास परियोजना, प्रिंस पाइप और अंबुजा फाउंडेशन के सहयोग एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

गोष्ठी में किसानों को आधुनिक कृषि के प्रति जागरूक किया गया। जिसमें कृषि से जुड़े कई विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान ग्राम प्रधान सुरुचि सैनी ने विशेषज्ञों और फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और किसानों के आर्थिक रूप से मजबूत होने से ही देश आर्थिक रूप से सशक्त होगा। वही यह दिन अन्नदाताओं की मेहनत, संघर्ष और समर्पण को याद करने का अवसर प्रदान करता है। वही अंबुजा परियोजना के अधिकारी शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें सशक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है। संस्था का मानना है कि सही जानकारी किसानों को मजबूत बनाती है, इसलिए हर साल किसान दिवस पर ऐसे उपयोगी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में किसानों के शामिल होने की उम्मीद है। इस दौरान रोहताश कुमार, जॉनी सैनी, बृजेश कुमार, सुभाष सैनी, रजत कुमार, सतीश कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। पुलिस द्वारा मंगलवार को एक व्यक्ति को चोरी की मोटरसाइकिल सहित उसे उस समय गिरफ्तार कर लिया जब पुलिस ग्राम कोटवाल आलमपुर नहर पुल के पास दो पहिया वाहनों की चेकिंग कर रही थी। थानाध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि मंगलवार सुबह ग्राम कोटवाल आलमपुर नहर पुल के पास पुलिस द्वारा दो पहिया वाहनों का चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। उसी समय ग्राम लाठर देवा हुण की ओर से एक व्यक्ति बाइक से आता दिखाई दिया। सामने पुलिस को देखकर उसने मोटरसाइकिल रोक दी तथा बाइक को पीछे मोड कर भागने की फिराक में था। पुलिस को शक होने पर पुलिस द्वारा उक्त बाइक सवार को दबोच लिया । पूछताछ करने पर बाइक सवार संदीप उर्फ बी डी पुत्र जितेंद्र निवासी ग्राम गदरजुडडा थाना मंगलौर बताया ।उसने बताया कि उसने यह बाइक 2 दिसंबर को झबरेड़ा के बाजार से चोरी की थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि बाइक चोरी की रिपोर्ट भी थाने में दर्ज है। उक्त का संबंधित धाराओं में चालान करते हुए न्यायालय में पेश किया गया है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 24 दिसम्बर 2025

बांग्लादेश पर बवाल

बांग्लादेश में हिन्दू कार्यकर्ता की हत्या के बाद वहां आग लगी हुई है ,जिसका असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। भारत के असम, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी बंगाल और उत्तर प्रदेश में हिन्दू संगठन प्रदर्शन कर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। किसी भी देश में लोगों की सुरक्षा उस सरकार का काम होता है, लेकिन बांग्लादेश में हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद यूनुस सरकार आने पर हालात और भी ज्यादा खराब हो गए हैं, जिसके कारण वहां रह रहे अल्पंख्यकों हिन्दुओं में भारी आक्रोश है। हो भी क्यों न, वहां की सरकार हिन्दुओं की रक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है, जिसके कारण भारत में भी माहौल गरमा गया है। परिणामस्वरूप नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर हिन्दू संगठनों का जोरदार प्रदर्शन हुआ और प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए। बांग्लादेश में भी हिंदू युवक की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा है। ये विडंबना ही है कि जिस सरकार को बनाने में सभी लोग भाग लेते हैं, लेकिन सरकार इनकी सुरक्षा में ही विफल हो गई है। और तो और सरकार आरोपियों को बचाने में लगी हुई है। विहिप और अन्य हिंदू संगठनों ने दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमिशन के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। बांग्लादेश में उस्मान हादी की हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या की गई है। दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मारा और बाद में उसका शव जलाया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद से बवाल मच गया। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार के खिलाफ पिछले कुछ दिन से सोशल मीडिया से लेकर सड़क पर प्रदर्शन हो रहा है। प्रदर्शन कर रहे एक शख्स ने रोते हुए कहा कि वहां लोग मारे जा रहे हैं, ये देश राम का है, ये देश कृष्ण का है। हम किसी को नहीं मारते पर वहां हमारी बहन बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है। विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी बैरीकेड को तोड़ने की भी कोशिश कर रहे थे। पुलिस को प्रदर्शनकारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेश हाई कमिशन के सामने सुबह से ही सुरक्षा बढ़ा दी थी। हालांकि, सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बाद भी प्रदर्शनकारियों ने बैरियर तोड़ते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी काफी आक्रोश में थे और उन्होंने सिक्योरिटी का दो लेयर भेद दिया था। इसके बाद भी प्रदर्शनकारी नहीं माने और उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर प्रदर्शन जारी रखा तथा सरकार से मांग की कि इस मामले में बांग्लादेश सरकार से बात की जाए और वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा की बात उठाई जाए। आज देश के तीन राज्यों में बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद सरकार में हलचल मची और भारत सरकार ने बांग्लादेश स्थित अपने उच्चायुक्तों की सुरक्षा को बढ़ा दिया, लेकिन इसी से काम चलने वाला नहीं है।

दुविधा में भारतीय नेतृत्व

बंगलादेश में हिंदू महिलाएं के सिंदूर लगाकर स्वतंत्र रूप से घूमने में डरने की रिपोर्ट चिंता का विषय है, हालांकि यह मुद्दा गंभीर है, लेकिन भारतीय नेतृत्व बंगलादेशी अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाने में नैतिक दुविधा का सामना कर रहा है, क्योंकि देश के भीतर ही कुछ असामाजिक तत्व मुस्लिम महिलाओं के हिजाब जबरन उतारते देखे जाते हैं, कट्टरपंथियों के दबदबे वाली दुनिया में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए वास्तव में कौन खड़ा होगा, केंद्र सरकार को बंगलादेशी अधिकारियों के साथ इस मामले को गंभीरतापूर्वक उठाना चाहिए।

-महबूबा मुफ्ती
अध्यक्ष, पीडीपी

आवाज की दुनिया के सरताज थे मोहम्मद रफी

जन्मदिन पर विशेष

रफी साहब ने अपने सिने करियर में लगभग 700 फिल्मों के लिए 26 हजार से भी ज्यादा गीत गए, वह इंडस्ट्री में अपने मधुर स्वभाव के लिए जाने जाते थे।

मोहम्मद रफी-बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बहुत बड़े प्रशंसक थे। मोहम्मद रफी फिल्म देखने के शौकीन नहीं थे लेकिन कभी-कभी वह फिल्म देख लिया करते थे। एक बार रफी ने अमिताभ बच्चन की फिल्म दीवार देखी थी। दीवार देखने के बाद रफी -अमिताभ के बहुत बड़े प्रशंसक बन गए। वर्ष 1980 में प्रदर्शित फिल्म नसीब में रफी को अमिताभ के साथ युगल गीत-चल चल मेरे भाई-गाने का अवसर मिला। अमिताभ के साथ इस गीत को गाने के बाद रफी बेहद खुश हुए थे। जब रफी साहब अपने घर पहुंचे तो उन्होंने अपने परिवार के लोगों को अपने पसंदीदा अभिनेता अमिताभ के साथ गाने की बात को खुश होते हुए बताया था। अमिताभ के अलावा रफी को शम्मी कपूर और धर्मेन्द्र की फिल्में भी बेहद पसंद आती थी।

अपने लाजवाब पार्श्वगायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाले आवाज की दुनिया के सरताज मोहम्मद रफी को पार्श्वगायक बनने की प्रेरणा एक फकीर से मिली थी। पंजाब के कोटला सुल्तान सिंह गांव में 24 दिसंबर 1924 को एकमध्यम वर्गीय मुस्लिम परिवार में जन्मे रफी एक फकीर के गीतों को सुना करते थे, जिससे उनके दिल में संगीत के प्रति एक अटूट लगाव पैदा हो गया। रफी के बड़े भाई हमीद ने मोहम्मद रफी के मन मे संगीत के प्रति बढ़ते रुझान को पहचान लिया था और उन्हें इस राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। लाहौर में रफी संगीत की शिक्षा उस्ताद अब्दुल वाहिद खान से लेने लगे और साथ ही उन्होंने गुलाम अली खान से भारतीय शास्त्रीय संगीत भी सीखना शुरू कर दिया। एक बार हमीद रफी को लेकर के-एल-सहगल संगीत कार्यक्रम में ले गए, लेकिन बिजली नहीं होने के कारण के-एल- सहगल ने गाने से इंकार कर दिया। हमीद ने कार्यक्रम के संचालक से गुजारिश की कि वह उनके भाई रफी को गाने का मौका दें। संचालक के राजी होने पर रफी ने पहली बार 13 वर्ष की उम्र में अपना पहला गीत स्टेज पर दर्शकों के बीच पेश किया। दर्शकों के बीच बैठे संगीतकार श्याम सुंदर को उनका गाना अच्छा लगा और उन्होंने रफी को मुंबई आने के लिए न्यौता दिया। श्याम सुंदर के संगीत निर्देशन में रफी ने अपना पहला गाना सोनिएनी हिरीए नी पार्श्व गायिका जीनत बेगम के साथ एक पंजाबी फिल्म गुल बलोच के लिए गाया। वर्ष 1944 मे नौशाद के संगीत निर्देशन में उन्हें अपना पहला हिन्दी गाना हिन्दुस्तान के हम है पहले आप के लिए गाया। वर्ष 1949 में नौशाद के संगीत निर्देशन में दुलारी फिल्म मे गाए गीत सुहानी रात ढल चुकी के जरिए वह सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंच गए और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। दिलीप कुमार देवानंद, शम्मी कपूर, राजेन्द्र कुमार, शशि कपूर, राज. कुमार जैसे नामचीन नायकों की आवाज कहे जाने वाले रफी अपने संपूर्ण सिने कैरियर मे लगभग 700 फिल्मों के लिए 26000 से भी ज्यादा गीत गाए।

मोहम्मद रफी-बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बहुत बड़े प्रशंसक थे। मोहम्मद रफी फिल्म देखने के शौकीन नहीं थे लेकिन कभी-कभी वह फिल्म देख लिया करते थे। एक बार रफी ने अमिताभ बच्चन की फिल्म दीवार देखी थी। दीवार देखने के बाद रफी -अमिताभ के बहुत बड़े प्रशंसक बन गए। वर्ष 1980 में प्रदर्शित फिल्म नसीब में रफी को अमिताभ के साथ युगल गीत-चल चल मेरे भाई-गाने का अवसर मिला। अमिताभ के साथ इस गीत को गाने के बाद रफी बेहद खुश हुए थे। जब रफी साहब अपने घर पहुंचे तो उन्होंने अपने परिवार के लोगों को अपने पसंदीदा अभिनेता अमिताभ के साथ गाने की बात को खुश होते हुए बताया था। अमिताभ के अलावा रफी को शम्मी कपूर और धर्मेन्द्र की फिल्में भी बेहद पसंद आती थी। मोहम्मद रफी को अमिताभ-धर्मेन्द्र की फिल्म शोले बेहद पंसद थी और उन्होंने इसे तीन बार देखा था। मोहम्मद रफी फिल्म इंडस्ट्री में मृदु स्वाभाव के कारण जाने जाते थे, लेकिन एक बार उनकी कोकिल कंठ लता मंगेशकर के साथ अनबन हो गई थी। मोहम्मद रफी ने लता मंगेशकर के साथ सैकड़ों गीत गाए थे लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया था जब रफी ने लता से बातचीत तक करनी बंद कर दी थी। लता मंगेशकर गानों पर रॉयल्टी की पक्षधर थी जबकि रफी ने कभी भी रॉयल्टी की मांग नहीं की। रफी साहब मानते थे कि एक बार जब निर्माताओं ने गाने के पैसे दे दिए तो फिर रॉयल्टी किस बात की मांगी जाए। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर के बीच बातचीत भी बंद हो गई और दोनों ने एक साथ गीत गाने से इन्कार कर दिया हालांकि चार वर्ष के बाद अभिनेत्री नरगिस के प्रयास से दोनों ने एक साथ एक कार्यक्रम में -दिल पुकारे-गीत गाया। मोहम्मद रफी ने हिन्दी फिल्मों के अलावा मराठी और तेलुगू फिल्मों के लिए भी गाने गाए। मोहम्मद रफी अपने करियर में 6 बार फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित किए गए। वह वर्ष 1965 में रफी पद्म पुरस्कार से भी सम्मानित किए गए। 30 जुलाई 1980 को आस पास फिल्म के गाने शाम कयू उदास है दोस्त, गाने के पूरा करने के बाद जब रफी ने लक्ष्मीकांत प्यारे लाल से कहा कि शूड आई लीव जिसे सुनकर लक्ष्मीकांत प्यारे लाल अचंभित हो गए क्योंकि इसके पहले रफी ने उनसे कभी इस तरह की बात नहीं की थी। अगले दिन 31 जुलाई 1980 को रफी को दिल का दौरा पड़ा और वह इस दुनिया को ही छोड़कर चले गए।

...साभार

उत्तर प्रदेश में प्राइमरी टीचर्स को जल खरीद गुलाम बना दिए गए, ना उनकी कोई कथा सुनने को तैयार है ना उनसे कोई बात करने को तैयार है। सरकार की नजरों में उनकी इमेज बहुत खराब है। चोर और निकम्मी है बैठे-बैठे फ्री की तनख्वाह लेते हैं अधिकारियों का सारा वक्त इन पर नियंत्रण करने में गुजर रहा है। यह बहुत चिंता की बात है।

उप्र में प्राइवेट टीचर्स की जिंदगी जहन्नुम

शनशाद रशीद

उप्र में प्राइवेट टीचर्स की जिंदगी हन्नुम हो गई है उनके सिर पर पढ़ाई के अलावा कई तरह के काम का बोझ और इतने कम कुछ इज्जतदार काम और कुछ बहुत ही बेइज्जती के काम उनसे करवाए जा रहे हैं जिसकी वजह से ना वह अपने सम्मान को बचा पा रहे हैं और न वह पढ़ाई के काम को ठीक कर पा रहे हैं ना वह अपनी जिंदगी में अपने परिवार अपने रिश्तेदार ना अपने दोस्तों को समय दे पा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में प्राइमरी टीचर होना एक बहुत बड़ी सजा बनती जा रही है बहुत बड़ी हैरानी की बात यह है कि इसकी कोई चर्चा ही नहीं करता कि आखिर मास्टर साहब इतनी तकलीफ में क्यों हैं और अगर हैं तो इससे हमारी और आपकी जिंदगी सब की जिंदगी प्रभावित होगी। बच्चे सबके हैं पढ़ते वही हैं कारण क्या है उत्तर प्रदेश में प्राइमरी टीचर्स की समस्या का उत्तर प्रदेश की शिक्षा जगत की कौम है। उत्तर प्रदेश के प्राइमरी टीचर्स के मास्टर साहब पढ़ने के अलावा जितने भी काम हैं सब करते हैं जब यह सब आते हैं तो सब की डिजिटल अटेंडेंस भरते हैं। 36 तरह के एप हैं जिस पर यह प्रतिदिन ऑनलाइन डाटा भरते हैं। तस्वीर खींचते हैं तस्वीरें वीडियो बनाते हैं अपनी जीपीएस लोकेशन देते हैं और भरते हैं। जब यह सब काम कर लेते हैं उसके बाद में स्कूल में झाड़ू लगवाते हैं बॉथरूमों को साफ करते हैं बॉथरूमों को साफ करते हैं फिर उसके बाद प्रार्थना सभा करते हैं उसके बाद सारी डिटेल मुहैया करते हैं फिर उसके बाद वक्त बचा तो पढ़ाई और मिड डे मील पकवाते हैं, मिड डे मील के बाद फिर रिपोर्टिंग होती है यह सब करने के बाद उनको जनगणना का काम मतगणना का काम एसएआईआर का काम राष्ट्रीय कार्यक्रम कराए जाते हैं। ईधन का इंतजाम और फिर शाम को प्रधान जी कहते हैं सुबह बाजार से सब्जी और कुछ अनाज भी लेते आना, क्योंकि कल बनेगा क्या अभी इसकी तैयारी नहीं है। इसके बाद बचा एबीएसए की चमचागिरी, प्रधान प्रधान की एरोला विधायक विधायक और बाकी अधिकारियों का और मीडिया के हर समय लगे कैमरे एक बहुत ही अपमानजनक काम है इनका। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद में आवारा कुत्ते गिरने के काम में लगाया गया एक शिक्षक को। अगर इस काम में लगाया जाएगा तो क्या उसका कोई आत्म सम्मान बचेगा एक कुत्ते ढूंढने का उनकी गिनती करेगा। यह कौन लोग हैं जो इस तरह का फरमान जारी करते अध्यापकों के आत्म सम्मान के साथ-साथ हमारी मौजूदा आने वाली पीढ़ी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। आखिर क्या कारण है कि प्राइमरी का एक टीचर इतने तरह के काम करता है मतलब यह एक टीचर ना हो गया सुपरमैन हो गया, शक्तिमान हो गया, उनसे इतने काम कराया जाए क्या इसकी कोई व्यक्ति का जिंदगी नहीं है उसको शिक्षा के काम में लगाओ। अध्ययन और अध्यापक के काम में लगाओ जो बहुत ही पवित्र काम है। जब उसका ध्यान सारा दिन फालतू के कामों में वीडियो बनाने में मिड डे मील से लेकर बाथरूम की सफाई तक कराएगा, प्राइमरी टीचर होना एक अभिशाप सा बन गया। उनकी व्यक्तिगत जिंदगी खत्म हो गई है। उत्तर प्रदेश में प्राइमरी टीचर्स को जल खरीद गुलाम बना दिए गए, ना उनकी कोई कथा सुनने को तैयार है ना उनसे कोई बात करने को तैयार है। सरकार की नजरों में उनकी इमेज बहुत खराब है। चोर और निकम्मी है बैठे-बैठे फ्री की तनख्वाह लेते हैं अधिकारियों का सारा वक्त इन पर नियंत्रण करने में गुजर रहा है। यह बहुत चिंता की बात है अब अगर अब अगर शिक्षकों अब अगर शिक्षकों से इंसान के साथ-साथ कुत्ते भी गिन जाएंगे तो फिर समझ में उन्हें इज्जत कौन देगा। एक तरफ तो कहते हैं कि टीचर्स का काम एक बहुत सम्मान का पैसा है तो क्या उनको कुत्ते गिनने के काम में लगाया जाएगा। मास्टर नाम एक काम अनेक और इसी तरह से उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चल रही है। अलीगढ़ के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जो आदेश जारी किया था उसने वापस ले लिया है काफी आलोचना के बाद अब यह संभव था क्या कि मास्टर एक स्कूल के गेट पर खड़ा होकर कुत्तों की निगरानी करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एपस्टिन फाइल्स सत्ता की हनक का प्रतीक

एपस्टीन से जुड़ी जांच फाइलें केवल किसी एक व्यक्ति के अपराधों का दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे उस वैश्विक मानसिक स्थिति का प्रतिबिंब हैं, जिसमें सत्ता, धन और प्रभाव ने मनुष्यता को पीछे छोड़ दिया। यह तथ्य अपने आप में चिंताजनक है कि जिन नामों का उल्लेख इन फाइलों में आया है, वे अलग-अलग देशों, संस्कृतियों, रंगों, जातियों और धर्मों से आते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या किसी एक समाज की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जो स्वयं को नियमों से ऊपर मानने लगती है।

जब किसी व्यक्ति के पास अत्यधिक शक्ति और साधन आ जाते हैं, तब उसके भीतर यह भ्रम जन्म लेने लगता है कि उसके लिए हर सीमा शिथिल है। यही भ्रम धीरे-धीरे संवेदनहीनता में बदल जाता है। दूसरे मनुष्य को वह एक स्वतंत्र व्यक्तित्व नहीं, बल्कि अपने सुख का साधन समझने लगता है। नाबालिग बालिकाएं, जिनका संरक्षण समाज का कर्तव्य है, ऐसे विकृत दृष्टिकोण में सबसे आसान शिकार बन जाती हैं, क्योंकि वे कमजोर होती हैं, निर्भर होती हैं और अक्सर अपनी पीड़ा व्यक्त करने में असमर्थ होती हैं।

आधुनिक समय की उपभोक्तावादी संस्कृति ने इस विकृति को और बढ़ाया है। जब जीवन का उद्देश्य केवल भोग, प्रदर्शन और सुख-साधनों का संग्रह बन जाता है, तब नैतिक विवेक धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। मनोरंजन उद्योग, डिजिटल प्लेटफॉर्म और दिखावटी जीवनशैली ने देह को वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे उम्र, मर्यादा और सहमति जैसी अवधारणाएं गौण होती चली गईं। परिणामस्वरूप, कुछ लोगों के लिए अपराध भी एक 'विशेष सुविधा' जैसा बन गया। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब लगभग हर देश में कानून हैं, अंतर्राष्ट्रीय संधियां हैं और मानवाधिकारों की घोषणाएं हैं, तब भी ऐसे अवैधानिक कृत्य वर्षों तक कैसे चलते रहे।

इसका उत्तर यही है कि कानून पुस्तकों में तो जीवित रहते हैं, लेकिन जब उन्हें लागू करने वाली संस्थाएं प्रभाव, भय या स्वार्थ से ग्रस्त हो जाती हैं, तब न्याय निष्प्रभावी हो जाता है। जब अपराध करने वाले ही सत्ता और व्यवस्था के केंद्र में हों, तब सामान्य नागरिक के लिए न्याय पाना कठिन हो जाता है और प्रभावशाली लोगों के लिए हर दरवाजा अपने आप खुलता चला जाता है। यहीं से समाज में दोहरी व्यवस्था जन्म लेती है एक आम आदमी के लिए और दूसरी ताकतवर लोगों के लिए। जिन स्थानों तक सामान्य व्यक्ति की पहुंच असंभव होती है, वहां प्रभावशाली लोग सहजता से पहुंच जाते हैं। यही असमानता अपराध को जन्म देती है और उसे लंबे समय तक जीवित भी रखती है। इन परिस्थितियों से बचाव केवल कानून बनाने से नहीं होगा। इसके लिए समाज को कई स्तरों पर सजग होना पड़ेगा। सबसे पहले, परिवार और शिक्षा व्यवस्था में बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि उनकी देह, उनकी इच्छा और उनकी असहमति का महत्व क्या है। उन्हें बिना डर के 'ना' कहना सिखाया जाए और यह विश्वास दिलाया जाए कि सच बोलने पर उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाएगा। दूसरे, समाज को प्रभाव और प्रसिद्धि से अंधा होना छोड़ना होगा। किसी व्यक्ति की सफलता, पद या लोकप्रियता उसे नैतिक जांच से मुक्त नहीं कर सकती। मीडिया, न्यायपालिका और नागरिक समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर न हो। तीसरे, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना अनिवार्य है। सत्ता में बैठे लोगों के कार्यों पर निरंतर निगरानी, स्वतंत्र जांच और समयबद्ध न्याय ही ऐसे नेटवर्क को पनपने से रोक सकते हैं। चौथे, सांस्कृतिक स्तर पर यह पुनः स्थापित करना होगा कि संयम, मर्यादा और करुणा कमजोरी नहीं, बल्कि सभ्यता की पहचान हैं। जिन समाजों ने इन मूल्यों को जीवित रखा है, वे आज भी अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं। एपस्टीन प्रकरण हमें यह याद दिलाता है कि नैतिक पतन अचानक नहीं होता, वह धीरे-धीरे तब होता है जब समाज छोटी-छोटी अनैतिकताओं को नजरअंदाज करता रहता है। यदि आज भी हमने समय रहते चेतना नहीं जगाई, तो नाम, स्थान और चेहरे बदलते रहेंगे, पर अपराध की प्रकृति बनी रहेगी। इसलिए यह केवल दूसरों की कहानी नहीं है, यह हम सभी के लिए आत्मपरीक्षा का अवसर है कि हम किस प्रकार का समाज भविष्य की पीढ़ियों को सौंपना चाहते हैं।

> जिन स्थानों तक सामान्य व्यक्ति की पहुंच असंभव होती है, वहां प्रभावशाली लोग सहजता से पहुंच जाते हैं। यही असमानता अपराध को जन्म देती है और उसे लंबे समय तक जीवित भी रखती है। इन परिस्थितियों से बचाव केवल कानून बनाने से नहीं होगा। इसके लिए समाज को कई स्तरों पर सजग होना पड़ेगा। सबसे पहले, परिवार और शिक्षा व्यवस्था में बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि उनकी देह, उनकी इच्छा और उनकी असहमति का महत्व क्या है। उन्हें बिना डर के 'ना' कहना सिखाया जाए और यह विश्वास दिलाया जाए कि सच बोलने पर उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाएगा। दूसरे, समाज को प्रभाव और प्रसिद्धि से अंधा होना छोड़ना होगा। किसी व्यक्ति की सफलता, पद या लोकप्रियता उसे नैतिक जांच से मुक्त नहीं कर सकती।

-राजीव-राकेश

नई दिल्ली। शीत ऋतु के कोहरे के कारण रेल सेवाओं में देरी होने से यात्री रेलवे स्टेशन के बाहर इंतलार करते हुए।

विदेशी ड्रोन आयात पर अमेरिका के प्रतिबंध के फैसले पर खेद जताया

बीजिंग। मानवरहित हवाई वाहनों की दुनिया की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी, चीनी ड्रोन निर्माता डीजेआई ने मंगलवार को अमेरिका द्वारा सभी नए आयातित विदेशी ड्रोनों को प्रतिबंधित करने के फैसले पर खेद व्यक्त किया। 'हुआनकिउ' समाचार एजेंसी के अनुसार डीजेआई ने कहा कि अमेरिका का यह कदम न केवल अमेरिकी उपभोक्ताओं और व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए पसंद की स्वतंत्रता को सीमित करता है, बल्कि एक खुले एवं निष्पक्ष बाजार के सिद्धांतों को भी कमजोर करता है।

पाक में सुरक्षाबलों पर हमले में पांच पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक बार आतंकियों ने घात लगाकर सुरक्षाबलों पर हमला किया। इस हमले में पांच पुलिसकर्मी मारे गए हैं। घटना पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा राज्य की है, जहां मंगलवार को अज्ञात हमलावरों ने एक पुलिस की गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें वैन सवार पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने बताया कि हमला खैबर पख्तूनख्वा जिले के करक जिले में हुई, जहां पुलिसकर्मी रुटीन पेट्रोलिंग पर थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने पुलिस के वाहन पर हमला कर दिया, जिसमें पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। हमले के बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका ने H-1B और H-4 वीजा जांच सख्त की

अब सोशल मीडिया भी चेक किया जाएगा, कई महीनों के लिए इंटरव्यू टाले गए

वॉशिंगटन। अमेरिका ने एच-1बी और एच-4 वीजा के सभी आवेदकों की जांच सख्त कर दी है। 15 दिसम्बर से अब वीजा प्रक्रिया में ऑनलाइन और सोशल मीडिया की जांच भी शामिल कर दी गई है। यह नियम दुनिया भर के सभी देशों के आवेदकों पर लागू होगा।

■ यह कदम एच-1बी वीजा के दुरुपयोग और अवैध इमिग्रेशन पर रोक लगाने के लिए उठाया गया

भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने कहा कि यह कदम एच-1बी वीजा के दुरुपयोग और अवैध इमिग्रेशन पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है। इस फैसले के बाद भारत में हजारों आवेदकों के तय वीजा इंटरव्यू टाल दिए गए हैं। कई इंटरव्यू अब मार्च से मई तक के लिए रीशेडयूल किए गए हैं। इससे वे लोग ज्यादा परेशान हैं, जो इंटरव्यू के लिए पहले ही भारत आ चुके हैं और वीजा न होने के कारण अमेरिका वापस नहीं जा पा रहे। दूतावास के मुताबिक, एच-1बी और एच-4 वीजा के आवेदन लिए जा रहे हैं, लेकिन जांच बढ़ने से प्रक्रिया में ज्यादा समय लग सकता है। भारत सरकार ने कहा है कि वह इस मुद्दे पर अमेरिका से लगातार बातचीत कर रही है, ताकि भारतीय छात्रों और पेशेवरों को परेशानी न हो। एच-1 बी वीजा क्या है- हाई स्किल्ड प्रोफेशनल्स जैसे डॉक्टर्स, इंजीनियर, सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स को एच-1 बी वीजा जारी होता है। 1990 में अमेरिकी कांग्रेस में बिल के जरिए ये वीजा अस्तित्व में आया। भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, क्योंकि हर साल कुल जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा में से 70 प्रतिशत भारतीय प्रोफेशनल्स को जारी किए जाते हैं। पहले फीस लगभग 9 हजार डॉलर थी, लेकिन सितम्बर 2025 में ट्रम्प ने इसे बढ़ाकर लगभग 90 लाख रुपये कर दिया। 3-3 साल के लिए दो बार जारी होता है। कुल अवधि 6 साल के बाद आवेदक चाहे तो ग्रीन कार्ड यानी नागरिकता से पहले की स्टेज के लिए आवेदन कर सकता है। ट्रम्प का एच-1 बी वीजा पर 9 साल में कभी हां, कभी ना वाला रवैया रहा है। पहले कार्यकाल में 2016 में ट्रम्प ने इस वीजा को अमेरिकी हितों के खिलाफ कहा था। 2019 में इस वीजा का एक्सटेंशन सस्पेंड किया। पिछले महीने ही यू-टर्न लेते हुए कहा: हमें टैलेंट की जरूरत है। ट्रम्प ने एच-1बी में बदलाव के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड लॉन्च किए थे। 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड', 'ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड' और 'कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड' जैसी सुविधाएं भी शुरू की गई हैं। ट्रम्प गोल्ड कार्ड (8.8 करोड़ कीमत) व्यक्ति को अमेरिका में अनलिमिटेड रेसीडेंसी (हमेशा रहने) का अधिकार देगा।

ट्रम्प ने सालभर में 18 हजार करोड़ चंदा लिया

बदले में करोड़ों के फायदे दिए, लिस्ट में सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसा 6 भारतवंशी शामिल

वॉशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी टीम ने बड़े पैमाने पर चंदा जुटाया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच में सामने आया है कि चुनाव के बाद ट्रम्प और उनके करीबियों ने करीब 2 अरब डॉलर (18 हजार करोड़ रुपये) अलग-अलग फंड और योजनाओं के लिए इकट्ठा किए। यह रकम उनके इलेक्शन कैंपेन के लिए जुटाई गई राशि से भी ज्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी काग. जात, फंडिंग रिकॉर्ड और कई लोगों से बातचीत करके पता लगा कि कम से कम 346 बड़े दानदाता ऐसे हैं, जिनमें से हर एक ने 2.5 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का चंदा दिया। इन लोगों से ही करीब 50 करोड़ डॉलर से ज्यादा की रकम आई। इनमें से लगभग 200 दानदाता ऐसे हैं, जिन्हें या जिनके कारोबार को ट्रम्प सरकार के फैसलों से फायदा मिला। इनमें सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसे 6 भारतवंशी बिजनेसमैन शामिल हैं। इन फायदों में कई बातें शामिल हैं। किसी को राष्ट्रपति की तरफ से माफी मिली, किसी के खिलाफ चल रहे केस खत्म हो गए, किसी कंपनी को बड़े सरकारी ठेके मिल गए तो किसी को सीधे व्हाइट हाउस तक पहुंच मिली या सरकार में बड़ा पद दिया गया। हालांकि रिपोर्ट यह भी कहती है कि यह साबित करना मुश्किल है कि किसी ने पैसा दिया और बदले में सीधा फायदा मिला, लेकिन इतना जरूर है कि

■ न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच में खुलासा
■ 'ट्रस्ट फॉर दे नेशनल मॉल' नाम के संगठन के जरिए लिया पैसा, दान के बदले कोई राजदूत बना, किसी को कॉन्ट्रैक्ट मिले
■ ट्रम्प की टीम ने पैसे जुटाने के लिए कई अलग अलग रास्ते बनाए

पैसे और फायदों का यह रिश्ता सवाल खड़े करता है। ट्रम्प की टीम ने पैसे जुटाने के लिए कई अलग-अलग रास्ते बनाए। इनमें सबसे बड़ा है मेगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आईएनसी, जो एक सुपर पीएसी है। पीएसी एक ऐसा संगठन होता है, जो राजनीति के लिए पैसा इकट्ठा करता है और उस पैसे से किसी उम्मीदवार या पार्टी का समर्थन करता है।

इसने नवम्बर 2024 से जून 2025 के बीच करीब 200 मिलियन डॉलर जुटाए। इसके अलावा ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के लिए बनी कमेटी ने करीब 240 मिलियन डॉलर जुटाए, जो अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा है। इतना ही नहीं, व्हाइट हाउस में एक शानदार बॉलरूम बनाने के लिए भी चंदा लिया जा रहा है। ट्रम्प का कहना है कि इसके लिए करीब 350 मिलियन डॉलर जुट चुके हैं, हालांकि टाइम्स को करीब 100 मिलियन डॉलर के दानदाताओं की पुष्टि मिली है। यह पैसा 'ट्रस्ट फॉर दे नेशनल मॉल' नाम के संगठन के जरिए लिया जा रहा है। ट्रम्प ने 4 महीने पहले अमेरिकी उद्योगपतियों को व्हाइट हाउस में डिनर पार्टी दी थी, इसमें सुंदर पिचाई, मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, टिम कुक समेत कई दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए थे। ट्रम्प ने 4 महीने पहले अमेरिकी उद्योगपतियों को व्हाइट हाउस में डिनर पार्टी दी थी, इसमें सुंदर पिचाई, मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, टिम कुक समेत कई दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए थे। इसके अलावा अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए बने संगठन 'अमे. रिका 250', व्हाइट हाउस में एक शानदार बॉलरूम बनाने के लिए भी चंदा लिया जा रहा है। ट्रम्प का कहना है कि इसके लिए करीब 350 मिलियन डॉलर जुट चुके हैं, हालांकि टाइम्स को करीब 100 मिलियन डॉलर के दानदाताओं की जरूरी नहीं है, इसलिए पूरा सिस्टम

अदालत ने दिया ट्रम्प प्रशासन को झटका

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत के जज ने ट्रम्प प्रशासन को झटका देते हुए आदेश दिया है कि अल सल्वाडोर की जेल भेजे गए वेनेजुएला के कैदियों को भी कानूनी अपील का अधिकार मिलना चाहिए। जज ने कहा कि या तो कैदियों को अदालती सुनवाई की सुविधा मिले या फिर उन्हें अमेरिका वापस लाया जाए। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज जेम्स बोसबर्ग ने ट्रम्प सरकार को उन लोगों के लिए दो हफ्ते के अंदर एक योजना बनाने का आदेश दिया, जिन्हें बाद में अल सल्वाडोर से कैदियों की अदला-बदली में वेनेजुएला वापस भेज दिया गया था। बोसबर्ग ने आदेश में लिखा कि याचिकाकर्ताओं को उस तरह से नहीं हटाया जाना चाहिए था, जिस तरह से उन्हें हटाया गया, बिना किसी नोटिस के और उन्हें विरोध करने का कोई मौका भी नहीं दिया गया, जो उनके कानूनी अधिकारों का साफ उल्लंघन है। ट्रम्प प्रशासन की अप्रवासन विरोधी कार्रवाई में यह मामला एक बड़ा कानूनी मुद्दा बन गया है। इसकी शुरुआत मार्च में हुई, जब ट्रम्प सरकार ने 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करते हुए वेनेजुएला के आपराधिक गुटों के सदस्य होने के आरोप में कुछ अप्रवासियों को टेरेरिज्म कन्फाइनमेंट सेंटर नाम की जेल में भेज दिया गया था। जुलाई में अमेरिका के साथ कैदियों की अदला-बदली में 200 से जयादा प्रवासियों को वेनेजुएला वापस भेज दिया गया था।

■ जेल भेजे गए वेनेजुएला के कैदियों को मिले अपील का अधिकार

काफी हद तक सीक्रेट बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प खुद इस पर नजर रखते हैं कि कौन कितना पैसा दे रहा है। उनकी फंडरेजिंग प्रमुख मेरिडिथ ओ'रूर्क उन्हें रेगुलर जानकारी देती हैं। कई लॉबिस्ट अपने क्लाइंट्स को सलाह देते हैं कि अगर ट्रम्प का ध्यान और पहुंच चाहिए तो इन संगठनों को दान देना फायदेमंद हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक महिला ने मेगा आईएनसी को 25 लाख डॉलर दिए और कुछ महीनों बाद उसके पिता को जस्टिस डिपार्टमेंट से रिश्वत मामले में बहुत कम सजा मिली। इसी तरह एक इंजीनियरिंग कंपनी पार्सन्स ने बॉलरूम प्रोजेक्ट के लिए 25 लाख डॉलर दिए और वह ट्रम्प के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम जैसे अरबों डॉलर के सरकारी ठेकों की दौड़ में है। वीडियो गेम कंपनी रोब्लॉक्स के सीईओ ने भी बड़ा दान दिया और ट्रम्प की एआई से जुड़ी नीतियों की तारीफ की।

बांग्लादेश में उन्माद पर अमेरिका ने जताई चिंता

वॉशिंगटन। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की कथित मॉब लिंचिंग को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। अमे. रिका के सांसदों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए बांग्लादेश सरकार से धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून का राज बहाल करने की मांग की है।

इलिनॉय से डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या को लक्षित हिंसा करार देते हुए कहा कि यह घटना देश में बढ़ती अस्थिरता और अशांति का संकेत है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ पारदर्शी जांच और सख्त कार्रवाई बेहद जरूरी है। कृष्णमूर्ति ने अपने बयान में कहा मैं बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग से बेहद आहत हूं। सरकार को न केवल दोषियों को सजा देनी चाहिए, बल्कि हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों को आगे की हिंसा से बचाने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। वहीं, न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने भी इस घटना को बेहद भयावह बताते हुए कहा कि यह बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न के एक चिंताजनक पैटर्न को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि भीड़ ने युवक की बेरहमी से पिटाई की, फिर उसे आग के हवाले कर दिया और शव को सड़क पर छोड़ दिया गया।

■ इलिनॉय से डेमोक्रेट सांसद बोले: अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कानून का राज बहाल करे सरकार
■ दोषियों के खिलाफ पारदर्शी जांच और सख्त कार्रवाई बेहद जरूरी है

राजकुमार के अनुसार, बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के आंकड़े बताते हैं कि अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच अल्पसंख्यकों पर 2400 से अधिक हमले हुए और 150 से ज्यादा मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। गौरतलब है कि घटना 19 दिसम्बर की है, जब मायमेनसिंह शहर में एक फैक्ट्री में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित रूप से ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने मार डाला। अब तक इस मामले में 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अमेरिकी सांसदों ने स्पष्ट कहा है कि धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा केवल बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है।

भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग को 'शांति अधिनियम 2025' देगा बढ़ावा

नई दिल्ली। अमेरिका-भारतीय रणनीतिक सहभागिता पार्टनरशिप फोरम ने मंगलवार को -नाभिकीय ऊर्जा का सतत दोहन तथा उन्नयन विधेयक 2025 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे भारत के नागरिक परमाणु ढांचे में 'व्यापक सुधार' बताया, जो स्वच्छ ऊर्जा में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करेगा।

■ यूएसआईएसपीएफ ने नाभिकीय ऊर्जा का सतत दोहन तथा उन्नयन विधेयक 2025 के पारित होने का स्वागत किया

लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित होने के बाद इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली है। आजादी के बाद से भारत के परमाणु क्षेत्र में यह सबसे बड़ा सुधार है। यह नया कानून परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज अधिनियम 2010 का स्थान लेगा। यूएसआईएसपीएफ ने इस अधि. नियम को भारत के ऊर्जा परिदृश्य में 'ऐतिहासिक मोड़' करार दिया है, जो अमेरिका और भारत के बीच परमाणु ऊर्जा विकास में बेहतर सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा। शांति अधिनियम भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी और विदेशी भागीदारी बढ़ाने, परमाणु ऑपरेटरों के लिए दायित्व ढांचे को स्पष्ट करने और 2008 में किए गए भारत-अमेरिका नागरिक परमाणु समझौते की लंबित संभावनाओं को क्रियान्वित करने की क्षमता के मद्देनजर इसमें महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं।

चीनी ने भारतीयों के लिए लॉन्च किया ऑनलाइन वीजा सिस्टम

आवेदन की स्थिति को रियल-टाइम में ट्रैक किया जा सकेगा

बीजिंग। दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने अब भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए 'चाइना ऑनलाइन वीजा एप्लीकेशन सिस्टम' लॉन्च किया है। इसके तहत अब भारतीय नागरिक चीन के लिए वीजा ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिससे पहले की तरह भारी कागजी कार्यवाही और व्यक्तिगत तौर पर दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी।

शेनझेन स्थित चीनी ऑनलाइन पोर्टल ग्रेटर बे एरिया (जीबीए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। दूतावास ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट वीचैट पर बताया कि यह सेवा 22 दिसम्बर, 2025 से आधिकारिक रूप से शुरू होगी। जानकारी के अनुसार ऑनलाइन वीजा आवेदन प्रणाली के तहत अब आवेदक 'वीजा फोर चाइना' वेबसाइट पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं, दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं और बायोमेट्रिक अपॉइंटमेंट भी तय कर सकते हैं। यह सुविधा टूरिस्ट (एल), बिजनेस (एम), स्टूडेंट (एक्स) और वर्क (जेड) वीजा के लिए उपलब्ध होगी। रिपोर्ट की माने तो इस नई प्रणाली के तहत अब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने से दूतावास जाने की जरूरत केवल बायोमेट्रिक के लिए होगी। आवेदन की स्थिति को रियल-टाइम में ट्रैक किया जा सकेगा। इतना ही नहीं शुल्क का भुगतान यूनियनपे के जरिए आईएनआर में किया जा सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा के अतिरिक्त खर्च से बचा जा सके। हालांकि, चीनी दूतावास की अंग्रेजी वेबसाइट पर अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। बता दें कि यह कदम भारत-चीन संबंधों को सामान्य करने की दिशा में उठाए गए हालिया प्रयासों का हिस्सा है। इसके तहत पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों ने कई कदम उठाए हैं, जैसे कि भारत ने चीनी पेशेवरों के लिए बिजनेस वीजा प्रक्रिया तेज की। जुलाई में भारत ने चीनी नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा जारी करना फिर से शुरू किया। इसके बाद अक्टूबर में दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स फिर से शुरू हुईं। गौरतलब है कि भारत और चीन के संबंध बीते कुछ वर्षों से बहुत ज्यादा अच्छे नहीं रहे। वहीं मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सैन्य गतिरोध के कारण चीन के नागरिकों को भारत में वीजा जारी करना बंद कर दिया गया था। ऐसे में अब चार साल से अधिक के सैन्य गतिरोध के बाद दोनों देशों ने धीरे-धीरे रिश्तों को सामान्य करने के कई कदम उठाए हैं।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की अपील दोहराई

अमेरिका के राष्ट्रपति बोले: ग्रीनलैंड राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चाहिए, प्राकृतिक संसाधनों के लिए नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के अपने इरादे को दोहराते हुए कहा है कि यह क्षेत्र उन्हें 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए' चाहिए न कि प्राकृतिक संसाधनों के लिए। ट्रम्प ने फ्लोरिडा के पाम बीच पर संवाददाताओं से कहा कि हमें ग्रीनलैंड राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चाहिए, न कि खनिजों के लिए।

ट्रम्प का यह बयान उनके प्रशासन के पिछले बयान से मेल नहीं खाता, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक रणनीति और अहम खनिजों एवं प्राकृतिक संसाधनों की संभावनाओं के लिए ग्रीनलैंड चाहता है। ट्रम्प ने रविवार को लुइज़ियाना के गवर्नर जेफ़ लैंड्री को ग्रीनलैंड में अपना विशेष दूत नियुक्त किया था। अमे. रिका के राष्ट्रपति ने फ्लोरिडा में कहा कि हमें ग्रीनलैंड चाहिए ही चाहिए और लैंड्री हमारी कोशिश की अगुवाई करना चाहते थे। वह

■ डेनमार्क ने 2009 में ग्रीनलैंड के स्वराज से जुड़ा अधिनियम अपनी संसद में पारित किया था

कहते हैं कि वह (ग्रीनलैंड) डेनमार्क का है। डेनमार्क ने उस पर कोई खर्च नहीं किया और उसके पास कोई सैन्य सुरक्षा नहीं है। इसके जवाब में लैंड्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि विशेष दूत का पद ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए एक स्वैच्छिक पद होगा। ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक पूर्व औपनिवेशिक क्षेत्र है, जिसे 1979 में स्वराज का अधिकार दिया गया था। डेनमार्क ने 2009 में ग्रीनलैंड के स्वराज से जुड़ा अधिनियम अपनी संसद में पारित किया था, जिसके बाद इस द्वीप को अपने आंतरिक मामलों में फैसले लेने की आज़ादी मिल गई। डेनमार्क के प्रधानमंत्री कार्यालय की वेबसाइट के अनुसार, ग्रीनलैंड के विदेशी मामलों, रक्षा और सुरक्षा नीति पर अब भी डेनमार्क का ही अधिकार है। ग्रीनलैंड के लिए ट्रम्प के दूत की नियुक्ति से ग्रीनलैंड, डेनमार्क और यूरोपीय संघ में कड़ी राजनयिक उथल-पुथल हुई है। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने सोमवार को कहा कि वह इस नियुक्ति को लेकर डेनमार्क में अमेरिकी राजदूत केनेथ होवेरी को बुलाएंगे। रासमुसेन ने डेनमार्क के प्रसारक टीवी 2 से कहा कि मैं इस विशेष दूत की नियुक्ति से बहुत परेशान हूं। मैं खास तौर पर दूत के बयानों से परेशान हूं, जिन्हें हम बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकते। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन ने सोमवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि वे अमेरिका से अपनी 'संयुक्त क्षेत्रीय अखंडता' के लिए सम्मान की उम्मीद करते हैं।

श्रीलंका को 45 करोड़ डॉलर का भारत देगा 'पुनर्निर्माण पैकेज': जयशंकर

कोलम्बो। भारत ने चक्रवात 'दितवाह' से हुई तबाही से उबरने में श्रीलंका की मदद के लिए 45 करोड़ डॉलर के राहत एवं पुनर्निर्माण पैकेज की घोषणा की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह जानकारी मंगलवार को दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में कोलंबो पहुंचे डा. जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमारा दिसानायके को प्रधानमंत्री का पत्र सौंपा, जिसमें इस सहायता का विवरण दिया गया है। इस पैकेज में 35 करोड़ डॉलर की रियायती ऋण सहायता (लाइन ऑफ क्रेडिट) और 10 करोड़ डॉलर की अनुदान राशि शामिल है। विदेश मंत्री ने श्रीलंका के विदेश मामलों के मंत्री विजिता हेराथ के साथ भी बैठक की, जिसमें सहायता को शीघ्रता से पहुंचाने और देश की पुनर्निर्माण प्राथमिकताओं पर चर्चा भी की गई। डा. जयशंकर ने कहा कि मोदी के

■ चक्रवात 'दितवाह' से हुई तबाही से उबरने में मदद के लिए नई दिल्ली ने बढ़ाए हाथ

विशेष दूत के रूप में और राष्ट्रपति के लिए संदेश लेकर हम उनसे मिले। चक्रवात दितवाह से हुए नुकसान पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री का जो पत्र मैंने सौंपा है, वह भारत की 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' भूमिका को आगे बढ़ाता है और 45 करोड़ डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज की प्रतिबद्धता जताता है।